E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 315 | गुवाहाटी | शनिवार, 15 जून, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

जेपी नड्डा ने की उच्च स्तरीय बैठक, सौ दिनों में स्वास्थ्य लक्ष्यों की प्राप्त करने ... पेज 2
मणिपुर जा रहा ड्रोन से संबंधित उपकरण जब्त पेज 3
सीएम योगी ने तलब की लापरवाह अफसरों की रिपोर्ट पेज 5
सूर्या ने दिखाया कि वे अलग शैली में भी खेल सकते हैं : रोहित पेज 7

नीट मामले पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दिखाई सख्ती, कहा-

गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं करेंगे जवाबदेही तय की जाएगी

नई दिल्ली। मेडिकल में दाखिले से जुड़ी परीक्षा नीट-यूजी में बढ़े रजिस्ट्रेशन और स्कोर पर उठ रहे सवालों के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का कहना है कि यह बढ़ोत्तरी परीक्षा से जुड़े सुधारों के चलते आया है। उन्होंने कहा कि परीक्षा का आयोजन 13 भारतीय भाषाओं में कराने, मेडिकल की पढ़ाई हिंदी माध्यम में भी कराने, परीक्षा के पाठ्यक्रम को छोटा रखने व राज्यों के शिक्षा बोर्ड के साथ प्रश्नों को लेकर तालमेल स्थापित करना इसकी बड़ी वजह है। प्रधान ने जल्द ही इसके आंकड़े भी जारी की बात कही। केंद्रीय मंत्री प्रधान ने कहा कि इस परीक्षा के लिए देश भर के 24 लाख बच्चों ने रजिस्ट्रेशन कराया था, जिसमें से 23 लाख बच्चों ने परीक्षा दी। यह परीक्षा 4750 केंद्रों पर आयोजित की थी। इनमें 14 परीक्षा केंद्र देश के बाहर भी थे। इनमें से छह परीक्षा केंद्रों पर गलत पेपर बंटने से छात्रों को कम समय मिलने का मामला था, जिन्हें इस नुकसान की भरपाई के लिए कमेटी के सुझाव पर ग्रेस मार्क्स दिए गए थे, लेकिन उस पर उठे सवालों के बाद ग्रेस मार्क्स देने का फैसला अब वापस ले लिया गया है। प्रधान ने कहा कि ऐसे छात्रों को परीक्षा में फिर से बैठने या बगैर ग्रेस मार्क्स के अपने मूल अंक को स्वीकार करने का विकल्प दिया गया है। ऐसे में यह विवाद अब खत्म हो गया है। दूसरा विषय एक-दो परीक्षा केंद्रों पर पेपर लीक होने का है। जिसका विषय सुप्रीम कोर्ट के सामने है। कोर्ट जो भी निर्देश देगा,

वह उसका पालन करेंगे। प्रधान ने एक सवाल के जवाब में कहा कि वह परीक्षा को फुलप्रूफ बनाने की दिशा में काम कर रहे है। इस परीक्षा में अब तक जिस तरह की गड़बड़ी की बात सामने आयी है, वह इसकी जांच करा रहे है। जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। उन्हें कतई छोड़ेंगे नहीं। इसके साथ ही उन्होंने इस मामले में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की जवाबदेही तय करने की भी बात कहीं और कहा कि चाहे गलत पेपर खुलने का मामला हो या दूसरी कोई भी गड़बडी, जो भी जिम्मेदार होगा, उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि इस मामले में परीक्षा केंद्रों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। कांग्रेस की ओर से नीट-यूजी मामले को संसद में उठाने के सवाल पर प्रधान ने कहा कि वह इस मामले में जिस तरह से भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे है। उसका जवाब उन्हें संसद में देंगे। नीट-यूजी में गड़बड़ी को लेकर छात्रों के देश भर में चल रहे प्रदर्शन के बीच छात्रों और अभिभावकों के एक वर्ग ने शुक्रवार को शास्त्री भवन पहुंचकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात की। प्रधान ने इस दौरान इनकी बातों को ध्यान सुना। साथ ही उन्हें आश्वासन दिया कि उनके साथ किसी तरह की गड़बड़ी नहीं होने दी -शेष पृष्ठ दो पर

1 जुलाई से तीन नए क्रिमिनल कानून होंगे लागू

मॉब लिंचिंग, देश द्रोह सहित कई मामलों में होंगे अहम बदलाव

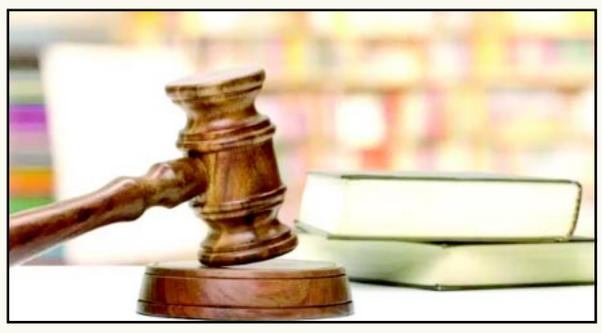

नई दिल्ली। आपराधिक न्याय प्रणाली में सुधार की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए तीन नए क्रिमिनल कानून- भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) 1 जुलाई से लागू होंगे। पिछले साल अगस्त में संसद के मानसून सत्र के दौरान पेश किए गए ये कानून क्रमश: औपनिवेशिक युग की भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और 1872 के भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह लेंगे। शुक्रवार को कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग ने सभी मंत्रालयों और विभागों को सूचित किया है कि तीनों नए आपराधिक कानून 1 जुलाई, 2024 से प्रभावी होंगे। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग ने यह भी अनुरोध किया है कि ये मंत्रालय और विभाग इन नए कानूनों की विषय-वस्तु को अपने विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शामिल करें। गृह मंत्रालय ने इस संबंध में सभी राज्यों के डीजीपी से मुलाकात की और उन्हें तीनों नए कानूनों का उचित क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 163 साल पुरानी आईपीसी की जगह लेगी, जिससे दंड कानून में महत्वपूर्ण बदलाव आएंगे। नये -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस का हाथ कट्टरपंथी इस्लामिक आतंक के साथ : भाजपा

नई दिल्ली (हि.स.)। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता और राज्य के मुख्यमंत्री के सहयोगी एम लक्ष्मण (जिन्हें मैसूर से टिकट भी मिला) के एसडीपीआई के बारे में ताजा खुलासे के बाद भाजपा हमलावर हो गई है। भाजपा का कहना है कि कांग्रेस का हाथ हमेशा कट्टरपंथी इस्लामिक आतंक के साथ रहा है। 26/11 के आतंकवादी कसाब, पुलवामा पर पाकिस्तान का बचाव करने के बाद अब कांग्रेस ने माना कि उसने -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने 25 मेगावाट नामरूप सौर ऊर्जा परियोजना की आधारशिला रखी

डिब्रूगढ़। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को डिब्रूगढ़ के नामरूप में 25 मेगावाट की नामरूप सौर ऊर्जा परियोजना की आधारशिला रखी। नामरूप सौर ऊर्जा परियोजना से क्षेत्र की ऊर्जा अवसंरचना में वृद्धि होने तथा कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में योगदान मिलने की उम्मीद है। कार्यक्रम में बोलते हुए सीएम शर्मा ने कहा कि यह परियोजना नामरूप में 108 एकड़ भूमि पर स्थापित की जाएगी और पहली बार एईजीसीएल और ऑयल इंडिया संयुक्त रूप से काम कर रहे हैं। सौर परियोजना हमारे ऊर्जा बुनियादी ढांचे को बढ़ाएगी। जब मैंने असम के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला था, तब पीक ऑवर्स में 1,800 मेगावाट बिजली की आवश्यकता -शेष पृष्ठ दो पर

शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

कुवैत अग्नि त्रासदी में मारे गए 45 भारतीयों के शव भारत लाए गए

नई दिल्ली (हि.स.)। कुवैत में आग लगने की घटना में मारे गए 45 भारतीयों के शव शुक्रवार को वायुसेना के एक विशेष विमान भारत लाए गए । विमान आज दोपहर कोच्चि पहुंचा, जहां केरल के मुख्यमंत्री पिन्नराई विजयन, विदेश राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह, केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी और अन्य मंत्रियों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मृतकों में केरल से 23, तमिलनाडु से 7, आंध्र प्रदेश से 3, उत्तर प्रदेश से 3, ओडिशा से 2 और बिहार, पंजाब, कर्नाटक, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, झारखंड और हरियाणा से एक-एक हैं। भारतीय दूतावास के अनुसार -शेष पृष्ठ दो पर

सिक्किम में भारी बारिश और भूस्खलन लाचुंग में 1,200 से अधिक पर्यटक फंसे

गंगटोक (हि.स.)। सिक्किम में भारी बारिश और भूस्खलन से विभिन्न स्थानों पर जनधन को बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। कुछ स्थानों पर सड़कें बह जाने से वाहनों की सुचारू आवाजाही प्रभावित हुई है। भारी बारिश और भूस्खलन के कारण सड़क बंद होने से 1200 घरेलू और 15 विदेशी पर्यटक मंगन जिले के लाचुंग में फंस गए हैं। राज्य पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन विभाग के मुताबिक गुरुवार रात हुई मूसलाधार बारिश से उत्तरी सिक्किम में भारी नुकसान हुआ है। खासतौर पर उत्तरी सिक्किम के लाचुंग को राज्य के अन्य हिस्सों से जोड़ने वाली सड़क बह गई है। इसके कारण यातायात अवरुद्ध हो गया है। यातायात ठप होने से लाचुंग घूमने गए पर्यटक फंस गए हैं। भारी बारिश और भूस्खलन के कारण सड़क बंद होने से 1200 घरेलू और 15 विदेशी पर्यटक मंगन जिले के लाचुंग में फंस गए हैं, लेकिन सुरक्षित हैं। स्थानीय अधिकारियों ने पर्यटकों से अनुरोध किया है कि वे जोखिम न लें और अपने स्थानों पर ही रहें। विभाग के प्रधान सचिव सीएस राव ने आज जारी एक नोटिस में कहा है कि फंसे हुए पर्यटकों के लिए खाद्य सामग्री और राशन का पर्याप्त भंडार है। फंसे हुए पर्यटकों को हेलीकॉप्टर से निकालने के लिए राज्य के मुख्य सचिव भारत सरकार -शेष पृष्ठ दो पर

बीएसएफ की सेवा तारीफ के काबिल : उपराष्ट्रपति

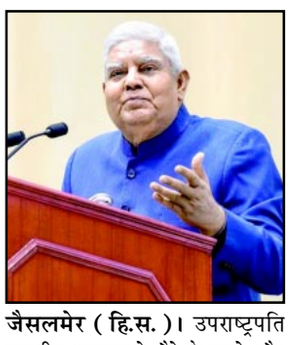

जैसलमेर (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने दौरे के दूसरे और आखिरी दिन अपनी पत्नी के साथ एक सैनिक सम्मेलन में हिस्सा लिया। धनखड़ ने बीएसएफ की उसकी सेवाओं की सराहनी की और उन्हें सलाम किया। उपराष्ट्रपति धनखड़ दो दिन के दौरे पर जैसलमेर में प्रवास पर हैं। शुक्रवार को यहां सम रोड स्थित सीमा सुरक्षा बल की 154वीं बीएन बटालियन परिसर में आयोजित सैनिक सम्मेलन में धनखड़ ने कहा कि बीएसएफ जो सेवा कर रही है, वो तारीफ के काबिल है। जवान सीमाओं पर प्रथम पंक्ति में खड़े रहकर सुरक्षा का जिम्मा संभाल रहे हैं। बीएसएफ की सेवा को मैं सलाम करता हूं। बीएसएफ सीमा पर तैनात है, इसलिए हर भारतवासी सुरक्षित है। धनखड़ ने कहा कि बीएसएफ के कारण हर कोई निडरता से जी रहा है। बीएसएफ की सजगता के चलते देश के दुश्मन नाकाम हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि बीएसएफ ने कोरोनाकाल -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

जब तक भारत दुनिया का सामना नहीं करता, उसकी कोई इज्जत नहीं करेगा। इस संसार में डर के लिए कोई जगह नहीं है। ताकत सिर्फ ताकत का ही सम्मान करती है।

\- **अब्दुल कलाम**

एक्शन में अमित शाह, जम्मू-कश्मीर पर कल बुलाई हाई लेवल मीटिंग

जम्मू। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमलों की सुरक्षा स्थित की समीक्षा की। रियासी में तीर्थयात्रियों की बस पर हमले सहित कई आतंकी हमलों के बारे में चर्चा की। शाह ने 16 जून को एक हाई-लेवल की बैठक भी बुलाई। इस मीटिंग में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, सेना और सीआरपीएफ के शीर्ष अधिकारी और अन्य शामिल होंगे। जानकारी के मुताबिक गृह मंत्री को जम्मू-कश्मीर की मौजूदा स्थिति और आतंकी घटनाओं के बाद उठाए गए कदमों के बारे में जानकारी दी गई। पिछले चार दिनों में जम्मू-कश्मीर के रियासी, कठुआ और डोडा जिलों में चार स्थानों पर आतंकवादियों ने -शेष पृष्ठ दो पर

जी-7 समिट से पहले इटली की संसद में चले लात-घूसे

रोम। इटालियन संसद में बुधवार को एक बिल को लेकर सांसद आपस में भिड़ गए, जिसका वीडियो इंटरनेट पर खूब शेयर वायरल हो रहा है। यह घटना तब हुई जब इटली ने पुगलिया में वार्षिक ग्रुप ऑफ सेवन (जी-7) शिखर सम्मेलन के लिए विश्व नेताओं की मेजबानी शुरू की। विभिन्न मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, विधेयक में कुछ क्षेत्रों को और अधिक स्वायत्तता देने की मांग की गई है। इस बीच, प्रस्ताव के विरोधियों ने दावा किया कि -शेष पृष्ठ दो पर

येदियुरप्पा को राहत, हाईकोर्ट ने गिरफ्तारी पर लगाई रोक

बेंगलुरु। कर्नाटक के पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा को पॉक्सो मामले में बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने उन्हें जांच में शामिल होने का निर्देश देते हुए गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने उन्हें 17 जून को सीआईडी के समक्ष हाजिर होने का निर्देश दिया है। कोर्ट में जूनियर बीएस येदियुरप्पा ने जवाब दिया कि वह 17 जून को सीआईडी के सामने हाजिर होंगे। उसके बाद हाई कोर्ट ने शुक्रवार को आदेश जारी किया है कि गिरफ्तारी और जांच की जरूरत नहीं है। बता दें कि इसके पहले कोर्ट ने पुलिस की याचिका मंजूर कर ली थी और येदियुरप्पा के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया था। येदियुरप्पा द्वारा -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

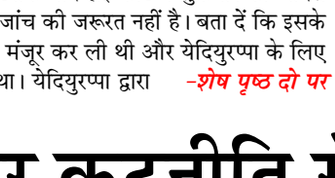

चारों धामों में दर्शन के लिए निर्धारित सीमा समाप्त

देहरादून (हि.स.)। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा सामान्य रूप से संचालित हो रही है। रोजाना देश-दुनिया से श्रद्धालु चारधाम यात्रा पर उत्तराखंड पहुंच रहे हैं। इस बीच चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए रोजाना निर्धारित संख्या को समाप्त करने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री -शेष पृष्ठ दो पर

ध्वस्त होगा अवैध रूप से बना शिव मंदिर

सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा दिल्ली हाईकोर्ट का फैसला

नई दिल्ली। 29 मई को दिल्ली उच्च न्यायालय के अवैध रूप से बने शिव मंदिर को गिराने के फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा है। न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की अवकाश पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। दरअसल दिल्ली उच्च न्यायालय के 29 ने यमुना के डूब क्षेत्र में स्थित एक शिव मंदिर को गिराने की अनुमति दी गई थी। प्राचीन शिव मंदिर को गिराने का आदेश देते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा था कि भगवान शिव को अदालत के संरक्षण की आवश्यकता नहीं है। यह *हम लोग* हैं जो भगवान शिव की सुरक्षा और आशीर्वाद चाहते हैं। यदि यमुना नदी के तल और बाढ़ के मैदान को अतिक्रमण और अवैध निर्माण से मुक्त कर दिया जाए तो भगवान शिव अधिक प्रसन्न होंगे। यदि यमुना नदी के तल और बाढ़ के मैदान को अतिक्रमण और अवैध निर्माण से मुक्त कर दिया जाए तो भगवान शिव अधिक प्रसन्न होंगे। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा था कि भगवान शिव को किसी के संरक्षण की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि उसने यमुना नदी के किनारे अनधिकृत तरीके से बनाए गए मंदिर -शेष पृष्ठ दो पर

संवाद और कूटनीति से निकलता है शांति का मार्ग : प्रधानमंत्री मोदी

रोम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात के दौरान कहा कि भारत *मानव-केंद्रित* दृष्टिकोण में विश्वास करता है और शांति का मार्ग *संवाद और कूटनीति* से होकर गुजरता है। मोदी ने इटली के अपुलिया क्षेत्र में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान जेलेंस्की से मुलाकात की। मोदी ने जेलेंस्की के साथ बैठक को *बहुत उपयोगी* बताया और कहा कि भारत, यूक्रेन के साथ द्विपक्षीय संबंधों को *और मजबूत* करने के लिए उत्सुक है। मोदी ने सोशल मीडिया मंच *एक्स* पर कहा कि (यूक्रेन के) राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ बहुत उपयोगी बैठक हुई। भारत, यूक्रेन के साथ द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए उत्सुक है। उन्होंने कहा कि (रूस के साथ) जारी संघर्ष के बारे में, (मैंने) यह दोहराया कि भारत मानव-केंद्रित दृष्टिकोण में विश्वास करता है और यह मानता है कि -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

जेपी नड्डा ने की उच्च स्तरीय बैठक, सौ दिनों में स्वास्थ्य लक्ष्यों को प्राप्त करने पर दिया जोर

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने शुक्रवार को निर्माण भवन में एक उच्चस्तरीय बैठक की और नई सरकार के गठन के पहले 100 दिनों में लक्षित स्वास्थ्य लक्ष्य प्राप्त करने पर जोर दिया। इस बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल और जाधव प्रतापराव गणपतराव भी मौजूद थे। मंत्रालय के कामकाज की समीक्षा करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने स्वास्थ्य सुविधाओं और स्वास्थ्य प्रणालियों की गुणवत्ता पर जोर दिया। पहले 100 दिनों में तय लक्ष्यों को पूरा करने पर फोकस किया गया। इन लक्ष्यों में आयुष्मान

भारत- पीएमजेएवाई के तहत स्वास्थ्य आश्वासन कवरेज का विस्तार और प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना, टीकाकरण और स्वास्थ्य आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रबंधन जैसे कार्यक्रम शामिल हैं। बैठक में नड्डा ने गैर-संचारी रोगों की बढ़ती घटनाओं पर चिंता व्यक्त की और स्वस्थ आहार तथा जीवनशैली के संबंध में जागरूकता के महत्व पर जोर दिया। बैठक में नड्डा ने तंबाकू नियंत्रण के लिए युवाओं के प्रति लक्षित अभियान की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने वैज्ञानिक दृष्टि से भी एनसीडी और तंबाकू के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस बैठक में स्वास्थ्य सचिव अपूर्व चंद्रा, नेशनल हेल्थ अथॉरिटी की सीईओ, दीप्ति गौड़ मुखर्जी सहित केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

भारतीय सेना को पहले बैच में मिले 120 स्वदेशी आत्मघाती ड्रोन नागस्त्र

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय सेना को नागपुर की कंपनी ने 120 स्वदेशी आत्मघाती ड्रोन *नागस्त्र* का पहला बैच सौंप दिया है। भारतीय सेना ने आपातकालीन खरीद शक्तियों के तहत 480 लोइटर म्यूनिशन की आपूर्ति के लिए सोलर इंडस्ट्रीज के इकोनॉमिक्स एक्सप्लोसिव्स लिमिटेड (ईईएल) को ऑर्डर दिया है। प्री-डिलीवरी निरीक्षणों के सफल समापन के बाद ईईएल ने सेना के गोला-बारूद डिपो को 120 लोइटर म्यूनिशन वितरित किए हैं। भारतीय सेना को घरेलू स्तर पर निर्मित

आत्मघाती ड्रोन का पहला बैच प्राप्त हुआ है, जिसे नागस्त्र-1 के नाम से जाना जाता है। स्वदेशी लोइटरिंग म्यूनिशन को आत्मघाती ड्रोन नागस्त्र-1 के रूप में भी जाना जाता है। इसे नागपुर की कंपनी सोलर इंडस्ट्रीज ने विकसित किया है। भारतीय सेना ने आपातकालीन खरीद शक्तियों के तहत 480 लोइटर म्यूनिशन की आपूर्ति के लिए सोलर इंडस्ट्रीज की इकोनॉमिक्स एक्सप्लोसिव्स लिमिटेड (ईईएल) को ऑर्डर दिया है। इसमें पहले बैच के रूप में 120 लोइटर म्यूनिशन सेना के गोला-बारूद डिपो को सौंप दिए हैं। यह एक ही आत्मघाती ड्रोन दुश्मन के इलाके में घुसकर तबाही मचा सकता है। जीपीएस से लैस यह ड्रोन दो मीटर की दूरी पर सटीकता के साथ हमला कर सकता है। नौ किलोग्राम वजन वाले मैन-पोर्टेबल फिक्स्ड-विंग इलेक्ट्रिक यूएवी की क्षमता 30 मिनट की है। मैन-इन-लूप रेंज 15 किलोमीटर और ऑटोनॉमस मोड रेंज 30 किलोमीटर है। इसका इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन सिस्टम कम ध्वनिक संकेत प्रदान करता है। इससे 200 मीटर से अधिक की ऊंचाई पर दुश्मन इसे पहचान नहीं पाता।

राष्ट्रपति भवन में पहली बार मनाया गया ओडिशा का कृषि आधारित त्योहार रज पर्व

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में रज पर्व समारोह में भाग लिया। उन्होंने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को भी देखा, जिसमें रज गीत और मयूरभंज छऊ नृत्य, संबलपुरी नृत्य और कर्मा नृत्य जैसे नृत्य प्रदर्शन शामिल थे। समारोह के हिस्से के रूप में, फूलों से सजे झूले लगाए गए थे। फूलों और आम के पत्तों से सजे झूले इस त्योहार का मुख्य आकर्षण हैं। मेहंदी कलाकारों को आमंत्रित किया गया था और प्रतिभागियों के लिए

शरबत और पान के अलावा विभिन्न प्रकार के ओड़िया व्यंजनों की व्यवस्था की गई थी। यह पहला अवसर है जब ओडिशा का कृषि आधारित त्योहार रज पर्व राष्ट्रपति भवन में मनाया गया। इस समारोह ने प्रतिभागियों को ओड़िया संस्कृति और जीवन शैली की एक अनूठी झलक प्रदान की। रज पर्व ओडिशा में मनाए जाने वाले त्योहारों में से एक है। तीन दिवसीय कृषि उत्सव मानसून की शुरुआत के दौरान मनाया जाता है। महिलाएं और बच्चे इस त्योहार को बड़े उत्साह के साथ मनाते हैं।

डीआरआई के अभियान में तीन करोड़ का सोना जब्त, दो गिरफ्तार

सिलीगुड़ी (हि.स.)। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने तीन करोड़ रुपए से ज्यादा के सोने के बिस्कुट के साथ दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। डीआरआई ने शुक्रवार को गिरफ्तार दोनों आरोपितों को सिलीगुड़ी अदलात में पेश किया। सुनवाई के बाद न्यायधीश ने दोनों को 27 जून तक न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया है। सूत्रों के अनुसार 12 जून को डीआरआई ने गुप्त सूचना पर इस्लामपुर में छापेमारी कर एक बस से सूरज शिवाजी पवार को पकड़ा था। तलाशी के बाद उसके पास से तीन तीन किलो 660 ग्राम सोना बरामद हुआ था। बरामद सोने का कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखने पर डीआरआई ने सूरज शिवाजी पवार को गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद सूरज शिवाजी पवार से पूछताछ के दौरान डीआरआई अधिकारियों को भीम सुभाष विभूति का नाम पता चला। इसके बाद डीआरआई ने केंद्रीय बलों की मदद से 13 जून को इस्लामपुर में भीम सुभाष विभूति के घर और दुकान पर छापेमारी की। छापेमारी में घर से 932 ग्राम सोने के बिस्कुट, 34 लाख 66 हजार 300 नगद और दुकान से 569 ग्राम सोना बरामद किया गया। बरामद सोने के वैध दस्तावेज न दिखा पाने के कारण डीआरआई ने उसे भी गिरफ्तार कर लिया। बरामद किए गए सोने का बाजार मूल्य 3

योग दिवस समारोह में शामिल होंगे राज्यपाल

गुवाहाटी (हिंस)। कामरूप मेट्रोपोलिटन जिला प्रशासन की पहल पर 21 जून को नेहरू स्टेडियम में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय योग दिवस का आयोजन किया जाएगा। इस दिन की तैयारियों को लेकर कामरूप महानगर जिला आयुक्त के बैठक कक्ष में आज अतिरिक्त जिला आयुक्त त्रिदीब कोंवर की अध्यक्षता में एक विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में अतिरिक्त जिला आयुक्त ने संबंधित विभागों के साथ-साथ भाग लेने वाले कार्यक्रमों से योग दिवस को उचित तरीके से मनाने का आग्रह किया। योग दिवस के अवसर पर जिला स्तर पर योगासन प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता कुल चार वर्ग में आयोजित की जाएगी। इनमें 10 वर्ष से कम, 10 से 18 वर्ष, 18 से 35 वर्ष और 35 वर्ष से अधिक आयु के लोग शामिल होंगे।

OFFICE OF THE SUPEINTENDENT OF POLICE :: UDALGURI :: DISTRICT :: UDALGURI ASSAM ::

The above is photograph of Dilip Das (41 Yrs.), S/O - Progulla Das, Vill- Rampur Chowk, PS- Udalguri, Dist.-Udalguri who has been missing since 14/05/2024 from Mazbat.

This refers to Udalguri PS GDE No- 485, Dtd. 26/05/2024 and this office Man Missing Register Entry No. 85, Dtd. 30/05/2024

Descriptive Roll of the Missing Person :

1. Complexion	:	Not noted
2. Age	:	41 Yrs
3. Height	:	5.6 Feet
4. L/Known	:	Asamese, Hindi, Bengali
5. Wearing	:	Shirt & Pant.

All efforts may be made to trace out/recover the above noted missing person at the earliest and result there of may be intimated to this office at the following helpline numbers for further necessary action : 6026901138 (Cell Phone)

Janasanyog /D/1583 /24/15-Jun-24

Superintendent of Police, Udalguri, Assam

वरिष्ठ पत्रकार सुरेंद्र किशोर को मिला पद्मश्री पुरस्कार

पटना (हि.स.)। राष्ट्रपति की ओर से पटना के जिलाधिकारी शीर्षत कपिल अशोक ने शुक्रवार को वरिष्ठ पत्रकार सुरेंद्र किशोर को पद्मश्री पुरस्कार भेंट किया। सुरेंद्र किशोर को भाषा, शिक्षा तथा पत्रकारिता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। जिलाधिकारी ने पत्रकार सुरेंद्र किशोर को अपनी शुभकामनाएं देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। इस वर्ष घोषित पद्म पुरस्कारों में सुरेंद्र किशोर का नाम शामिल था, लेकिन स्वास्थ्य कारणों के चलते वे दिल्ली जाकर पुरस्कार नहीं ले पाए थे। अब उनके सम्मान में पटना जिलाधिकारी ने शुक्रवार को उनके आवास पर जाकर उन्हें पद्मश्री पुरस्कार भेंट किया। बिहार के सबसे प्रसिद्ध पत्रकारों में से एक सुरेंद्र किशोर का जन्म दो जनवरी 1947 को सारण जिले के एक किसान परिवार में हुआ था। इतिहास में स्नातक की डिग्री लेने के बाद उन्होंने एक पत्रकार के रूप में काम किया। वह पिछले पांच दशक से पत्रकारिता कर रहे। 1977 में उन्होंने मुख्यधारा की पत्रकारिता में प्रवेश किया। देश के बड़े-बड़े मीडिया हाउस में उन्होंने काम किया। आज भी वह देश के प्रमुख अखबारों और वेबसाइट के लिए लिखते हैं। समाजवादी विचारधारा से जुड़े सुरेंद्र किशोर पिछले पांच दशक से विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में लेखन करते रहे हैं। बिहार के बहुचर्चित बॉबी हत्याकांड से लेकर पशुपालन घोटाले तक को उजागर करने में सुरेंद्र किशोर की रिपोर्टों को राष्ट्रीय ख्याति मिली। कर्पूरी ठाकुर ने सुरेंद्र किशोर को अपने पीए के रूप में चयन किया था लेकिन सुरेंद्र नहीं माने। बाद में खुद कर्पूरी जी उनके पास पहुंच गए थे और आग्रहपूर्वक उन्हें अपना पीए बनाने का प्रस्ताव दिया था।

पृष्ठ एक का शेष

गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं ...

जाएगी। इस दौरान छात्रों ने उनके सामने भी पूरी परीक्षा को फिर से कराने की मांग दोहरायी। उधर राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी)-2024 के परीक्षार्थियों और उनके अभिभावकों ने शुक्रवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात की। शिक्षा मंत्री ने परीक्षार्थियों और अभिभावकों की चिंताओं को दूर किया और उन्हें आश्वासन दिया कि छात्रों के साथ कोई अन्याय नहीं होगा। उन्होंने कहा कि सरकार प्रतिबद्ध है और वह छात्रों को आश्वस्त कर सकती है कि नीट परीक्षा से संबंधित पारदर्शी प्रक्रिया का पालन किया जाएगा। प्रधान ने कहा कि आज जो छात्र हमसे मिलना चाहते थे, मैंने उन्हें बुलाया, उनके माता-पिता भी आए, मैं उनसे मिला। मैंने उनका पक्ष सुना और उन्हें बेहतर महसूस कराया। सरकार प्रतिबद्ध है और सभी छात्रों को यह आश्वासन मिलना चाहिए कि पारदर्शी प्रक्रिया का पालन किया जाएगा।

1 जुलाई से तीन ...

कानून में यौन अपराधों के लिए कड़े उपाय किए गए हैं। कानून में उन लोगों के लिए दस साल तक की कैद और जुर्माने का प्रावधान है, जो बिना किसी इरादे के शादी का वादा करके धोखे से यौन संबंध बनाते हैं। संगठित अपराध जैसे अपहरण, डकैती, वाहन चोरी, जबरन वसूली, भूमि हड़पना, अनुबंध हत्या, आर्थिक अपराध, साइबर अपराध और व्यक्तियों, ड्रग्स, हथियारों या अवैध वस्तुओं या सेवाओं की तस्करी को लेकर कड़े कानून बनाए गए हैं। वेश्यावृत्ति या फिरौती के लिए मानव तस्करी, संगठित अपराध सिंडिकेट के सदस्यों के रूप में या ऐसे सिंडिकेट की ओर से मिलकर काम करने वाले व्यक्तियों या समूहों द्वारा की जाती है, उन्हें कठोर दंड का सामना करना पड़ेगा। प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष भौतिक लाभ के लिए हिंसा, धमकी, डराने-धमकाने, जबरदस्ती या अन्य गैरकानूनी तरीकों से किए गए इन अपराधों को कड़ी सजा दी जाएगी। राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने वाले कृत्यों के लिए भारतीय न्याय संहिता ने आतंकवादी कृत्य को ऐसी किसी भी गतिविधि के रूप में परिभाषित किया है। ये आतंक फैलाने के इरादे से देश एकता एवं अखंडता को खतरे में डालते हैं। यह मॉब लिंचिंग द्वारा हत्या से जुड़े मामले में बदलाव होगा। जब पांच या उससे अधिक व्यक्तियों का समूह मिलकर नस्ल, जाति या समुदाय, लिंग, जन्म स्थान, भाषा, व्यक्तिगत विश्वास या किसी अन्य समान आधार पर हत्या करता है। इसमें मामले में मृत्युदंड या आजीवन कारावास के साथ जुर्माना का भी प्रावधान किया गया है। 1973 की दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) लागू होगा। इसमें महत्वपूर्ण प्रावधान विचाराधीन कैदियों के लिए है। अब कम से कम सात साल की सजा वाले अपराधों के लिए फोरेंसिक जांच अनिवार्य है, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि फोरेंसिक विशेषज्ञ अपराध स्थलों पर साक्ष्य एकत्र करें और रिकॉर्ड करें। यदि किसी राज्य में फोरेंसिक सुविधा नहीं है, तो उसे दूसरे राज्य में सुविधा का उपयोग करना होगा। बलात्कार पीड़ितों की जांच करने वाले चिकित्सकों को सात दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट जांच अधिकारी को प्रस्तुत करनी होगी। बहस के पूरा होने के 30 दिनों के भीतर निर्णय सुनाया जाना चाहिए, जिसे 60 दिनों तक बढ़ाया जा सकता है पीड़ितों को 90 दिनों के भीतर जांच की प्रगति के बारे में सूचित किया जाना चाहिए। साक्ष्य अधिनियम की जगह भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) लागू होगा। नया कानून इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य पर नियमों को सुव्यवस्थित करता है और द्वितीयक साक्ष्य के दायरे का विस्तार करता है। इसमें इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड के लिए विस्तृत प्रकटीकरण प्रारूपों की आवश्यकता होती है, जो केवल हलफनामों से आगे बढ़ते हैं।

कांग्रेस का हाथ...

एसडीपीआई का समर्थन लिया है। शुक्रवार को मीडिया से बातचीत करते हुए भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस हमेशा एसडीपीआई जैसे संगठनों के साथ खड़ी है। एसडीपीआई कट्टरपंथी इस्लामी आतंक समर्थक संगठन है, जो पीएफआई का राजनीतिक संगठन हैं। कांग्रेस ने पहले भी इनसे समर्थन लिया है और आज भी खुली स्वीकारोक्ति कर्नाटक के एक शीर्ष कांग्रेस नेता ने की है, जो सीएम सिद्धारमैया के करीबी सहयोगी हैं। उन्होंने कहा कि लक्ष्मण ने कई निर्वाचन क्षेत्रों में समर्थन लिया है, जिसमें शायद वायनाड भी शामिल है और उन्होंने यह भी कहा कि वे एसडीपीआई के साथ खड़े रहेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा *राजनीति* को *राष्ट्र-नीति* से ऊपर रखती है। हम पहले ही देख चुके हैं कि कांग्रेस आतंकवादी हमले में शामिल जिहादियों पर नरम रुख अख्तियार किया था। दरअसल, लक्ष्मण ने खुलासा किया है कि एसडीपीआई (प्रतिबंधित आतंकी समूह पीएफआई की राजनीतिक शाखा) ने उनकी मदद करने के लिए कांग्रेस के समर्थन में अपना उम्मीदवार वापस ले लिया। लक्ष्मण ने कहा कि कांग्रेस हमेशा एसडीपीआई का समर्थन करेगी।

मुख्यमंत्री ने 25 ...

थी और तीन साल बाद औद्योगिक सेट-अप और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के उपयोग के लिए बिजली की खपत के कारण यह बढ़कर 2,500 मेगावाट हो गई है। शर्मा ने कहा कि अब हमारे पास असम में सात सौर ऊर्जा परियोजनाएं सफलतापूर्वक चल रही हैं। 2030 तक, हम स्वच्छ, हरित ऊर्जा के लिए असम में 3000 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित करने की योजना बना रहे हैं। सीएम शर्मा ने कहा कि हमने दूसरे राज्यों से बिजली खरीदी है और अगर मांग कम हो जाएगी तो हम दूसरे राज्यों से बिजली खरीदना बंद कर देंगे। एक यूनिट में हमने 6 रुपए चार्ज किए और हम दूसरे राज्यों से 10 रुपए में खरीद रहे हैं। अगर घर में सौर ऊर्जा पैनल का इस्तेमाल किया जाता है तो हम बिजली खरीदना बंद कर देंगे क्योंकि खपत कम होगी। दिन के समय, सौर ऊर्जा का उपयोग किया जा सकता है और रात के समय, हम बिजली का उपयोग कर सकते हैं। यह परियोजना असम में ऊर्जा सुरक्षा में सुधार और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए एक सीमावर्ती पहल है। शिलान्यास समारोह के दौरान राज्य के कैबिनेट मंत्री बिमल बोरा, नहरकटिया के विधायक तरंगा गोगोई, डिब्रूगढ़ के पूर्व सांसद रामेश्वर तेली और डिब्रूगढ़ के डीसी बिक्रम कैरी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

कुवैत अग्नि त्रासदी ...

कुवैत के मंगफ़ शहर में बुधवार को एक छह मंजिला इमारत में भीषण आग लग गई थी, जहां भारतीय कामगारों का रिहायशी शिविर था। इसमें कम से कम 48 लोगों की मौत हुई। इमारत में रह रहे 176 भारतीय श्रमिकों में से 45 की मृत्यु हो गई और 33 अस्पताल में भर्ती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर विदेश राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह समन्वय के लिए कुवैत गए थे। उन्होंने वहां प्रशासनिक अधिकारियों से मुलाकात के अलावा पांच अस्पतालों का दौरा भी किया, जहां 33 भारतीय उपचाराधीन हैं। मंत्री ने उन्हें हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने शुक्रवार को कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि केंद्र सरकार ने कुवैत में हुई दुखद आग दुर्घटना में प्रभावित राज्य के लोगों की सहायता के लिए उन्हें खाड़ी देश की यात्रा करने की अनुमति नहीं दी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आग की घटना में मारे गए मृतकों में आधे से ज्यादा केरल से थे। विभिन्न अस्पतालों में भर्ती ज्यादातर घायल लोग भी केरल से हैं। ऐसे में उन्हें विदेश मंत्रालय की ओर से कुवैत की यात्रा की अनुमति नहीं देना दुर्भाग्यपूर्ण है। उल्लेखनीय है कि केरल सरकार ने गुरुवार को एक आपातकालीन कैबिनेट बैठक कर वीना जॉर्ज और राज्य मिशन निदेशक (एनएचएम) जीवन बाबू को समन्वय के लिए तत्काल कुवैत जाने की घोषणा की थी।

सिक्किम में भारी...

के संबंधित मंत्रालय से पहले ही संवाद कर चुके हैं। पर्यटन विभाग ने कहा है कि जरूरत पड़ने पर पर्यटकों को सड़क मार्ग से भी निकाला जाएगा। विभाग का कहना है कि फंसे हुए पर्यटकों की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करने के लिए उत्तरी जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, पर्यटन विभाग के अधिकारियों और स्थानीय हितधारकों के साथ समन्वय में काम कर रहा है। पर्यटन विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि वर्तमान में केवल लाचुंग राज्य से कटा हुआ है और राज्य के अन्य स्थानों की यात्रा के लिए खुला और सुरक्षित है।

एक्शन में अमित ...

हमला किया। इन हमलों में नौ तीर्थयात्रियों और एक सीआरपीएफ जवान की मौत हो गई और सात सुरक्षाकर्मी और कई अन्य घायल हो गए। कठुआ जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दो संदिग्ध पाकिस्तानी आतंकवादी भी मारे गए। साथ ही उनके पास से बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया।

जी-7 समिट से ...

यह देश में उत्तर-दक्षिण विभाजन को और बढ़ा देगा और गरीब दक्षिण में और अधिक कठिनाई लाएगा। वीडियो में विपक्षी पार्टी के सदस्य लियोनार्डो डोनो को मंत्री रॉबर्टो काल्डेरोली को इतालवी झंडा देने का प्रयास करते हुए दिखाया गया है। जैसे ही डोनो पास आते है, काल्डेरोली तिरंगे झंडे को अस्वीकार कर देते है और पीछे हट जाते है। कुछ ही सेकंड में, निचले सदन के अन्य लोग भी ग्रुप में शामिल हो जाते है और एक-दूसरे को धक्का देते हैं और भीड़ पर मुक्के बरसाते हैं। वीडियो वायरल होने के कुछ घंटों बाद, विदेश मंत्री एंटोनियो ताजानी ने घटना पर खेद व्यक्त करते हुए कहा कि उनके पास *शब्द नहीं* हैं। उन्होंने कहा कि हमें राजनीतिक समस्याओं के समाधान के लिए घूंसा नहीं, बल्कि एक और उदाहरण स्थापित करने की जरूरत है। गुरुवार से शनिवार तक चलने वाले जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान, इटली यूरोपीय संघ और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन सहित छह अन्य देशों के नेताओं का स्वागत कर रहा है।

येदियुरप्पा को राहत...

केस रद्द करने की मांग को लेकर दायर याचिका पर आज जस्टिस कृष्णा एस दीक्षित की एकल सदस्यीय पीठ में सुनवाई हुई और पुलिस ने 28 मार्च को सीआरपीसी की धारा 41ए के तहत नोटिस जारी किया है। इस दौरान येदियुरप्पा की ओर से कहा गया है कि वो 17 जून को सीआईडी के समक्ष हाजिर होंगे। उसके बाद कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी। हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान सवाल किया कि एफआईआर के बाद जांच कब शुरू हुई? 14 मार्च की एफआईआर के बाद 12 मार्च को नोटिस जारी किया। सीवी नागेश ने दलील दी कि उन्हें तब तक नहीं पता था कि पुलिस ने क्या किया है? अब हाई कोर्ट ने फिर सवाल उठाया है कि बीएस येदियुरप्पा की गिरफ्तारी की जरूरत क्यों है? बीएस येदियुरप्पा को 12 जून को पेश होने का नोटिस दिया गया है। मोबाइल फोन की वीडियो और ऑडियो जांच के बाद नोटिस जारी किया गया। उपस्थित न होने पर गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया। 13 मई को एफएसएल रिपोर्ट आई। जले हुए मोबाइल चिप से डेटा निकालने के लिए गुजरात एफएसएल भेजा गया। एडीजीपी बीके सिंह ने हाई कोर्ट को बताया कि इसके बाद उन्हें वॉयस टेस्ट के लिए बेंगलुरु एफएसएल भेजा गया। यह घटना बीएस येदियुरप्पा के घर पर हुई। उनके घर में लगे सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में नहीं लिया गया है। हाई कोर्ट ने कहा कि जांच अधिकारी तय करें कि जांच कैसे करनी है?

बीएसएफ की सेवा...

में भी अच्छा कार्य किया। पर्यावरण संरक्षण को लेकर बीएसएफ का हर जवान सजग है। उन्होंने हीरक जयंती की भी अग्रिम बधाइयां दीं। समारोह में उपराष्ट्रपति धनखड़ को बीएसएफ के डीजी नितिन अग्रवाल ने स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया। अश्मिता अग्रवाल ने उपराष्ट्रपति की पत्नी डॉ सुदेश धनखड़ को फूड पैकेट भेंट कर स्वागत किया। उपराष्ट्रपति ने बीएसएफ के प्रहरियों व उनके परिवार जनों के साथ फोटो सेशन भी करवाया।

ध्वस्त होगा अवैध...

को हटाने से संबंधित याचिका में उन्हें पक्षकार बनाने से इनकार कर दिया था। याचिकाकर्ता प्राचीन शिव मंदिर एवं अखाड़ा समिति ने दावा किया था कि मंदिर आध्यात्मिक गतिविधियों का केंद्र है, जहां नियमित रूप से 300 से 400 श्रद्धालु आते हैं। याचिका में दावा किया गया था कि मंदिर की संपत्तियों की पारदर्शिता, जवाबदेही और जिम्मेदार प्रबंधन को बनाए रखने के लिए 2018 में सोसायटी का पंजीकरण किया गया था। हाई कोर्ट ने कहा था कि विवादित जमीन व्यापक जनहित के लिए है और याचिकाकर्ता सोसायटी इस पर कब्जा करने और इसका इस्तेमाल जारी रखने के लिए किसी निहित अधिकार का दावा नहीं कर सकती। यह जमीन शहरी विकास मंत्रालय द्वारा स्वीकृत जोन-*ओ* के लिए क्षेत्रीय विकास योजना के अंतर्गत आती है। हाई कोर्ट ने कहा था कि याचिकाकर्ता सोसायटी जमीन पर अपने मालिकाना हक, अधिकार या हित के संबंध में कोई दस्तावेज दिखाने में बुरी तरह विफल रही है और इस बात का कोई सबूत नहीं है कि मंदिर का कोई ऐतिहासिक महत्व है। पीठ ने कहा कि प्राचीन मंदिर का प्रमाण कहां है? प्राचीन मंदिर सीमेंट और रंग-रोगन से नहीं, बल्कि चट्टानों से बनाए गए थे। शुक्रवार को मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस पीवी संजय कुमार और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की अवकाश पीठ ने कहा कि चुनौती दिए गए हाईकोर्ट के आदेश में कोई कमी नहीं है और इसमें कोई दोष नहीं है। जस्टिस कुमार ने विध्वंस को चुनौती देने में याचिकाकर्ता समिति के अधिकार पर भी सवाल उठाया। जस्टिस कुमार ने कहा कि आप बाढ़ के मैदानों में अखाड़ा कैसे बना सकते हैं? क्या अखाड़ा आम तौर पर (भगवान) हनुमान से जुड़ा नहीं है?

संवाद और कूटनीति...

शांति का मार्ग बातचीत और कूटनीति से होकर गुजरता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की और यूक्रेन की स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने *एक्स* पर कहा कि भारत-यूक्रेन साझेदारी को आगे बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इटली के अपुलिया में 50वें जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की और यूक्रेन की स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत बातचीत और कूटनीति के माध्यम से संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान को प्रोत्साहित करना जारी रखेगा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर और विदेश सचिव विनय क्वात्रा वार्ता के दौरान मोदी के प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे। ऐसी जानकारी है कि जेलेंस्की ने मोदी को (रूस के साथ यूक्रेन के) संघर्ष के विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी दी। मोदी ने पिछले साल मई में हिरोशिमा में पिछले जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान भी जेलेंस्की से मुलाकात की थी। भारत का कहना है कि यूक्रेन में संघर्ष को संवाद और कूटनीति के माध्यम से हल किया जाना चाहिए। मोदी और जेलेंस्की के बीच यह मुलाकात स्विस शांति शिखर सम्मेलन से पहले हुई। भारत ने बुधवार को कहा था कि वह यूक्रेन संघर्ष को लेकर आगामी शांति शिखर सम्मेलन में *उचित स्तर* पर भाग लेगा। प्रस्तावित शांति शिखर सम्मेलन 15 और 16 जून को ल्यूसर्न के बुर्गेनस्टॉक में होगा। स्विट्जरलैंड ने मोदी को भी इसमें भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है। हालांकि, ऐसी संभावना है कि शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व एक वरिष्ठ राजनयिक करेंगे।

चारों धामों में ...

पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर गड़वाल आयुक्त एवं चारधाम यात्रा प्रशासन के अध्यक्ष विनय शंकर पांडेय की ओर से यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर ऋषिकेश व हरिद्वार में चारों धामों के दर्शन के लिए निर्धारित की गई सीमा को समाप्त करने का निर्णय लिया है। विनय शंकर पांडेय ने बताया है कि वर्तमान में चारों धामों में भीड़ सामान्य होने के दृष्टिगत मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार जनहित में यह निर्णय लिया गया है कि यात्रियों की सुविधा के लिए ऋषिकेश एवं हरिद्वार में चारों धामों के दर्शन के लिए जो कोटा निर्धारित किया गया था, उसे समाप्त कर दिया गया है। अब यात्री ऋषिकेश एवं हरिद्वार के रजिस्ट्रेशन काउंटर पर स्वयं भौतिक रूप से उपस्थित होकर चारों धाम अथवा दो धाम या किसी भी धाम का सीधे रजिस्ट्रेशन प्राप्त कर अपनी यात्रा पर सुगमता से जा सकते हैं। यह आदेश चारों धामों में आने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए तत्काल प्रभाव से लागू होगा। गड़वाल आयुक्त विनय शंकर पांडेय ने बताया कि विगत वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष चारधाम यात्रियों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। गत वर्ष चारधाम यात्रा प्रारम्भ होने के एक माह में 12,35,517 श्रद्धालुओं ने चारों धामों के दर्शन किए थे।

एसटीएफ के अभियान में बड़ी सफलता

मणिपुर जा रहा ड्रोन से संबंधित उपकरण जब्त

गुवाहाटी (हिंस)। असम पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के अभियान में बड़ी सफलता हासिल हुई। एसटीएफ ने एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए शुक्रवार की सुबह राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-27 पर सोनापुर टोल गेट पर एक वाहन को सफलतापूर्वक रोका। खुफिया जानकारी से पता चला कि मणिपुर स्थित एक प्रतिबंधित संगठन हिंसात्मक गतिविधियों के लिए संभावित रूप से उपकरण खरीदने का प्रयास कर रहा था। ड्रोन और संबंधित उपकरणों के अनधिकृत परिवहन के बारे में विश्वसनीय सूचना के आधार पर अभियान शुरू किया। टीम ने वाहन (एएस-01एफयू-3927) को छह माइल से ट्रैक किया और बाद में रोका गया। निरीक्षण करने पर एसटीएफ टीम ने मणिपुर के एक युवक को पकड़ा, जिसकी पहचान खैगौलेन किपगेन (27) के रूप में हुई, जो मणिपुर के कांगपोकपी जिले के सपोरमेना थाना के गमंगई गांव का निवासी है। वह दो नाबालिगों के साथ यात्रा कर रहा था। वाहन से ड्रोन में इस्तेमाल होने वाली 10 टीबी 30 इंटेलिजेंट फ्लाइट बैटरियां, तीन लाख 40 हजार रुपए नकद, चार जोड़ी जूते, एक मोबाइल हैंडसेट बरामद किया गया। एसटीएफ की टीम ने आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर रही है और आगे की जांच चल रही है।

फणीभूषण चौधरी ने दिया विधायक पद से इस्तीफा

गुवाहाटी (हिंस)। बरपेटा से एनडीए के घटक दल असम गण परिषद (अगप) के नवनिर्वाचित सांसद फणीभूषण चौधरी ने आज विधायक पद से इस्तीफा दे दिया। असम विधानसभा अध्यक्ष को आज उन्होंने अपना इस्तीफा सौंप दिया। नवनिर्वाचित सांसद अपना इस्तीफा पत्र सौंपने से पहले संवाददाताओं से बातचीत के दौरान भावुक हो गए। उल्लेखनीय है कि चौधरी पिछले 38 वर्षों से बंगाईगांव निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते रहे हैं। विधायक को विदाई देने के लिए लोगों द्वारा व्यापक पैमाने पर तैयारियां की गई है। अब वह बरपेटा के सांसद के रूप में नई जिंदगी शुरू करने जा रहे हैं।

कपिली नदी पर शीघ्र तटबंध का निर्माण होगा : पीयूष

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार के जल संसाधन आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका ने शुक्रवार को बढ़मपुर विधानसभा क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया। दौरे के बाद मंत्री ने सोशल मीडिया के जरिए बताया कि कपिली नदी के बाढ़ के पानी से नगांव जिले के बढ़मपुर क्षेत्र के ग्रेटर चांगसकी इलाके में व्यापक समस्याएं पैदा हो रही हैं। आज मंत्री स्थानीय विधायक जीतू गोस्वामी के साथ पहुंचे। स्थानीय लोगों से बातचीत की और बाढ़ की समस्या और शिकायतों का जायजा लिया। जनता से संवाद करते हुए उन्होंने आश्वासन दिया कि कपिली नदी के तट पर चांगसकी से बरसोंग और गारोखुंदा में तटबंध का निर्माण जल्द से जल्द किया जाएगा। जल संसाधन विभाग के अभियंताओं को आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि जब वे पहली बार विधायक बने थे तो यह इलाका रोहा विधानसभा क्षेत्र का हिस्सा था। मंत्री का इस क्षेत्र के लोगों के साथ भावनात्मक जुड़ाव है और वे उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अरुणिया-गलगलिया रेल लाईन परियोजना का पावाखाली-ठाकुरगंज सेक्शन चालू

गुवाहाटी (हिंस)। पावाखाली और ठाकुरगंज स्टेशनों के बीच 23.242 किमी की बिछाई गई नई रेलवे लाइन को सुरक्षा स्वीकृति मिलने के बाद चालू कर दिया गया है। इसको लेकर क्षेत्र के लोगों में भारी खुशी देखी जा रही है। ज्ञात हो कि रेल सुरक्षा आयुक्त (सीसीआरएस) ने 12 जून को अरुणिया-गलगलिया नई लाइन परियोजना के पावाखाली और ठाकुरगंज स्टेशनों के बीच 23.242 किमी की बिछाई गई नई रेलवे लाइन का वैधानिक निरीक्षण पूरा करने के बाद इस सेक्शन को चालू करने के लिए अपनी मंजूरी दे दी है। पूरी परियोजना पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) के कटिहार मंडल के अधीन है। यह नवनिर्मित बड़ी लाईन को चिकेन नेक हिस्से में मौजूदा रेलवे नेटवर्क को और अधिक मजबूत करने तथा उस हिस्से में पूरे रेलवे परिचालन की दक्षता में सुधार करने के प्राथमिक उद्देश्य से चालू किया गया है। यह नई बिछाई गई रेलवे लाइन इस मार्ग से पूर्वोत्तर क्षेत्र की ओर और अधिक माल एवं यात्री परिवहन ले जाने में सहायक होगी। पूसीरे के सीपीआरओ सब्यसाची दे ने आज बताया है कि अरुणिया-गलगलिया नई लाइन परियोजना 110.75 किमी की है, जिसमें 23.242 किमी रेलवे लाईन पावाखाली स्टेशन से वाया काडोगांव हॉल्ट, भोगडाबर हॉल्ट होकर ठाकुरगंज स्टेशन तक चालू की गई है। नई रेल लाइन बिहार के पूर्वी हिस्से को कवर करेगी। यह परियोजना सेक्शनों की भीड़ कम करने में मदद करेगी और इस प्रकार पावाखाली-ठाकुरगंज सेक्शन में ट्रेन सेवाओं की सुचारू आवाजाही होगी। इस परियोजना से आस-पास के क्षेत्र में बड़ी संख्या में रोजगार का सृजन होगा। इससे उक्त क्षेत्र में अधिक संख्या में ट्रेनों की आवाजाही शुरू करने में भी मदद मिलेगी, जिससे इस अंचल के लोगों के सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। ईंधन की बचत और यात्रा समय में कमी के अलावा परिवहन लागत कम होने से आसपास क्षेत्रों के आर्थिक परिदृश्य में भी काफी सुधार होगा। माल परिवहन भी सस्ता हो जाएगा। यात्री सुविधाओं को जोड़ते हुए, पावाखाली और ठाकुरगंज दोनों स्थानों पर 3 मीटर चौड़ा नया फुट ओवर ब्रिज, प्रतीक्षालय एवं नए यात्री प्लेटफार्म शेड और पावाखाली में 3 पुरुष एवं 2 महिला शौचालय तथा ठाकुरगंज में 2 पुरुष एवं 2 महिला शौचालय का निर्माण किया गया है। इसके अतिरिक्त, स्टेशनों पर यात्रियों के लिए पेयजल की सुविधा भी प्रदान की गई है। ट्रेनों में यात्रियों के चढ़ने और उतरने में आसानी के लिए ऊंचे प्लेटफार्मों का निर्माण किया गया है। इस सेक्शन में 01 महत्वपूर्ण पुल, 08 बड़े पुल और 01 बड़ा रोड अंडर ब्रिज और 43 छोटे पुल हैं।

अमृत उद्यान में योग शिविर का आयोजन

गुवाहाटी (हिंस)। आयुष निदेशालय और राष्ट्रीय आयुष मिशन, असम सरकार की पहल पर 21 जून को देश भर में आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी के रूप में आज कामरूप (मेट्रो) जिला आयुक्त कार्यालय के पास अमृत उद्यान में योग शिविर का आयोजन किया गया। योग शिविर का उद्घाटन करते हुए कामरूप (मेट्रो) के जिला आयुक्त सुमित सत्तावन ने छात्रों को संबोधित किया और कहा कि योग के अभ्यास से शरीर स्वस्थ रहता है। शरीर स्वस्थ होने पर ही मन स्थिर रहता है। योगाभ्यास के माध्यम से मानसिक क्षमता और संतुलन प्राप्त किया जा सकता है। जिला आयुक्त ने छात्रों से आग्रह किया कि वे योग शिविर में सीखी गई चीजों को घर के बुजुर्गों को भी सिखाएं। विवेकानंद केंद्र के योग प्रशिक्षकों द्वारा सिखाए गए इस योग शिविर में कामरूप (मेट्रो) जिले के कई स्कूलों के छात्रों ने भाग लिया। आज के योग शिविर में कामरूप (मेट्रो) जिला के अतिरिक्त आयुक्त त्रिदिब कोंवर, आयुष निदेशालय के निदेशक डॉ. इंद्रानोशी दास, जिला स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक समेत कई अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

निनांग एरिंग अरुणाचल प्रदेश विधान सभा का प्रोटेम स्पीकर नियुक्त

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश में मुख्यमंत्री पेमा खांडू की अगुवाई में भाजपा सरकार बनने के बाद आज 8वीं अरुणाचल प्रदेश विधानसभा का सत्र शुरू हुआ। विधायक निनांग एरिंग को अरुणाचल प्रदेश विधान सभा का प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया गया। अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) के टी पारनाइक ने निनांग एरिंग को पद की शपथ दिलाई। एरिंग विधान सभा में प्रोटेम स्पीकर के पद के कर्तव्यों का तब तक पालन करेंगे, जब तक विधानसभा द्वारा अध्यक्ष का चयन नहीं कर लिया जाएगा। वह राज्य विधानसभा के नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाएंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पेमा खांडू, उपमुख्यमंत्री चोना मीन और कैबिनेट मंत्री सहित अन्य उपस्थित थे। एक दिवसीय विधान सभा सत्र के दौरान विधायकों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाने की प्रक्रिया आरंभ हुई है।

प्रथम वाहिनी एसएसबी, सोनापुर ने मनाया विश्व रक्तदाता दिवस

गुवाहाटी (हिंस)। प्रथम वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), सोनापुर के कमांडेंट सुनील कौशिक के मार्गदर्शन में असम राज्य रक्तदाता परिषद, खानापाड़ा, गुवाहाटी के साथ मिलकर पांजाबाड़ी स्थित श्रीश्री माधबदेव अंतर्राष्ट्रीय सभागार में आज *विश्व रक्तदाता दिवस* मनाया गया। इस कार्यक्रम के दौरान असम के स्वास्थ्य मंत्री केशब महंत और असम सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग आयुक्त और सचिव डॉ. पी अशोक बाबू उपस्थित थे। इसी क्रम में महानिरीक्षक (प्रशासन) प्रदीप कुमार गुप्ता ने सीमांत मुख्यालय गुवाहाटी एवं प्रथम वाहिनी का भ्रमण किया। महानिरीक्षक का प्रथम वाहिनी, सोनपुर में शानदार गार्ड ऑफ ऑनर से स्वागत किया गया। उन्होंने पर्यावरण के प्रति सभी को जागरूक करने के लिए पौधारोपण भी किया। इसके पश्चात गुप्ता ने सीमांत मुख्यालय गुवाहाटी का भ्रमण किया एवं प्रचालन सम्मेलन के माध्यम से सीमांत मुख्यालय के सभी वाहिनियों के कार्यों का जायजा लिया।

याबा गोलियों के साथ महिला समेत 3 मिजो तस्कर गिरफ्तार

कछार (हिंस)। कछार पुलिस ने प्रतिबंधित मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए काफी मात्रा में नशीली याबा गोलियां जब्त की। गुप्त सूचना के आधार पर धलाई के थाना प्रभारी मनोज बरुवा के नेतृत्व में पुलिस ने मिजोरम सीमा पर स्थित सप्तग्राम से 21,000 याबा टैबलेट जब्त किए। पुलिस ने सिलचर-एजल राष्ट्रीय राजमार्ग से मिजोरम से आ रही एक स्कूटी (एएस-11जेड-3404) पर छापा मारा और गोलियां जब्त कीं। पुलिस ने गोलियों को स्कूटी के साथ जब्त कर लिया गया। गोलियों की आपूर्ति मिजोरम से कछार में बिक्री के लिए की गई थी। पुलिस ने बताया कि जब्त की गई गोलियों की कीमत करीब छह करोड़ रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने मिजोरम के तीन तस्करों को नशे की गोलियां सप्लाई करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार तस्करों की पहचान कोलासिब जिले के भैरेंगटी के लालरिंगेट्स मिजो (45), इसाका मिजो (35) और सैचुअल जिले के बेनी सैचुयाल (36) के रूप में हुई है। इस संबंध में धलाई थाना में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

गुवाहाटी पुलिस ने प्रदर्शित किए चोरी के फोन और लैपटॉप

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी पुलिस द्वारा शुक्रवार को 650 मोबाइल फोन और 16 लैपटॉपों की प्रदर्शनी लगायी गयी। ये चोरों से बरामद किए गए थे। इनके असली मालिकों का पता न लगने के कारण शहर के विभिन्न थानों में ये पड़े हुए थे। पुलिस ने बताया कि इच्छुक व्यक्ति किसी भी खोए हुए मोबाइल फोन या लैपटॉप की पहचान करने के लिए इस विशेष प्रदर्शन पर जा सकते हैं और स्वामित्व का प्रमाण दिखाकर उसका दावा कर सकते हैं। पान बाजार स्थित गुवाहाटी पुलिस आयुक्तालय में शुक्रवार को सुबह 11 बजे से यह प्रदर्शनी लगाई गई है।

अभातेमम की ओर से बी बरुवा कैंसर अस्पताल में मरीजों के बीच खाद्य सामग्री वितरित

गुवाहाटी (विभास)। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित तेरापंथ महिला मंडल गुवाहाटी के तत्वावधान में अध्यक्ष श्रीमती अमराव बोथरा की अध्यक्षता में स्थाई प्रकल्प कैंसर जागरूकता अभियान के अंतर्गत स्थानीय बी बरुवा कैंसर इंस्टिट्यूट में मंडल के द्वारा ढाईसो मरीजों को दूध, जूस, बिस्कुट आदि खाद्य सामग्री प्रदान की गई। संयोजिका श्रीमती कविता जोगड़ तथा सुनीता सुराणा का सराहनीय श्रम रहा। डॉक्टर चाबेरी ने भी इस उपक्रम को आयोजित करवाने में अपनी अहम भूमिका निभाई। अस्पताल के डायरेक्टर श्री विभु भूषण बर ठाकुर ने मंडल द्वारा किए गए इस कार्य की भूरि-भूरि प्रसंशा की तथा भविष्य में भी सहयोग की कामना की। मंत्री श्रीमती ममता दुग्गड़ ने सभी का आभार ज्ञापन किया। इस आशय की जानकारी प्रचार प्रसार मंत्री विनीता सुराणा ने यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी।

घर में लगी आग के चलते लाखों का नुकसान

तिनसुकिया (हिंस)। तिनसुकिया जिले के डिगबोई पुलिस चौकी अंतर्गत ईटाभाटा इलाके में लगी आग के दौरान एक घर पूरी तरह जलकर राख हो गया। पुलिस ने आज बताया कि ईटाभाटा इलाके में आग लगने की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची अग्निशमन की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग बुझाए जाने तक सुरभि कर का घर पूरी तरह जलकर राख हो गया। आग लगने की वजह से लाखों रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ है। हालांकि, आग कैसे लगी इसकी जानकारी नहीं लग पाई है। पुलिस ने आशंका व्यक्त किया है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी होगी। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

जिला प्रारंभिक चिकित्सा हस्तक्षेप केंद्र, कामरूप का विकलांगता पर मूल्यांकन शिविर आयोजित

रंगिया (विभास)। जिला प्रारंभिक चिकित्सा हस्तक्षेप केंद्र, कामरूप के सौजन्य से रंगिया में आज शारीरिक विकलांगता मूल्यांकन शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। जिला स्वास्थ्य सोसायटी, कामरूप और रंगिया महकमा सिविल अस्पताल के सहयोग से आयोजीत इस कार्यक्रम का शुभारंभ अस्पताल के एस डी एम डॉ. पद्मेश्वर कलिता द्वारा फीता काटकर किया गया। वहीं इसके पूर्व उद्घाटनकर्ता कलिता का अभिजित भराली द्वारा आरनई से अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में रंगिया के विभिन्न हिस्सों से 48 लाभार्थियों ने भाग लिया और नाक, कान, गला, आंख, मानसिक और श्रवणशक्ति का परीक्षण कराया। कार्यक्रम में डॉ. निबीर बरुआ, डॉ. ऋषिकेश शर्मा, डॉ. पी कलिता सहित चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मी अमूल्य वैश्य उपस्थित रहे। जिन्होंने कार्यक्रम को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया।

नॉर्थ ईस्ट लाइव टुडे(पोर्टल) ने किया ऑनलाइन एनई डांसिंग स्टार प्रतियोगिता-24 का आयोजन

रंगिया (विभास)। उत्तर पूर्वांचल का एक लोकप्रिय पोर्टल चैनल *नॉर्थ ईस्ट लाइव टुडे* अपने 8वें वार्षिक स्थापना दिवस के संयोजन में एक बार फिर एनई डांसिंग स्टार प्रतियोगिता का ऑनलाइन आयोजन कर रहा है, प्रतियोगिता के *क* शाखा में 5-12 वर्ष और *ख* शाखा में 13-17 वर्ष और 18 वर्ष से किसी भी उम्र के प्रतियोगी *ग* श्रेणी में भाग ले सकते हैं। इच्छुक नृत्य कलाकार रचनात्मक असमिया गीतों पर आधारित आधुनिक नृत्य का तीन मिनट का वीडियो कर 30 जून के भीतर 6000681938/7002561628/7 002697262 में से किसी भी एक व्हाट्सएप नंबर पर भेज सकते है। साथ ही भेजनेवाले को 6000681938 नंबर पर फोन कर जानकारी देनी होगी। नृत्य प्रतियोगिता के लिए पंजीकरण शुल्क 200 रुपए निर्धारित किया गया है। बताया गया है कि प्रतियोगिता के कुल तीन शाखाओं में छह पुरस्कार होंगे। वहीं प्रतियोगिता के विजेताओं को पोर्टल की स्थापना दिवस समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए इच्छुक प्रतियोगी अधिक जानकारी के लिए मुख्य संपादक द्वीपेन डेका से 7002561628/ 7002697262, नंबर पर संपर्क कर सकते है। वहीं इच्छुक प्रतियोगी द्वारा अपना संपर्क नंबर एवं आयु प्रमाण पत्र देना अनिवार्य किया गया है।

मारवाड़ी अस्पताल में अग्नि सुरक्षा और निकासी पर मॉकड्रिल आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी अस्पताल में अस्पताल की आग और सुरक्षा जागरूकता पर एक मॉकड्रिल का आयोजन अस्पताल प्राधिकरण द्वारा अग्निशमन और आपातकालीन सेवाओं और नागरिक सुरक्षा विभाग, असम सरकार के सहयोग से किया गया। सुरक्षा जागरूकता अभियान और मॉक ड्रिल का आयोजन अस्पताल परिसर में ही किया गया। जिसमें पूरे स्टाफ ने सक्रिय रूप से भाग लिया। मॉक ड्रिल कार्यक्रम में अग्निशमन और आपातकालीन सेवा और नागरिक सुरक्षा, असम सरकार की एक टीम ने अच्छी तरह से भाग लिया। जिसमें नागरिक सुरक्षा टीम से सहायक उप नियंत्रक दीपक मेधी, नूरजहां बेगम, नयनमोनी चांगमई और वायरलेस ऑपरेटर भास्कर मेधी और अग्निशमन और आपातकालीन सेवा टीम से लुत्फर दीवान (वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी), मधुरया बोरा (उप-अधिकारी), भास्कर चामुआ, हिरण्य पाठक और त्रिदीप रॉय शामिल थे। मॉकड्रिल में मारवाड़ी अस्पताल के अग्नि सुरक्षा अधिकारी जयंत सैकिया, अस्पताल अधीक्षक रोहित उपाध्याय और मारवाड़ी अस्पताल के कई अन्य कर्मचारी भी मौजूद। कभी-कभी हमें भूकंप और आतंकवादी हमले पर भी मॉक ड्रिल करनी चाहिए। ताकि हम ऐसी सभी समस्याओं से खुद को बचाने के लिए खुद को तैयार कर सकें। हम सभी को पता होना चाहिए कि आग कैसे बुझाई जाती है और अग्निशामक यंत्र का उपयोग कैसे किया जाता है।अस्पताल अधीक्षक रोहित उपाध्याय ने कहा कि यह मॉकड्रिल न केवल हमारे पेशेवर काम में मदद करेगी, बल्कि व्यक्तिगत रूप से भी, यह हमें कई तरह से मदद करेगी। हम आग और भूकंप आदि से संबंधित किसी भी परेशानी का सामना करने के लिए खुद को तैयार कर सकते हैं। शुक्रवार को मारवाड़ी अस्पताल के सभी कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी के साथ मॉकड्रिल एक मानक थी। मॉकड्रिल के अंत में, अग्निशमन और आपातकालीन सेवाओं और नागरिक सुरक्षा विभाग, असम सरकार की टीम ने मारवाड़ी के कर्मचारियों के प्रदर्शन की सराहना की।

संपादकीय

भागवत की नसीहत या चेतावनी

आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत ने जो टिप्पणियां की हैं, वे संघ-भाजपा के अलगाव या संबंध-विच्छेद तक की नौबत नहीं हैं। उन्होंने जिनके संदर्भ में 'सेवक', 'मर्यादा' और 'अहंकार' सरीखे शब्दों का इस्तेमाल किया है, वे प्रत्यक्ष रूप से भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी से ही जुड़ते हों, सरसंघचालक की इतनी संकीर्ण सोच नहीं हो सकती। भाजपा और मोदी दोनों ही संघ के सृजन हैं। संघ-प्रमुख ने कार्यकर्ताओं के विकास वर्ग कार्यक्रम के समापन पर अभिभावकीय मुद्रा में संबोधित किया, तो वह पूरी राजनीतिक और सामाजिक संस्कृति को आगाह कर रहे थे। अहंकार छोड़ कर काम करना चाहिए और काम के बदले अहंकार नहीं करना चाहिए, वही 'सच्चा सेवक' होता है। चुनाव में एक पक्ष होता है, तो दूसरा वैचारिक प्रतिपक्ष होता है। वह दुश्मन नहीं होता, आपका सैद्धांतिक विरोधी है। देश की सत्ता और संसद के लिए भी दोनों पक्ष अनिवार्य हैं। इस बार लोकसभा चुनाव कड़वाहट भरा था। चुनाव युद्ध की तरह लड़ा गया। मर्यादा जरूरी है। चुनाव में जो कुछ हुआ, उस पर विचार करना होगा। देश ने विकास किया है, लेकिन चुनौतियों को भी न भूलें। सहमति से देश चलाने की परंपरा का स्मरण रखें। निश्चित है कि सरसंघचालक ने भाजपा को कुछ नसीहत दी है और चेताया भी है। उन्होंने मतदान के कुछ चरणों में बूथ और पन्ना-प्रमुख के चेहरों के गायब होने का मुद्दा भी उठाया। जो कार्यकर्ता घरों से भाजपा के समर्थक मतदाताओं को निकाल कर मतदान-केंद्रों तक ला सकते थे, आखिर वे कहां थे? सरसंघचालक ने प्रत्याशियों पर असहमति का सवाल भी उठाया कि ऐसे अवांछित चेहरों को चुनाव मैदान में क्यों उतारा गया? आरएसएस को लेकर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने जो बयान दिया था अथवा सार्वजनिक तौर पर जो निहितार्थ ग्रहण किया गया था, वह भी आत्मघाती साबित हुआ। उसी के बाद संघ के स्वयंसेवक और प्रचारक भाजपा के चुनाव-प्रचार से तटस्थ हुए थे। संघ-भाजपा की आपसी समन्वय बैठकें तक नहीं हो सकीं, नतीजतन दोनों में ही समन्वय और सामंजस्य के अभाव दिखे। मतदान के प्रतिशत कम होते रहे। सरसंघचालक ने पहले भी चेताया था कि अब हम सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी की छवि और लोकप्रियता के सहारे ही चुनाव नहीं जीत सकते। इस बार ऐसा ही हुआ कि भाजपा 400 पार के नारे के 'बुलबुलों' में ही कैद रही। प्रधानमंत्री मोदी के व्यक्तित्व पर ही अति विश्वास किया जाता रहा, नतीजा सामने है। भाजपा 240 सीट ही जीत पाई, जबकि गुजरी लोकसभा में भाजपा के 303 सांसद जीत कर आए थे। यह नतीजा भी तभी सामने आया, जब अधिकांश क्षेत्रों में संघ के कुछ कार्यकर्ता काम करते रहे। यह हमारा आकलन है कि जिस दिन संघ पूरी तरह, घोषित तौर पर, खुद को भाजपा से अलग कर लेगा, उस स्थिति में भाजपा के लिए 150 लोकसभा सीटें जीतना भी मुश्किल हो सकता है। दरअसल संघ वैचारिक और सैद्धांतिक तौर पर प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के खिलाफ नहीं है। भाजपा के 18 करोड़ से अधिक सदस्य हैं, जो संघ के अभियानों के ही प्रतिफल हैं। भाजपा आज भी आरएसएस का राजनीतिक मंच है। संघ मोदी सरकार के पतन या 'इंडिया' जैसे विपक्षी गठबंधन की संभावित सरकार के पक्ष में कभी सोच भी नहीं सकता। सरसंघचालक भागवत ने जलते, त्राहि-त्राहि करते मणिपुर का मुद्दा प्रसंगवश ही उठाया है और केंद्र सरकार को कत्तव्य-बोध कराया है। मणिपुर हिंसा में 220 से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं। 1100 से ज्यादा लोग घायल हैं। हिंसक घटनाओं का आंकड़ा 5000 से ज्यादा है, जबकि 70,000 से अधिक लोग विस्थापित हो चुके हैं। भागवत का सवाल है कि इस स्थिति पर ध्यान कौन देगा? प्राथमिकता के स्तर पर विचार करना किसका दायित्व है? करीब 50,000 लोग राहत-शिविरों में जीने को विवश हैं। यह संघ-प्रमुख का अभिभावकीय संबोधन है कि जो अपने कत्तव्यों का पालन करते हुए मर्यादा की सीमा में रहता है। जो अपने काम पर गर्व करता है, फिर भी अनासक्त रहता है, जो अहंकार से रहित होता है, ऐसा व्यक्ति ही वास्तव में 'सेवक' कहलाने का हकदार है।

> भाजपा और मोदी दोनों ही संघ के सृजन हैं। संघ-प्रमुख ने कार्यकर्ताओं के विकास वर्ग कार्यक्रम के समापन पर अभिभावकीय मुद्रा में संबोधित किया, तो वह पूरी राजनीतिक और सामाजिक संस्कृति को आगाह कर रहे थे। अहंकार छोड़ कर काम करना चाहिए और काम के बदले अहंकार नहीं करना चाहिए, वही 'सच्चा सेवक' होता है। चुनाव में एक पक्ष होता है, तो दूसरा वैचारिक प्रतिपक्ष होता है। वह दुश्मन नहीं होता, आपका सैद्धांतिक विरोधी है। देश की सत्ता और संसद के लिए भी दोनों पक्ष अनिवार्य हैं। इस बार लोकसभा चुनाव कड़वाहट भरा था। चुनाव युद्ध की तरह लड़ा गया। मर्यादा जरूरी है। चुनाव में जो कुछ हुआ, उस पर विचार करना होगा। देश ने विकास किया है, लेकिन चुनौतियों को भी न भूलें। सहमति से देश चलाने की परंपरा का स्मरण रखें। निश्चित है कि सरसंघचालक ने भाजपा को कुछ नसीहत दी है और चेताया भी है। उन्होंने मतदान के कुछ चरणों में बूथ और पन्ना-प्रमुख के चेहरों के गायब होने का मुद्दा भी उठाया।

'मोदी है तो मुमकिन है' नारे पर इतना भरोसा हो गया था कि उन्होंने किसी की नहीं सुनी और आखिरकार मुंह की खानी पड़ी

संघ प्रमुख भागवत ने भाजपा और मोदी को खरी खरी सुना कर क्या संदेश दिया है?

नीरज कुमार दुबे

> प्रधानमंत्री पद का कार्यभार संभाला तो देश-दुनिया से बधाई संदेश आने लगे लेकिन भारतीय जनता पार्टी के मातृ संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुखिया मोहन भागवत ने इसी बीच मोदी सरकार और भाजपा को जिस तरह खरी-खरी सुनाई उससे सब आश्चर्यचकित हैं। हालांकि विपक्ष ने भागवत की टिप्पणियों का स्वागत किया है। देखा जाये तो मणिपुर की अशांति को लेकर भाजपा की चुप्पी पर मोहन भागवत ने जो कुछ कहा है वह एनडीए सरकार के लिए बड़ी चेतावनी की तरह है।

नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार प्रधानमंत्री पद का कार्यभार संभाला तो देश-दुनिया से बधाई संदेश आने लगे लेकिन भारतीय जनता पार्टी के मातृ संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुखिया मोहन भागवत ने इसी बीच मोदी सरकार और भाजपा को जिस तरह खरी-खरी सुनाई उससे सब आश्चर्यचकित हैं। हालांकि विपक्ष ने भागवत की टिप्पणियों का स्वागत किया है। देखा जाये तो मणिपुर की अशांति को लेकर भाजपा की चुप्पी पर मोहन भागवत ने जो कुछ कहा है वह एनडीए सरकार के लिए बड़ी चेतावनी की तरह है। मणिपुर में अब भी जिस तरह से हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं उसको देखते हुए कहा जा सकता है कि वहां के मुद्दे हल करने में केंद्र और राज्य सरकार नाकाम रही हैं। इसके अलावा, आरएसएस प्रमुख ने अपने संबोधन के जरिये जिस तरह के तेवर दिखाये हैं उससे प्रदर्शित हो रहा है कि इस बार स्पष्ट बहुमत से दूर रही भाजपा को सिर्फ अपने गठबंधन सहयोगियों को ही साथ लेकर नहीं चलना होगा बल्कि संघ परिवार के लोगों को भी साथ लेकर चलना होगा। आरएसएस के कई पदाधिकारी इस बात को स्वीकार रहे हैं कि चुनावों से पहले भाजपा ने अति आत्मविश्वास के साथ 'अबकी बार 400 पार' का नारा लगाना शुरू किया था तब संघ परिवार के लोगों ने उन्हें जमीन पर रह कर काम करने की सलाह दी थी लेकिन पार्टी के नेताओं को 'मोदी है तो मुमकिन है' नारे पर इतना भरोसा हो गया था कि उन्होंने किसी की नहीं सुनी और आखिरकार मुंह की खानी पड़ी। देखा जाये तो लगभग ऐसी ही स्थिति साल 2004 के लोकसभा चुनावों के दौरान भी हुई थी जब भाजपा के नेता इंडिया शाइनिंग के नारे पर इतना भरोसा कर रहे थे कि उन्होंने जमीनी कार्यकर्ताओं की अनदेखी कर दी थी। रही सही कसर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के कथित तौर पर आरएसएस के बारे में दिये गये बयान से पूरी हो गयी थी। चुनावों के बीच ही आरएसएस कार्यकर्ताओं ने जिस तरह भाजपा से दूरी बना ली थी उससे पार्टी के चुनावी प्रदर्शन पर बुरा असर पड़ा। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने जिस तरह इशारों इशारों में भाजपा की कार्यशैली पर सवाल उठाये हैं उससे यह भी संकेत मिल रहे हैं कि भाजपा के नये अध्यक्ष के चयन में अब नागपुर की ज्यादा चलेगी। हम आपको याद दिला दें कि 2009 के लोकसभा चुनावों में भाजपा की हार के बाद भागवत की पहल पर ही नितिन गडकरी को नागपुर से दिल्ली भेजा गया था ताकि वह पार्टी को संभालें। उस समय भाजपा में लालकृष्ण आडवाणी, राजनाथ सिंह, सुषमा स्वराज और अनंत कुमार जैसे नेता दिल्ली की राजनीति में प्रभावी थे लेकिन सबको दरकिनार कर गडकरी को लाया गया था। जहां तक मोहन भागवत के संबोधन की बात है तो आपको बता दें कि एक तो उन्होंने मणिपुर में एक वर्ष बाद भी शांति स्थापित नहीं होने पर चिंता जताई है साथ ही देश के सभी समुदायों के बीच एकता पर जोर दिया है। आरएसएस प्रमुख ने साथ ही चुनावी बयानबाजी से बाहर आकर देश के सामने मौजूद समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत पर भी जोर दिया है। लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद अपनी पहली टिप्पणी में भागवत ने कहा है कि नतीजे आ चुके हैं और सरकार बन चुकी है, इसलिए क्या और कैसे हुआ आदि पर अनावश्यक चर्चा से बचना चाहिए। भाजपा की सीटें घटने की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि आरएसएस ''कैसे हुआ, क्या हुआ'' जैसी चर्चाओं में शामिल नहीं होता है। उन्होंने कहा कि संगठन केवल मतदान की आवश्यकता के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने का अपना कर्तव्य निभाता है। इसके अलावा, सत्ता पक्ष और विपक्ष के संबंधों में जिस तरह की खटास हाल के वर्षों में देखने को मिली है उस ओर इशारा करते हुए भागवत ने सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आम सहमति की आवश्यकता पर जोर दिया है ताकि आम जनता के लिए काम किया जा सके। भागवत ने स्पष्ट कहा है कि चुनाव बहुमत हासिल करने के लिए होते हैं और यह एक प्रतिस्पर्धा है, युद्ध नहीं। उन्होंने विपक्ष को विरोधी कहने की बजाय प्रतिपक्ष नाम से पुकारने का सुझाव भी दिया है। भागवत का यह कहना भी महत्वपूर्ण है कि राजनीतिक दल और नेता एक-दूसरे की बुराई कर रहे हैं, लेकिन वे इस बात पर ध्यान नहीं दे रहे हैं कि इससे समुदायों के बीच दरार पैदा हो सकती है।

भागवत का इस बात पर अफसोस जताना भी स्वाभाविक ही था कि आरएसएस को बिना किसी कारण राजनीतिक विवादों में घसीटा जाता है। दूसरी ओर, भले इस बार का लोकसभा चुनाव बिना किसी विघ्न के संपन्न हुआ लेकिन इस बार के लोकसभा चुनावों में मिथ्या प्रचार और अफवाहों का बाजार खूब देखने को मिला। इस ओर भी इशारा करते हुए आरएसएस प्रमुख ने कहा है कि चुनाव में हमेशा दो पक्ष होते हैं, लेकिन जीतने के लिए झूठ का सहारा नहीं लिया जाना चाहिए। उन्होंने परोक्ष तौर पर डीपफेक आदि की ओर इशारा करते हुए यह भी कहा कि तकनीक का उपयोग करके झूठ फैलाया गया। हम आपको याद दिला दें कि चुनावों के बीच ही गृह मंत्री अमित शाह का आरक्षण के बारे में विवादित बयान वाला डीपफेक वीडियो जारी किया गया था जिसे कांग्रेस के कई बड़े नेताओं ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा भी कर दिया था। इसके अलावा, भागवत ने देश की विविधता का सम्मान करते हुए आगे बढ़ने की नसीहत देते हुए यह भी कहा कि एक दूसरे की उपासना पद्धति का सम्मान किया जाना चाहिए। भागवत का यह कहना भी महत्वपूर्ण है कि इस्लाम और ईसाई जैसे धर्मों की अच्छाई और मानवता को अपनाया जाना चाहिए और सभी धर्मों के अनुयायियों को एक-दूसरे का भाई-बहन के रूप में सम्मान करना चाहिए। देखा जाये तो भागवत की यह नसीहत उन लोगों के लिए खासतौर पर है जो टीवी की बहसों और सोशल मीडिया पर अपनी टिप्पणियों में धर्म विशेष को निशाना बनाते हैं। यकीनन ऐसे लोगों के चलते ही समुदायों के बीच अविश्वास बढ़ता है। इसके अलावा, जो लोग बात-बात पर दूसरों को देश छोड़कर कहीं ओर बस जाने की सलाह देते हैं, उनकी ओर इशारा करते हुए भागवत ने कहा है कि सभी को यह मानकर आगे बढ़ना चाहिए कि यह देश हमारा है और इस भूमि पर जन्म लेने वाले सभी लोग हमारे अपने हैं। आरएसएस प्रमुख ने इस बात पर जोर दिया है कि कुछ लोगों की यह सोच कि केवल विदेशी विचारधाराएं ही सत्य हैं, समाप्त होनी चाहिए। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अतीत की बातों को भूलने और सबको अपनाने की सीख दी है। साथ ही उन्होंने जातिवाद को पूरी तरह से खत्म करने का आह्वान करते हुए अपने संगठन के पदाधिकारियों से समाज में सामाजिक सद्भाव की दिशा में काम करने के लिए कहा है। बहरहाल, संघ प्रमुख के नागपुर में दिये गये संबोधन को लेकर जिस तरह की राजनीतिक प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं वह दर्शा रही हैं कि प्रतिपक्ष को भाजपा पर वार करने के लिए नया हथियार मिल गया है। खैर...पहले ही चुनावी नतीजों से परेशान दिख रही भाजपा यदि भागवत की नसीहत पर तत्काल प्रभाव से अमल करे तो यकीनन वह जल्द ही निराशा के भंवर से उबर सकती है।

दृष्टि कोण

कर्मचारियों के लिए सरल बने चुनावी प्रक्रिया

हिमाचल प्रदेश के चुनावी इतिहास में पिछले लोकसभा चुनावों में पहली बार चुनाव ड्यूटी में लगे 24 सरकारी कर्मचारियों को एक साथ सस्पेंड होने का दंश भोगना पड़ा था। इस बार भी लोकसभा चुनावों में अत्यधिक गर्मी की वजह से जहां कुछ चुनाव कर्मियों की मौतों की खबरें हैं तो वहीं कुछ कर्मचारियों को निलंबित भी किया गया है। भारतीय चुनाव आयोग द्वारा 18वीं लोकसभा के लिए जारी कार्यक्रम के अनुसार देश की 543 सीटों के लिए 19 अप्रैल से 1 जून, 2024 के बीच 7 चरणों में चुनाव सम्पन्न करवाने की घोषणा की गई थी। हिमाचल प्रदेश की चार लोकसभा सीटों के लिए आखिरी चरण यानी 01 जून को मतदान संपन्न हुआ। लोकसभा चुनाव में इस बार कुल 98.8 करोड़ मतदाताओं में से 64 करोड़ 20 लाख से ज्यादा मतदाताओं ने वोट डाले, जिसे चुनाव आयोग ने एक बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि हमने एक विश्व रिकॉर्ड बनाया है। कुल 10.5 लाख ईवीएम मशीनों का प्रयोग किया गया। मशीनों पर प्रत्याशियों के चुनाव चिन्ह और नाम के साथ साथ उनके फोटो भी लगाए गए थे ताकि मतदाता अपनी पसंद के उम्मीदवार को आसानी से पहचान कर वोट डाल सकें। चुनाव आयोग द्वारा पहली बार सोशल मीडिया के जरिए चुनाव प्रचार को भी आचार संहिता के दायरे में लाया गया था। भारत में इतने लंबे समय तक चुनाव चलने की वजह से सभी विकास कार्य प्रभावित हुए हैं। लगभग पौने 3 महीने तक लागू रही आचार संहिता की वजह से बहुत सारे विकास कार्य ठप होकर रह गए और राष्ट्र को अप्रत्यक्ष हानि उठानी पड़ी। दूसरे भारी गर्मी में चल रही चुनावी प्रक्रिया में चुनावी ड्यूटी पर लगे कुछ कर्मचारियों की जानें भी गई हैं। इस वजह से मांग उठी है कि जब देश में तापमान लगभग 45 डिग्री से ऊपर चल रहा हो, तब चुनाव पहले करवा लिए जाने चाहिए थे। शायद इसी वजह से मतदान प्रतिशत भी कम रहा। मतदान केंद्र ऐसे स्कूल या पंचायत भवनों में बनाए गए थे, जहां पंखे तक नहीं थे। पोलिंग पार्टियों को वहां पहले से पहुंचकर लंबी ड्यूटी करनी पड़ी। हिमाचल में सबसे आखिरी चरण में मतदान हुआ, लिहाजा सभी प्रत्याशियों को अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में प्रचार करने के लिए पर्याप्त समय मिला। हिमाचल प्रदेश में 2024 के लिए हुए लोकसभा चुनाव में प्रदेश के चार संसदीय क्षेत्रों में मत प्रतिशतता लगभग 71 प्रतिशत रही। इसी बीच चुनाव आयोग द्वारा हिमाचल प्रदेश के तीन निर्दलीय विधायकों के इस्तीफे से रिक्त हुई तीन विधानसभा सीटों क्रमशः देहरा, नालागढ़ और हमीरपुर के लिए उपचुनावों की अधिसूचना जारी कर दी गई है, जिसके लिए 10 जुलाई को मतदान होगा और 13 जुलाई 2024 को मतगणना के बाद नतीजे घोषित किए जाएंगे। हिमाचल प्रदेश में चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न हुए, लेकिन चुनावों को लेकर व्यवस्था संबंधी कुछ मुद्दों पर निर्वाचन आयोग को गौर फरमाने की आवश्यकता है। जहां तक चुनावी ड्यूटी में लगे कुछ कर्मचारियों के सस्पेंड किए जाने का सवाल है, तो इसमें कोई दो राय नहीं कि मतदान से पूर्व तैनात सभी कर्मचारियों को रिहर्सल द्वारा सभी विधानसभा क्षेत्रों में तैयारी करवाई जाती है। अज्ञानतावश, जल्दीबाजी अथवा डर के चलते कहीं न कहीं चुनावी प्रक्रिया में मानवीय चूक होने से इंकार भी नहीं किया जा सकता है। ऐसी भी सूचनाएं हैं कि कई मतदान केंद्रों में तैनात पीठासीन अधिकारियों ने अपनी टीम पर भरोसा ही नहीं किया। चुनाव आयोग द्वारा मतदान प्रक्रिया में हुई त्रुटियों का संज्ञान लेते हुए कुछ कर्मचारियों को सस्पेंड किया गया है। लोगों का ऐसा मानना है कि कोई भी कर्मचारी जानबूझकर गलती नहीं करता, लेकिन एकदम सस्पेंड होने का डर उसे भयाक्रांत करता है। आज के हालात में कोई भी कर्मचारी अपनी नौकरी से हाथ धोना नहीं चाहता और न ही सस्पेंड होने का कलंक अपने सिर पर ढोना चाहेगा। हिमाचल प्रदेश में चुनाव डयूटी का जिम्मा हजारों कर्मचारी उठाते आ रहे हैं और हर बार सफलतापूर्वक चुनावी प्रक्रिया को संपन्न करवाते हैं। प्रायः ऐसा भी देखने में आता है कि मतदान वाले दिन सुबह चार बजे से चुनावी ड्यूटी में लगे कर्मचारियों को मतदाताओं की लम्बी कतारों के चलते कई बार खाना खाने का समय भी नहीं मिलता है। हिमाचल प्रदेश एक पर्वतीय प्रदेश है, कई मतदान केंद्रों तक पैदल पहुंचना पड़ता है। कई जगहों पर रहने-खाने की व्यवस्था दुरुस्त नहीं होती है। चार-पांच दिनों तक मतदान प्रक्रिया को संपन्न करवाना किसी भी कर्मचारी के लिए किसी चुनौती से कम नहीं होता है। कई पोलिंग पार्टियों ने मतदान के बाद रात 2 और 3 बजे तक अपनी ईवीएम को जमा करवाया है। उनकी मानसिक स्थिति को समझा जा सकता है। कई कर्मचारी रिटायरमेंट के नजदीक होते हैं, स्वास्थ्य संबंधी कई परेशानियां होती हैं, लिहाजा चुनाव आयोग को चाहिए कि कर्मचारियों के प्रति सहानुभूतिपूर्ण रवैया अख्तियार करे और सस्पेंड हुए कर्मचारियों का पक्ष जल्दी सुनकर उन्हें शीघ्र बहाल किया जाए। इसके साथ ही 55 साल की उम्र पार कर चुके कर्मचारियों को निश्चित रूप से चुनावी ड्यूटी से मुक्त रखा जाना चाहिए। जहां तक संभव हो सके कर्मचारियों को दूरदराज के निर्वाचन क्षेत्रों में भेजने के बजाय बगल वाले विधानसभा क्षेत्रों में ड्यूटी करने के लिए भेजा जाना चाहिए। कर्मचारियों के लिए रहने-खाने की व्यवस्था भी स्कूलों के बजाय निर्वाचन आयोग द्वारा ही करवाई जानी चाहिए। कर्मचारियों को उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिए तुरंत उचित एवं सम्मानजनक पारिश्रमिक दिए जाने की भी व्यवस्था होनी चाहिए। सबसे बड़ी जरूरत कर्मचारियों के दिलो-दिमाग से चुनावी ड्यूटी के भय को समाप्त करने के उपायों को लागू करने की होनी चाहिए ताकि उनका मनोबल ऊंचा बना रहे। इस मसले का अनिवार्य रूप से समाधान होना चाहिए ताकि कर्मचारी राहत महसूस करें।

कुछ अलग

समतावाद के पैरोकार

आदमी शाम के झुटपुटे को तो रात नहीं, तो रात का आगाज कह दें लेकिन चढ़ते सूरज की रौशनी को हम अंधेरे की आमद कैसे कह देते? नहीं कह सके न, अतः अब उनके उपहास का पात्र हो गए हैं या उनके द्वारा खिल्ली उड़ाने के सामान हो गए हैं। सबसे पहले उन्होंने कुर्सी सम्भालते ही हमें हमारे फटीचर दिनों की जगह अच्छे दिन लाकर देने का वायदा किया था। अब इस फटीचर और उपेक्षित जिंदगी का बोझ ढोते हुए हमें अपनी जिंदगी घसीटने की आदत हो गई है। वायदे की छोड़ो। जानते हैं काफी अवसादग्रस्त माहौल हमने रच दिया है। सीधा सादा यह भी तो कह सकते थे कि आधी रात तक बत्ती जला-जला किताबों में मगजपच्ची करके हासिल की हुईं डिग्रियां हमारे किसी काम नहीं आईं। इनके बगैर भी बहुत से लोग बेकार घूम रहे थे, इन्हें हासिल करके उनकी श्रेणी में ही चले आए। भरपेट खाने को अन्न न पहले मिलता था, न अब मिलता है। फिर एक जून भोजन और दूसरे जून ठंडा पानी पीकर जीने वाले लोगों की गिनती गरीबी रेखा से नीचे जीने वाले लोगों में होती है। आंकड़े बताते हैं, देश निरंतर प्रगति कर रहा है। गरीबी रेखा से नीचे जीने वालों का आंकड़ा निरंतर कम होता जा रहा है। भूखों को गिना तो आंकड़ा पहले से कम निकला। बस फिर क्या था, अच्छे दिन जल्द लौट आने की घोषणा कर दी गई। घोषणा करने में जाता ही क्या है? किसी को मनरेगा दे, बरस में सौ दिन काम मिलने को नौकरी की रेल पेल दे, बेकारी का खात्मा कह दिया। भूख से हायतौबा मचाते लोगों को फ्री लंगर की कतार में खड़ा कर दिया। कोहराम और बढ़ा, तो इस कतार की जिंदगी को लम्बा करने की घोषणा कर दी। दरिया दिल हैं इस बस्ती के लोग। ऐसे फ्री लंगर बांट-बांट कर वे भुखमरी खत्म करते हैं, और परिवार के एक व्यक्ति को रोजगार दे कहते हैं. लो जी बेकारी पर प्रहार हो गया। अब भला अच्छे दिन आने में देर ही कितनी है? लेकिन घोषणाएं तो घोषणाएं ही होती हैं। मनरेगा कार्ड फर्जीवाड़े के धुरंधरों ने हथिया लिया, और फ्री लंगर या रियायती दरों पर बंटने वाला अनाज लक्ष्य तक पहुंचा ही नहीं। पहुंचा तो बंटा नहीं, क्योंकि किसे देना है और किसे नहीं, इसी पर मतैक्य नहीं हो सका। लो राजनीति के चतुर सुजान तो गरीबी हटाओ के इन दावों से भरे अभियान की सफलता से प्रसन्न हो अपने नाती-पोत्रों के लिए गद्दियां सुरक्षित करने में लग गए। आखिर इस देश को सोने की चिड़िया भी तो बनाना है और देश की सूखी धरा पर दूध और घी की नदियों को भी बहाना है। शार्टकट संस्कृति के मसीहा अपने सार्थक हो जाने के प्रमाण जुटा रहे हैं। सोने की चिड़िया चहचहाने तो लगीं, लेकिन उनके पिंजरे बहुमंजिली इमारतों के गलियारों में लग गए। धीरे-धीरे ये चिड़ियां धरा पर उतर आएंगी और आपके कानों में फुसफुसाएंगी, 'लो हम आपके लिए अच्छे दिन ले आईं।' लेकिन अच्छे कामों का आम जन तक आने में वक्त लगता है, क्योंकि सही वक्त आने का इंतजार कर लें। चिड़ियां तब तक ऊंची मंजिलों पर चहचहाती रहें तो आपको दिक्कत क्या है? अब दिक्कत न आपको समझ आती है और न उसे आप बता पाते हो, तो चोर गलियों के मसीहा आपका उपहास ही उड़ाएंगे न। खिल्ली उड़ाते हुए कहेंगे, 'अजी हमने पूरा देश कार्पोरेट कर दिया, और इन्हें कार्पोरेट संस्कृति की कुछ खबर ही नहीं। कहते हैं लोग भूख और गरीबी से तंग आकर आत्महत्या कर रहे हैं, अब इन्हें कैसे बताएं कि मरने वाले दुसाध्य रोगों का शिकार थे।' लो कर लो बात, धनाढ्यों की आमदन तो सौ प्रतिशत बढ़ गई और आप जितना खाते थे, उससे भी गए। चिंता नहीं। समाजवाद उसके बाद ही शुरू होता है।

देश दुनीया से

राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रमः जानलेवा तम्बाकू का एक उपयोगी पहलू भी

> विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लुएचओ) की एक रिपोर्ट के अनुसार 35 से अधिक उम्र के लोगों के तम्बाकू जनित बीमारियों के इलाज पर प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से 1.77 लाख करोड़ रुपये खर्च हुये थे। डब्लुएचओ की रिपोर्ट के अनुसार भारत में वर्ष 2019 में 12 लाख से अधिक लोगों की मौत तम्बाकू जनित बीमारियों के कारण हुयीं थीं जिनमें 2.40 लाख लोग धूम्रपान करने वालों के आसपास रहते थे। तम्बाकू की महामारी पर नियंत्रण करने के लिये भारत में 11वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान वर्ष 2007-08 में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम (एनटीसीपी) शुरू किया गया था जिस पर हर साल एक बड़ी रकम खर्च होती।

तम्बाकू सेवन को मौत का पिछला दरवाजा माना जाता है। राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अभिलेखों के अनुसार देश में तम्बाकू जनित बीमारियों से प्रतिदिन औसतन 3500 लोगों की मौतें होती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लुएचओ) की एक रिपोर्ट के अनुसार 35 से अधिक उम्र के लोगों के तम्बाकू जनित बीमारियों के इलाज पर प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से 1.77 लाख करोड़ रुपये खर्च हुये थे। डब्लुएचओ की रिपोर्ट के अनुसार भारत में वर्ष 2019 में 12 लाख से अधिक लोगों की मौत तम्बाकू जनित बीमारियों के कारण हुयीं थीं जिनमें 2.40 लाख लोग धूम्रपान करने वालों के आसपास रहते थे। तम्बाकू की महामारी पर नियंत्रण करने के लिये भारत में 11वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान वर्ष 2007-08 में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम (एनटीसीपी) शुरू किया गया था जिस पर हर साल एक बड़ी रकम खर्च होती। इसी कार्यक्रम के तहत 2025 तक तम्बाकू उपभोग में 30 प्रतिशत कमी लाने का लक्ष्य रखा गया है। लेकिन इस बेहद डरावने सच के पीछे एक सच और भी है जो कि अक्सर चर्चा में नहीं आ पाता है। यह दूसरा सच तम्बाकू उत्पादन और अर्थव्यवस्था में इसके योगदान का है। भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अधीन कार्यरत गुण्टूर स्थित राष्ट्रीय तम्बाकू बोर्ड के अनुसार तम्बाकू भारत में उगाई जाने वाली महत्वपूर्ण व्यावसायिक फसलों में से एक है। यह प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 4.57 करोड़ लोगों को रोजगार प्रदान करता है। तम्बाकू बोर्ड के अनुसार राष्ट्रीय खजाने में 9,739.06 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा अर्जित कराता है। तम्बाकू बार्ड के रिकार्ड के अनुसार वर्ष 2022-23 के दौरान दुनिया में तम्बाकू के उत्पादन में भारत का प्रमुख स्थान रहा। 2021 के दौरान, भारत उत्पादन में चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा देश (एफएओ स्टेट डेटा, 2021) और दुनिया में अनिर्मित तम्बाकू का चैथा सबसे बड़ा निर्यातक (आईटीसी ट्रेडमार्क डेटा 2021) रहा। भारत फ्लू क्योर्ड वर्जीनिया तम्बाकू के विभिन्न प्रकार के उत्पादों का उत्पादन करता है, जो उनकी भौतिक और रासायनिक विशेषताओं में भिन्न होती हैं। बोर्ड के अनुसार भारत ने 2020 में 766,000 टन से अधिक पत्ती का उत्पादन किया। यह वैश्विक उत्पादन का 9 प्रतिशत है। भारत में प्रमुख तम्बाकू उत्पादक राज्यों में गुजरात, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और बिहार शामिल हैं। गुजरात, आंध्र प्रदेश और उत्तर प्रदेश देश के कुल उत्पादन में क्रमशः लगभग 45, 20 और 15 प्रतिशत का योगदान करते हैं। आर्थिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण कृषि फसलों में से एक वणिज्य मंत्रालय के अधीन केन्द्रीय तम्बाकू अनुसंधान संस्थान राजामुन्द्री (सीटीआरआइ) की वेबसाइट में दिये गये विवरण के अनुसार तम्बाकू दुनिया में आर्थिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण कृषि फसलों में से एक है। यह सूखा सहने वाली, कठोर और कम अवधि वाली फसल है जिसे ऐसी मिट्टी पर उगाया जा सकता है जहाँ अन्य फसलों की खेती लाभप्रद रूप से नहीं की जा सकती। भारत में तम्बाकू की फसल 45 हजार हेक्टेयर (शुद्ध खेती वाले क्षेत्र का 0.27 प्रतिशत) क्षेत्र में उगाई जाती है,

जिससे 75 करोड़ किलोग्राम तम्बाकू पत्ती का उत्पादन होता है। चीन और ब्राजील के बाद भारत क्रमशः दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक है। फ्लू-क्योर्ड वर्जीनिया (एफसीवी)तम्बाकू का उत्पादन 20 हजार हेक्टेयर क्षेत्र से लगभग 30 करोड़ किलोग्राम है, जबकि 25 हजार हेक्टेयर क्षेत्र से 45 करोड़ किलोग्राम गैर तम्बाकू का उत्पादन होता है। वैश्विक परिदृश्य में, भारतीय तम्बाकू का क्षेत्रफल 10 प्रतिशत और कुल उत्पादन का 9 प्रतिशत है। भारत में तम्बाकू उत्पादन की अनूठी विशेषता यह है कि पूरे देश में फैली विविध कृषि-पारिस्थितिक स्थितियों के तहत फ्लू-क्योर्ड वर्जीनिया और विभिन्न प्रकार के गैर फ्ल्यू क्योर्ड वर्जीनिया तम्बाकू का उत्पादन किया जाता है। देश के लगभग 15 राज्यों में तम्बाकू की खेती की जाती है, जो कृषि समुदाय की अर्थव्यवस्था और समृद्धि को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करता है। भारत में प्रमुख तम्बाकू उत्पादक राज्यों में गुजरात, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और बिहार शामिल हैं। गुजरात, आंध्र प्रदेश और उत्तर प्रदेश देश के कुल तम्बाकू उत्पादन में क्रमशः लगभग 45, 20 और 15 प्रतिशत का योगदान करते हैं। कर्नाटक लगभग 8 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि शेष राज्य सामूहिक रूप से देश के कुल तम्बाकू उत्पादन का लगभग 2-3 प्रतिशत हिस्सा बनाते हैं। एफसीवी, बीड़ी, हुक्का, च्यूइंग, सिगार-रैपर, चेरूट, बर्ली, ओरिएंटल, एचडीबीआरजी, लंका, पिक्का, नाटू, मोतिहारी, जटी आदि देश में उगाए जाने वाले तम्बाकू के विभिन्न प्रकार हैं। एफसीवी, बर्ली और ओरिएंटल तम्बाकू प्रमुख निर्यात योग्य प्रकार हैं। राजामुन्द्री स्थित सीटीआरआइ के अनुसार 60 लाख किसान और तम्बाकू की खेती में जुड़े 2 करोड़ खेत मजदूर शामिल हैं। इसके अलावा 1 करोड़ लोग प्रसंस्करण, विनिर्माण और निर्यात में कार्यरत हैं। अकेले बीड़ी बनाने से 44 लाख लोगों को रोजगार मिलता है और 22 लाख आदिवासी तेंदू पत्ता संग्रह में शामिल हैं। मुख्य लाभार्थी छोटे और सीमांत किसान, ग्रामीण महिलाएं, आदिवासी युवा और समाज के कमजोर वर्ग हैं। तम्बाकू से प्रतिवर्ष 4,400 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है, जो देश के कुल कृषि-निर्यात का 4 प्रतिशत है, तथा 14,000 करोड़ रुपये उत्पाद शुल्क राजस्व के रूप में प्राप्त होते हैं, जो सभी स्रोतों से प्राप्त कुल उत्पाद शुल्क राजस्व का 10 प्रतिशत से अधिक है। भारतीय तम्बाकू को 'पैसे के लिए मूल्य' माना जाता है। भारत तम्बाकू के प्रमुख निर्यातकों में से एक है, तथा ब्राजील के बाद दूसरे स्थान पर है। विश्व तम्बाकू व्यापार में देश की हिस्सेदारी मात्रा के हिसाब से 6 प्रतिशत तथा मूल्य के हिसाब से 0.7 प्रतिशत है तथा हमारे निर्यात का 80-85प्रतिशत हिस्सा अकेले फ्लू-क्योर्ड वर्जीनिया (एफसीवी) का है। पिछले पांच वर्षों के दौरान, तम्बाकू तथा तम्बाकू उत्पादों के निर्यात में क्रमशः मात्रा और मूल्य के हिसाब से 76 प्रतिशत तथा 209 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यू.के., जर्मनी, बेल्जियम, तत्कालीन सोवियत संघ, दक्षिण कोरिया तथा दक्षिण अफ्रीका भारतीय एफसीवी तम्बाकू के प्रमुख आयातक हैं, जो हमारे निर्यात का 60 प्रतिशत से अधिक हिस्सा हैं।

आप का नजरीया

नड्डा से मांगता है हिमाचल

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे जगत प्रकाश नड्डा के पास फिर से केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय लौट आया है। एक बड़ा विभाग जो जनता के करीब और स्वास्थ्य बीमा योजना के कारण अजीज भी है, फिर भी मोदी मंत्रिमंडल को अपने समीप पाने के लिए नड्डा का आरोहण याद दिलाता रहेगा कि केंद्र से संसाधनविहीन हिमाचल की झोली कितनी भरती है। एक तरह से वह हिमाचली आरजू बनकर उभरे हैं, भले ही राज्यसभा सदस्य के नाते उनसे गुजरात की भी आशाएं रहेंगी, लेकिन बतौर मंत्री उनके दायित्व से प्रदेश के सरोकार परिमार्जित होना चाहेंगे। बेशक बिलासपुर एम्स जैसा ड्रीम प्रोजेक्ट उनके राजनीतिक करियर का प्रतिष्ठित मंच रहा है और आइंदा भी इसके विस्तार में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की भुजाएं प्रयास करेंगी, लेकिन यहां केंद्र के पास बंधक हिमाचली अधिकारों, आशाओं और डबल इंजन सरकार के दौर का साम्राज्य चिन्हित होकर देख रहा है। इसमें दो राय नहीं कि बल्क ड्रग पार्क और मेडिकल डिवाइस पार्क जैसी परिकल्पनाओं में जयराम सरकार को मिली सफलता की एक बड़ी भूमिका जगत प्रकाश नड्डा की रही है। तब वह मंत्री नहीं सत्तारूढ़ दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे। राज्य से उनका नाता जयराम और उनकी सरकार को मजबूत करता रहा है, लेकिन अब वह मोदी सरकार में सरकार है। इसमें दो राय नहीं कि हमीरपुर संसदीय क्षेत्र इस समय अपने भाग्योदय में सबसे उत्तम स्थिति के ग्रह गोचर लिए हुए है। इस क्षेत्र से केंद्र में दो सांसद, एक मंत्री, राज्य के मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री संबंध रखते हैं यानी एक साथ केंद्र व राज्य की ऊर्जा अगर काम करे, तो कम से कम हमीरपुर संसदीय क्षेत्र तो अपनी योजनाओं-परियोजनाओं को बेहतर शक्ल दे सकता है। जाहिर तौर पर इसी भूखंड पर हिमाचल की सियासत का सबसे बड़ा बंटवारा भी हो रहा है। अगर भाजपा पूरी शिद्दत से लोकसभा की जमीन ले गई, तो मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने उपचुनावों में विपक्ष का सियासी असला छीन लिया है। अब पुनः निर्दलीयों के कारण चुनाव बगावती है, तो हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में राजनीति फिर से इतिहास लिखेगी। बहरहाल केंद्रीय मंत्री के तौर पर मोदी सरकार की गोदी में हिमाचल को आर्थिक सुकून चाहिए। हैं फाइलें बहुत सी तेरे ही दामन में, हम तो सिर्फ नसीब वापस मांगते हैं। जाहिर है केंद्रीय मंत्री का किरदार हिमाचल को मिल जाए तो आत्मनिर्भरता के प्रश्नों को कहीं तो संबोधन मिलेगा। पर्यटन के रास्ते और पानी के वास्ते केंद्र सरकार के हुक्म की रत्तीभर तामील भी हमें राहत दे सकती है। जब शांता कुमार ने नरसिम्हा राव सरकार से जल विद्युत उत्पादन के बदले मुफ्त बिजली की रॉयलटी हासिल की थी, तो केंद्र के हुक्म की तामील हुई थी। जब प्रेम कुमार धूमल अटल सरकार से औद्योगिक पैकेज लाए थे तो भी हुक्म की तामील हुई थी। बेशक नड्डा व अनुराग भी सौगातें लाए, मगर इनके दायरे में पूरे हिमाचल का हिसाब अभी पूरा नहीं हुआ है। यह दीगर है कि केंद्र से विभिन्न सडक़ परियोजनाओं को गति मिलती है तो नड्डा का ड्रीम प्रोजेक्ट शिमला-धर्मशाला फोरलेन परियोजना के सुर तान छेड़ेंगे।

सीएम योगी ने तलब की लापरवाह अफसरों की रिपोर्ट

लखनऊ (हिंस)। आदर्श आचार संहिता खत्म होते ही एक बार फिर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं। उन्होंने हाल में ही एक उच्च स्तरीय बैठक कर विभिन्न विभागों के अधिकारियों को तलब कर समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को विभिन्न योजनाओं में प्रगति लाने के निर्देश दिए। साथ ही कार्यों में लापरवाही बरतने वालों की सूची प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में सीएम योगी ने राजस्व संबंधी मामलों में लापरवाही पर खासी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने तत्काल लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ एक्शन लेने का आदेश दिया। साथ ही दो हफ्ते में रिपोर्ट मुख्यमंत्री कार्यालय को सौंपने के निर्देश दिए हैं। जल्द ही सीएम कार्यालय को सौंपी जाएगी लापरवाह अधिकारियों की रिपोर्ट मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद राजस्व से जुड़े अधिकारी हरकत में आ गए हैं। इसी क्रम में राजस्व परिषद चेयरमैन रजनीश दुबे ने हाल ही में राजस्व से जुड़े मामलों की समीक्षा की। इसमें उन्होंने राजस्व संबंधी कार्यों में लापरवाही पर राजस्व अफसरों, एडीएम, एसडीएम, नायब तहसीलदार और तहसीलदार स्तर के अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया। उधर, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने भी राजस्व संबंधी मामलों को लेकर बैठक की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश के विभिन्न जिलों में राजस्व संबंधी मामलों के निपटारे में लापरवाह अधिकारियों को फटकार लगायी। साथ ही कार्यों में सुधार लाने के निर्देश दिए। इसके अलावा वह जल्द ही राजस्व संबंधी मामलों में अनियमितता बरतने वाले जिलों की रिपोर्ट मुख्यमंत्री कार्यालय को सौंपेंगे, जिसके बाद इन अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो सकती है। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र द्वारा राजस्व विभाग की बैठक में सामने आया कि राजस्व संबंधी मामलों के निपटारों में कई जिले फिसड्डी रहे हैं। इस पर उन्होंने अधिकारियों को फटकार लगाने के साथ इसमें सुधार लाने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य सचिव ने पाया कि रियल टाइम खतौनी में कानपुर नगर, प्रयागराज, वाराणसी, चित्रकूट और बलरामपुर का प्रदर्शन ठीक नहीं है। इसी तरह वाराणसी, सोनभद्र, बलिया, मैनपुरी और गोरखपुर में खतौनी पुनरीक्षण एवं अंश निर्धारण का प्रतिशत काफी कम रहा है। इन जिलों में करीब 50 प्रतिशत ही अंश निर्धारण का कार्य हुआ है। वहीं स्वामित्व योजना के तहत घरौनी तैयार करने में गोरखपुर, प्रयागराज, बाराबंकी, जौनपुर और गाजीपुर में काफी धीमी गति से कार्य हो रहा है। मुख्य सचिव ने इसमें तेजी लाने के निर्देश दिए। इसके अलावा राजस्व वादों के निस्तारण में महोबा, चित्रकूट, मुजफ्फरनगर, शामली और बागपत फिसड्डी रहे हैं। यहां आठ हजार से अधिक मामले लंबित हैं। नामांतरण में कुशीनगर, सोनभद्र तो पैमाइश में लखनऊ, प्रयागराज का प्रदर्शन ठीक नहीं बैठक में सामने आया कि राजस्व वाद के तहत धारा-24 (पैमाइश) में लखनऊ, प्रयागराज, अमरोहा, फतेहपुर और सहारनपुर का प्रदर्शन ठीक नहीं है। इसके साथ ही धारा-34 (नामांतरण) में कुशीनगर, सोनभद्र, रायबरेली, बलिया और अमेठी में पहले से सुधार हुआ है, लेकिन निपटारे का प्रतिशत 95 प्रतिशत से कम है। इसी तरह धारा-80 (कृषिक भूमि का गैर-कृषिक भूमि में परिवर्तन) के अयोध्या में 34, प्रतापगढ़ में 21, गोरखपुर में 12, कानपुर नगर में 10 और बाराबंकी में 7 मामले लंबित हैं। यह सभी मामले एक वर्ष से अधिक और तीन वर्ष से कम के हैं। इसे लेकर मुख्य सचिव जल्द ही पूरी रिपोर्ट मुख्यमंत्री कार्यालय को सौंप सकते हैं। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लापरवाह अफसरों पर कड़ी कार्रवाई की जा सकती है।

उदयपुर के सांसद को धमकी देने वाला गिरफ्तार

उदयपुर (हिंस)। उदयपुर से भाजपा सांसद मन्नालाल रावत को जान से मारने की धमकी देने वाले युवक को पुलिस ने जयपुर से गिरफ्तार कर लिया है। गोवर्धन विलास थानाधिकारी अर्जुनलाल सालवी के अनुसार मामले में कुंती भगोरा (20) पुत्र लक्ष्मण निवासी भगोरा फला, चरपोटिया, थाना पारसोला जिला प्रतापगढ़ को गिरफ्तार किया गया है। आरोपित जयपुर के शाहपुरा में बीएससी बीएड सेकेंड ईयर में पढ़ाई कर रहा है। पूछताछ में युवक ने बताया कि वह किसी भी राजनीतिक विचारधारा से नहीं जुड़ा है। सांसद मन्नालाल रावत ने एक बयान में गुजरात में बीटीपी को नोटा से कम वोट मिलने और कांकरी डूंगरी कांड में लोगों को बाहरी (झारखंड से) बताया था। इस बयान से आहत होकर उसने सोशल मीडिया पर धमकीभरा कमेंट कर दिया। अब उसे अपनी गलती पर पछतावा है। आरोपित ने यूट्यूब पर सांसद के एक इंटरव्यू के वीडियो में कमेंट बॉक्स में धमकी दी थी। उसने कमेंट में लिखा था कि इसका कंगना की तरह गेम बजाना पड़ेगा। सांसद बनाकर गलती कर दी। बहुत जल्द ही उदयपुर में भी रगड़ा निकाल दिया जाएगा। तुम्हारी वाडिया (विसर्जन) उठने वाली है। मामला सामने आने के बाद सीएम ऑफिस से उच्च स्तरीय कमेटी जांच में जुट गई थी, इसको लेकर सांसद रावत ने एसपी को सूचना दी थी।

राजनीतिक कारणों से नवादा में महादलित मुखिया पप्पू मांझी की गोली मारकर हुई हत्या

नवादा (हिंस)। नवादा जिले के पकरीबरावां प्रखंड के बुधौली पंचायत की मुखिया पप्पू मांझी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पंचायत में चल रहे राजनीति की वजह से हत्या के आसार लग रहे हैं। गुरुवार की देर रात घटना को अंजाम दिया गया। शुक्रवार को गांव में ही स्थित इंटर विद्यालय के समीप चहारदिवारी से सटे मुखिया का शव पाया गया। गोली मारकर हत्या की गई है। शव को देखने से ऐसा प्रतीत हो रहा था नजदीक से कनपटी में गोली मारी गई। सूचना के बाद डीएसपी पकरीबरावां महेश कुमार चौधरी और पकरीबरावां थाना की पुलिस घटना स्थल पर पहुंचकर मामले की जांच पड़ताल की। प्रारंभिक जांच में हत्या के पीछे राजनीतिक पाया गया उससे हत्या के पीछे कुछ और कहानी भी हो सकती है। घटनास्थल पर मुखिया का पैंट शर्ट लाश के नीचे रखा था। जबकि मोबाइल चड्डी के अंदर था। इससे यह भी प्रतीत हो रहा है कि हत्या कही और करके शव को स्कूल के पास लाकर रखा गया हो। फिलहाल पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। घटना सामने आने के बाद घर परिवार में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। पुलिस शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल नवादा लेकर पहुंची है। पप्पू पिछले 2 कार्यकाल से अनुसूचित सीट से मुखिया थे। वैसे, उनका पूरा कामकाज गांव के ही अमरेंद्र नाम के व्यक्ति देखा करते थे। मुखिया पप्पू एक सीधे-साधे किस्म के इंसान थे। मुखिया रहते हुए भी राजनीति से बहुत ज्यादा मतलब नहीं था। उनका काम सबकुछ अमरेंद्र ही देखा करते थे।

विदेशी आक्रांताओं को विफल करने वाले महायोद्धा थे महाराणा प्रताप : इंद्रेश कुमार

जयपुर (हिंस)। विदेशी आक्रांताओं को विफल करने में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप ने अहम भूमिका अदा की। हसन खान मेवाती, हकीम खां सूर जैसे योद्धा भी उनके ही जैसी राष्ट्रवादी सोच रखने वाले थे। उन्होंने भी मुस्लिम आक्रांताओं के दांत खट्टे कर वापस लौटने पर मजबूर किया। यह बात मुस्लिम राष्ट्रीय मंच की ओर से खो नागोरिया में चल रहे वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती के सात दिवसीय समारोह में मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के मार्गदर्शक और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारी इंद्रेश कुमार ने कही। उन्होंने मुसलमानों को राष्ट्रवादी बनकर हिंदुस्तान में हिंदू मुस्लिम एकता को मजबूत बनाने पर जोर दिया। इस अवसर पर मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के राष्ट्रीय संयोजक एवं वक्फ बोर्ड राजस्थान के पूर्व अध्यक्ष अबू बकर नकवी ने कहा कि जो मुस्लिम राष्ट्र प्रेमी नहीं थे वे देश चोड़कर पाकिस्तान चले गए और आज भी मुहाजिर (शरणार्थी) बनकर रह रहे हैं। पाकिस्तान ने उनको आज तक नागरिकता नहीं दी। नकवी ने कहा हसन खां मेवाती और हकीम खां सूर की सोच रखने वाले राष्ट्र प्रेमी मुसलमानों ने हिंदुस्तान को गले लगाया और आज पूरी दुनिया में सबसे खुशहाल मुस्लिम हैं तो वे हिंदुस्तान में हैं। इस अवसर पर इस कार्यक्रम के संयोजक अब्दुल अजीज को जयपुर जिला सह संयोजक भी नियुक्त किया गया।

किसानों के दो लाख रुपए तक के ऋण होंगे माफ : कृषि मंत्री

रांची (हिंस)। कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री बादल ने कहा कि किसानों के दो लाख रुपए तक के लोन माफ किए जाएंगे। 31 मार्च, 2020 तक किसानों द्वारा लिया गया 50 हजार से लेकर दो लाख तक के ऋण को वन टाईम सेंटलमेंट के माध्यम से माफ किया जाएगा। इसके लिए सभी बैंकों से प्रस्ताव आमंत्रित किया गया है। बादल शुक्रवार को नेपाल हाउस स्थित सभागार में राज्यस्तरीय बैंकर्स समिति के पदाधिकारियों के साथ केसीसी लोन सहित कृषि कार्य के लिए किसानों के जरिए लिए गए ऋण की माफी योजना को लेकर बैठक में बोल रहे थे। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने

वादे के मुताबिक ऐसे किसानों को राहत दी है, जो बैंक ऋण की वजह से चिंताग्रस्त रहते थे। राज्य के करीब 4 लाख 73 हजार से ज्यादा किसानों के 50 हजार रुपए तक के ऋण माफ किए जा चुके हैं। इस मद में सरकार के जरिए 1900 करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि बैंकों को दी गई है। उल्लेखनीय है कि 2021-22 में सरकार ने किसानों को राहत देने के मकसद से 50 हजार रुपए तक की राशि के ऋण को माफ करने की घोषणा की थी। वादे के मुताबिक सरकार ने वैसे सभी आवेदनों का निष्पादन कर लिया है, जिनकी केवाईसी हो चुकी है। मंत्री ने कहा कि बहुराज्यीय भूमि सहकारी विकास बैंक समिति, पटना के 10 हजार ऋणी किसानों के कर्ज माफ करने पर विचार किया गया। लोन लेने वाले एससी-एसटी और कमजोर वर्ग के किसानों के ऋण माफ किए जाने का निर्णय भी बैठक में लिया गया। साथ ही देवघर को-ऑपरेटिव ग्रेन बैंक, लिमिटेड, देवघर द्वारा 14 हजार 346 ऋणी किसानों के कर्ज को भी माफ करने पर विचार किया गया। बादल ने सभी बैंकों के पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि वैसे किसानों के खाते, जो एनपीए हो चुके हैं, उन खातों को बंद करने के लिए राज्य सरकार के पास प्रस्ताव भेजें, ताकि किसानों को ऋणमुक्त किया जा सके। मंत्री ने कहा कि ऐसे ऋणी, जिनकी मौत हो चुकी है तथा जिनके खाते एनपीए हो गए हैं, वैसे किसानों के लिए सक्षम साक्ष्य प्रस्तुत करने के उपरांत उन्हें भी बिना केवाईसी के लाभुकों की श्रेणी में शामिल किया जाएगा। बैठक में मुख्य रूप से विकास आयुक्त अविनाश कुमार, योजना एवं विकास विभाग के प्रधान सचिव मस्तराम मीणा, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के सचिव अबू बकर सिद्दिकी सहित राज्यस्तरीय बैंकर्स समिति के पदाधिकारी उपस्थित थे।

मानसून के पहले ही योगी सरकार ने शुरू की बाढ़ से फसलों के बचाव की तैयारियां

लखनऊ (हिंस)। देश के *फूड बास्केट* के तौर पर प्रतिष्ठित उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने फसलों के रखरखाव को लेकर विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर उसे क्रियान्वित किया है। प्रदेश में फिलहाल हीटवेव का प्रकोप है और जल्द ही मानसून भी प्रदेश में सक्रिय होने जा रहा है। ऐसे में, फसलों के उचित रखरखाव, हीटवेव तथा बाढ़ से बचाव की प्रक्रिया को अमलीजामा पहनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मौसमी परिवर्तन के कारण किसानों को किसी प्रतिकूल परिस्थिति का सामना न करना पड़े तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की सभी योजनाओं का उन्हें लाभ मिले, यह सुनिश्चित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त बाढ़ के लिहाज से प्रदेश के 27 अति संवेदनशील, 13 संवेदनशील तथा 35 सामान्य जिलों में क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप द्वारा दी गई तकनीकी संस्तुतियों के आधार पर एडवाइजरी निर्गत करने के कार्य को मूर्त रूप दिया जा रहा है। प्रदेश में पिछले कुछ दिनों से लगातार हीटवेव का प्रकोप जारी है जिसका असर फसलों पर दिख रहा है। ऐसे में, मुख्यमंत्री योगी की मंशा के अनुसार इस मौसमी प्रकोप से प्रदेश की फसलों के रक्षण के लिए पहले ही मुख्य सचिव द्वारा क्षेत्रिय कृषि अधिकारियों को एडवायजरी जारी हो चुकी है। इस एडवायजरी को क्रियान्वित करते हुए फसलों की सुरक्षा का मार्ग प्रशस्त किया जा रहा है। मौसम आधारित राज्यस्तरीय कृषि परामर्श समूह (क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप) की संस्तुतियों के आधार पर इसे क्रियान्वित किया जा रहा है। इसमें धान नर्सरी में पानी निकासी व नमी को सुनिश्चित करने, मल्चिंग तकनीक का प्रयोग करने, स्प्रिंकलर व ड्रिप सिंचाई विधि का प्रयोग, नियमित अंतराल पर हल्की सिंचाई, जैविक खाद का प्रयोग, कंटूर ट्रेंच विधि के प्रयोग समेत भूजल एवं वर्षा जल संरक्षण जैसी प्रक्रियाओं को सुनिश्चित किया जा रहा है। प्रदेश में जल्द ही मानसून सक्रिय होने जा रहा है, ऐसे में बारिश के कारण उत्पन्न होने वाली बाढ़ की स्थिति से निपटने और फसलों को इससे बचाने के लिए विस्तृत कार्ययोजना को क्रियान्वित करने की प्रक्रिया जारी है। इस क्रम में क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप द्वारा दी गई तकनीकी संस्तुतियों के आधार पर एडवायजरी निर्गत करने के कार्य को मूर्त रूप दिया जा रहा है।

यूपी में एक दिन में सर्वाधिक दुर्घटना बीमा,वाराणसी डाक परिक्षेत्र ने बनाया नया कीर्तिमान

वाराणसी (हिंस)। डाक विभाग के उपक्रम इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक ने अपने पांच वर्षों के अपने सफर में *आपका बैंक, आपके द्वार* को प्रोत्साहित करते हुए नए आयाम स्थापित किए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन और डिजिटल इंडिया के क्षेत्र में आज इसकी अहम भूमिका है। समाज के अंतिम वर्ग के लोगों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न कंपनियों से एग्रीमेंट के तहत सस्ती दरों पर बीमा का लाभ भी आईपीपीबी द्वारा प्रदान किया जा रहा है। ये उद्गार वाराणसी परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव के हैं। पोस्टमास्टर जनरल शुक्रवार को इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय, वाराणसी में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि वाराणसी परिक्षेत्र ने 13 जून को मात्र एक दिन में 2679 लोगों का दुर्घटना सुरक्षा बीमा कर उत्तर प्रदेश परिमंडल में एक दिन में सर्वाधिक बीमा करने का नया कीर्तिमान स्थापित किया, जिसके सापेक्ष साढ़े ग्यारह लाख रुपए का

प्रीमियम जमा किया गया। यही नहीं, जीआई सर्वसुरक्षा अभियान के तहत पहले ही दिन प्रदत्त लक्ष्य के सापेक्ष 329 फीसदी सफलतापूर्वक प्राप्तकर वाराणसी परिक्षेत्र ने पूरे भारत में भी प्रथम स्थान प्राप्त किया। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक की ओर से आयोजित कार्यक्रम में पोस्टमास्टर जनरल ने आईपीपीबी के चीफ मैनेजर बृज किशोर और प्रवर डाक अधीक्षक राजीव कुमार के संग केक काटकर मौजूद लोगों में खुशियां बांटी। डाक विभाग के ग्रामीण डाक सेवक, पोस्टमास्टर्स, निरीक्षक, सहायक अधीक्षक, मंडलाधीक्षक और आईपीपीबी मैनेजर्स सहित समस्त स्टाफ को शुभकामनाएं देते हुए पीएमजी ने भविष्य में नए कीर्तिमान स्थापित करने के लिए उनका उत्साह भी बढ़ाया। उन्होंने कहा कि आईपीपीबी की परिवर्तनकारी उपस्थिति ने बैंकिंग परिदृश्य को नया आकार दिया है, जो डोर-स्टेप बैंकिंग की पेशकश करता है एवं सुलभ सेवाओं का प्रतीक है जो परिवर्तन को प्रज्वलित करता है। आईपीपीबी के माध्यम से डाकिया और ग्रामीण डाक सेवक आज एक चलते फिरते बैंक के रूप में कार्य कर रहे हैं। सीईएलसी के तहत घर बैठे बच्चों का आधार बनाने, मोबाइल अपडेट करने, डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट, डीबीटी, बिल पेमेंट, एईपीएस द्वारा बैंक खाते से भुगतान, वाहनों का बीमा, स्वास्थ्य बीमा, दुर्घटना बीमा, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना जैसी तमाम सेवाएं आईपीपीबी द्वारा डाकिया के माध्यम से घर बैठे मुहैया कराई जा रही हैं। आईपीपीबी में खाता होने पर डाकघर की सुकन्या, आरडी, पीपीएफ, डाक जीवन बीमा में भी ऑनलाइन जमा किया जा सकता है। आईपीपीबी उन तमाम लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जिनके पास बीमा और अन्य वित्तीय सेवाओं तक आसान पहुंच नहीं है।

ट्रक से टक्कर के बाद पुलिया से नीचे गिरा ऑटो

पांच मजदूरों की मौत, छह घायल

पलामू (हिंस)। प्रमंडल अंतर्गत गढ़वा जिले के श्री बंशीधर नगर थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात एक ट्रक से टक्कर लगने के बाद ऑटो पुलिया से नीचे गिर गया, जिसमें सवार पांच मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई जबकि छह गंभीर रूप से जख्मी हो गए। सभी घायलों को सदर अस्पताल गढ़वा में भर्ती कराया गया है। घटना गढ़वा-मुड़ीसेमर मार्ग पर पाल्हे गांव के आशुतोष महादेव मंदिर के समय हुई। ऑटो में सवार सारे लोग नगर उंटारी रेलवे स्टेशन जा रहे थे। सभी को शक्तिपुंज एक्सप्रेस पकड़ना था। मृतकों में उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले के दुद्धी थाना क्षेत्र के महुली गांव का बिमलेश कुमार कनोजिया (42), रमना थाना क्षेत्र के सिलियाटोंगर गांव का अरुण भुइयां (30), इसी गांव का बिकेश भुइयां (20), राजा कुमार (21) एवं राजकुमार भुइयां (53) हैं। घायलों में रमना थाना क्षेत्र के सिलियाटोंगर गांव का मिथिलेश भुइयां, उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले के दुद्धी थाना क्षेत्र अंतर्गत महुली गांव का छोटूलाल भुइयां, रमना थाना क्षेत्र के सिलियाटोंगर गांव का उमेश भुइयां, राकेश भुइयां, मेराज अंसारी एवं संजय भुइयां हैं। जानकारी के अनुसार सभी लोग एक ही आटो में सवार होकर सिलियाटोंगर गांव से गुजरात के जामनगर जाने के लिए निकले थे। पाल्हे गांव के समीप सामने से आ रहे ट्रक ने आटो में टक्कर मार दी। इससे आटो पलट कर पुल के नीचे चला गया।

नीट यूजी के परीक्षा परिणाम को लेकर एबीवीपी ने विरोध-प्रदर्शन कर पुतला दहन किया

सहरसा (हिंस)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को नीट-यूजी 2024 के आयोजन के दौरान गड़बड़ियां और परीक्षा परिणाम को लेकर विरोध-प्रदर्शन कर पुतला भी मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग की है। उत्तर बिहार के प्रांत विधि कार्य संयोजक ने कहा कि परीक्षा के आयोजन के दिन ही देश के अलग-अलग हिस्सों से गड़बड़ियां सामने आईं थी। अलग-अलग स्थानों से सॉल्वर पकड़े गए थे। कुछ स्थानों पर प्रश्न पत्र बांटने में भी गड़बड़ी मिली थी। इससे स्पष्ट हो गया कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने परीक्षा के आयोजन के लिए आवश्यक तैयारियां नहीं की थी। नीट परीक्षा परिणाम में एक ही सेंटर से कई टॉपर्स होने से संदेह उत्पन्न हो रहा है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी पर पहले भी यूजीसी-नेट आदि परीक्षाओं के आयोजन के संदर्भ में सवाल खड़े हुए थे। पूरे प्रकरण की जांच सीबीआई से होनी चाहिए और इस पर कार्रवाई हो। एनटीए नेशनल

टेस्टिंग एजेंसी को 14 जून को रिजल्ट जारी करना था। लेकिन रिजल्ट में किए गए भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए 4 जून को ही रिजल्ट अनाउंस कर दिया गया। विभाग संयोजक गौरव ठाकुर ने कहा कि नीट एग्जाम बहुत ही उच्च स्तरीय एग्जाम है। मेडिकल संस्थानों में प्रवेश के लिए आयोजित की जाने वाली इस परीक्षा की पारदर्शिता पर विद्यार्थियों के बीच संदेह पैदा हो रहा है। नीट-यूजी की परीक्षा के दिन भी देश के अलग -अलग स्थानों पर व्यवस्था की गड़बड़ियां सामने आई थीं। इससे यह भी स्पष्ट हो गया कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने परीक्षा के आयोजन के लिए आवश्यक तैयारियां नहीं की थी। अभाविप के जिला सह संयोजक कृष्णकांत ने कहा कि नीट परीक्षा परिणाम आने के बाद अभ्यर्थियों की खुदकुशी का मामला बेहद दुखद है। अभ्यर्थियों का भरोसा जीतने के लिए जरूरी है कि मामले में उचित कार्रवाई हैं। रिजल्ट में यह स्पष्ट है कि कुछ सेंटर पर आपत्तिजनक परिणाम आए हैं। जहां 720 में से 720 अंक छात्रों को मिले हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद इस परीक्षा परिणाम की सीबीआई से जांच चाहती है। इस रिजल्ट के आधार पर एडमिशन नही दिए जाएं। नगर मंत्री अंशु कुमार राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित नीट-यूजी 2024 की परीक्षा तथा परीक्षाफल में हुई अनियमितताओं तथा सुरक्षा खामियों, यथा-कुछ छात्रों को अधिक ग्रेस अंक देकर उनको एआईआर 1 जैसी जैसी उच्च रैंक देना, पेपर लीक की घटनाएं एवं एक ही परीक्षा केंद्र से कई छात्रों को उच्चतम रैंक प्राप्त होना, आदि जैसी विषयों पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद गंभीर चिंता व्यक्त करता है।

ऑपरेशन मुस्कान के तहत 30 धारकों को मिला मोबाईल

भागलपुर (हिंस)। भागलपुर के सिटी एसपी श्रीराज ने शुक्रवार को एक प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि ऑपरेशन मुस्कान के तहत करीब 4.5 लाख रुपए मूल्य का 30 मोबाईल बरामद कर उसके वास्तविक मोबाईल धारकों को सुपुर्द किया गया। सिटी एसपी ने बताया कि पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार ऑपरेशन मुस्कान के तहत मोबाईल बरामदगी के लिए निर्देश दिया गया है। इस पर अमल करते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देशन तथा पुलिस अधीक्षक नगर के निगरानी में कार्य कर रही डीआईयू टीम एवं थाना ने वर्ष 2024 में द्वितीय फेज में आज कुल 30 मोबाईल जिसकी कीमत करीब 4.50 लाख रुपए को बरामद कर वास्तविक मोबाईल धारकों को सुपुर्द किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की तैयारी में नगर निगम ग्रेटर

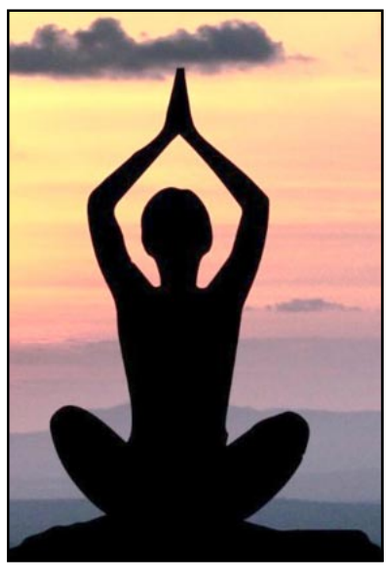

जयपुर (हिंस)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर नगर निगम ग्रेटर रिकॉर्ड बनाने की तैयारी में जुट गया है। इस दिन निगम लगातार 1500 घंटे योग करने का रिकॉर्ड बनाने जा रहा है। इसके लिए निगम ने बड़ी संख्या में योग संस्थानों से सम्पर्क किया है। नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर लगातार इसकी खुद मॉनिटरिंग कर रही है। योग दिवस के दिन कई स्थानों पर योग कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर के आह्वान पर जयपुर के करीब 48 योग संस्थानो के योगाचार्य, योग प्रशिक्षकों एवं योग प्रेमी साधक इसमें सहभागी बनने जा रहे हैं। इन सभी में इस वर्ल्ड रिकॉर्ड के प्रति उत्साह कार्यक्रम स्थल पर वर्ल्ड रिकॉर्ड की तैयारी के अभ्यास में देखने को मिला। नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने बताया कि जयपुर भट्टारक जी की नसिया जयपुर स्थित इंद्रलोक सभागार में आगामी 16 जून को सुबह 7 बजे से 17 जून सुबह सात बजे तक लगातार 24 घंटे सूर्य नमस्कार सहित विभिन्न योगासनों का सार्वजनिक प्रदर्शन के साक्षी बनने के लिए आमजन में भी विशेष उत्साह एवं रुझान देखा जा रहा है।

अंतरिक्ष वेधशाला एस्ट्रोसैट ने जुटाई न्यूट्रॉन तारों की आंतरिक जानकारी

आंतरिक संरचना की जानकारी से खगोल भौतिकी और संबंधित क्षेत्रों पर स्थायी प्रभाव पड़ेगा

कानपुर (हिंस)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर, अंतर-विश्वविद्यालय खगोल विज्ञान एवं खगोल भौतिकी केंद्र (आईयूसीएए) पुणे और अशोका विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की एक टीम भारत की पहली खगोलीय वेधशाला एस्ट्रोसैट पर शोध कार्य कर रही है। टीम को एस्ट्रोसैट के जरिए न्यूट्रान तारों की आंतरिक संरचना पर ऐसी जानकारी प्राप्त हुई जो भौतिकी के मौलिक सिद्धांतों की खोज के लिए नए रास्ते खोलेगी। ब्रह्मांड में सबसे सघन पिंडों में से कुछ न्यूट्रॉन तारों की आंतरिक संरचना के बारे में जो शोध के जरिए नई जानकारी मिली है उसका प्रकाशन अंतर्राष्ट्रीय एस्ट्रोफिजिकल जर्नल में भी हुआ है। न्यूट्रॉन तारे विशाल तारों के ढहे हुए कोर से बनते हैं और सूर्य के द्रव्यमान से भी अधिक द्रव्यमान को मात्र 10 किलोमीटर चौड़े गोले में समेट लेते हैं। यह अत्यधिक घनत्व एक शक्तिशाली

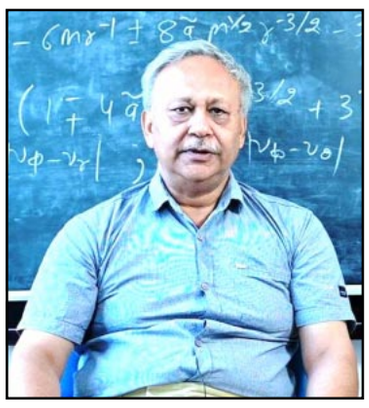

गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र बनाता है और तारे के भीतर दबाव और घनत्व के बीच संबंध को जटिल, अनसुलझे, समीकरण की ओर ले जाता है। शोध दल ने भारतीय इंजीनियरिंग के घरेलू स्तर पर विकसित एवं उन्नत एस्ट्रोसैट के एलएएक्सपीसी उपकरण से प्राप्त डेटा का उपयोग बाइनरी स्टार सिस्टम 4यू 1728-34 द्वारा उत्सर्जित एक्स-रे का अध्ययन करने के लिए किया। इस सिस्टम में एक न्यूट्रॉन तारा शामिल है जो एक साथी तारे से पदार्थ को एकत्रित करता है। शोधकर्ताओं ने बाइनरी स्टार सिस्टम 4यू 1728-34 से एक्स-रे डेटा का विश्लेषण किया और कई ऐसे मामले पाए जिनमें क्यूपीओ ट्रिपल देखे गए। उन्होंने पाया कि इन क्यूपीओ ट्रिपल की आवृत्तियां स्थिर नहीं रहती हैं, बल्कि वे समय के साथ लगातार विकसित होती हैं, एक दूसरे के साथ एक विशिष्ट संबंध बनाए रखती हैं। इस संबंध का उपयोग करते हुए उन्होंने पाया कि देखे गए क्यूपीओ को आइंस्टीन के सापेक्षता के सामान्य सिद्धांत (जीटीआर) के जरिए भविष्यवाणी किए गए तीन दोलनों के संदर्भ में सबसे अच्छी तरह से व्याख्या किया जाता है, यानी, कक्षीय गति, पेरिहेलियन का पूर्वगमन और लेंस-थिरिंग पूर्वगमन। इसके अलावा उन्होंने पाया कि देखे गए संबंध का न्यूट्रॉन तारे के द्रव्यमान, जड़त्व आघूर्ण और अवस्था समीकरण पर संवेदनशील निर्भरता है। इसलिए इसका उपयोग इन मापदंडों की अधिक विस्तार से जांच करने के लिए किया जा सकता है, जो पहले संभव नहीं था। आईआईटी कानपुर में एसपीएएसई विभाग के प्रमुख पंकज जैन ने शुक्रवार को बताया कि यह खोज न्यूट्रॉन तारों के बारे में हमारी समझ को आगे बढ़ाती है और इक्स्ट्रीम एनविरोमेन्ट में भौतिकी के मौलिक सिद्धांतों की खोज के लिए नए रास्ते भी खोलती है। इस अध्ययन से प्राप्त अंतर्दृष्टि का खगोल भौतिकी और संबंधित क्षेत्रों पर स्थायी प्रभाव पड़ेगा। यह अध्ययन इन आकर्षक खगोलीय पिंडों और ब्रह्मांड को नियंत्रित करने वाले मौलिक नियमों की गहन समझ का मार्ग प्रशस्त करता है।

ईपीएफओ ने तत्काल प्रभाव से बंद की यह सुविधा, सात करोड़ सब्सक्राइबर्स अब नहीं उठा पाएंगे फायदा

नई दिल्ली।

प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाले लोगों के लिए जरूरी खबर है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने कोविड-19 एडवांस फैसिलिटी को तत्काल प्रभाव से बंद करने की घोषणा की है। कोरोना महामारी की पहली लहर के दौरान ईपीएफ सदस्यों को नॉन-रिफंडेबल एडवां की सुविधा दी गई थी। इसके बाद महामारी की दूसरी लहर के मद्देनजर 31 मई, 2021 से एक और एडवांस की अनुमति भी दी गई थी। ईपीएफओ ने 12 जून, 2024 को जारी एक सर्कुलर में इस सुविधा को बंद करने की घोषणा की है। उसका कहना है कि अब कोविड-19 महामारी नहीं रह गई है, इसलिए तत्काल प्रभाव से एडवांस फैसिलिटी को बंद करने का निर्णय लिया है। यह फैसला छूट प्राप्त ट्रस्टों पर भी लागू होगा। निजी क्षेत्र में काम करने वाले वर्कर्स की बेसिक सैलरी पर 12% की कटौती ईपीएफ अकाउंट के लिए की जाती है। साथ ही कंपनी भी इतना ही पैसा कर्मचारी के पीएफ खाते में जमा करती है।

ईपीएफ खातों से पैसे निकालने का प्रावधान पहली बार मार्च 2020 में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना (पीएमजीकेवाई) के तहत घोषित किया गया था। जून 2021 में श्रम मंत्रालय ने घोषणा की कि ईपीएफ सदस्य अपने ईपीएफ अकाउंट्स से दूसरा नॉन-रिफंडेबल एडवांस प्राप्त कर सकते हैं। इससे पहले ईपीएफ सदस्यों के लिए केवल वन-टाइम एडवांस की सुविधा थी। ईपीएफओ अपने सदस्यों को तीन महीने के मूल वेतन और महंगाई भत्ते या ईपीएफ खाते में उपलब्ध राशि का 75%, जो भी कम हो, नॉन-रिफंडेबल विड्रॉल की अनुमति देता है। हालांकि, सदस्य कम राशि के लिए भी आवेदन कर सकते हैं। मकान, विवाह और शिक्षा से संबंधित एडवांस क्लेम के लिए ईपीएफओ ने ऑटो-मोड सेटलमेंट लागू किया है।

कोविड एडवांस फैसिलिटी

कोविड एडवांस के रूप में ईपीएफ सब्सक्राइबर तीन महीने के मूल वेतन और महंगाई भत्ते के बराबर या अकाउंट में शेष राशि का 75 प्रतिशत तक, जो भी कम हो, नॉन-रिफंडेबल विड्रॉल कर सकते थे। इसके लिए सदस्य या एम्प्लॉयर को कोई प्रमाण पत्र या दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता नहीं थी। यदि कोई कर्मचारी, उसके माता-पिता, जीवनसाथी या बच्चे कोविड के कारण बीमार हो जाते तो सदस्य को पैसा निकालने की सुविधा थी। इस प्रकार की ईपीएफ निकासी में कोई लॉक-इन अवधि या न्यूनतम सेवा आवश्यकता नहीं थी। आंकड़ों के मुताबिक कुल 2.2 करोड़ सब्सक्राइबर्स ने कोरोना एडवांस सुविधा का लाभ उठाया जो ईपीएफओ के कुल सदस्यों की संख्या का एक तिहाई से ज्यादा है। यह सुविधा 2020-21 में शुरू हुई थी और तीन साल तक रही। इस दौरान पीएफ सब्सक्राइबर्स ने कोरोना एडवांस के रूप में 48,075.75 करोड़ रुपये निकाले। ईपीएफओ की ड्राफ्ट एन्युअल रिपोर्ट 2022-23 में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक ईपीएफओ ने 2020-21 में 17,106.17 करोड़ रुपये वितरित किए जिससे 69.2 लाख सब्सक्राइबर्स को फायदा हुआ। साल 2021-22 में 91.6 लाख सब्सक्राइबर्स ने इस सुविधा का लाभ उठाया और 19,126.29 लाख करोड़ रुपये निकाले।

आसमान पर पहुंचे सोने-चांदी के भाव

नई दिल्ली।

कल सोने की कीमतों में गिरावट देखने को मिली थी। चांदी के भी कल सस्ती हुई थी। सोने की कीमतें एक समय पर बढ़त के साथ 73 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब पहुंच गई थी। इसके बाद गोल्ड में गिरावट आई थी। लेकिन आज दोबारा सोने के दाम बढ़ गए हैं।

एमसीएक्स एक्सचेंज पर आज यानी शुक्रवार को 5 अगस्त 2024 की डिलीवरी वाला सोना करीब 550 रुपये की तेजी के साथ 71,688 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर पहुंच गया है। सोने में सुबह से ही तेजी देखी जा रही है। सोना आज सुबह तेजी के साथ खुला है। वहीं 5 अक्टूबर 2024 की डिलीवरी वाला सोना उछलकर 71,972 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

एमसीएक्स एक्सचेंज पर आज यानी शुक्रवार को 5 जुलाई 2024 की डिलीवरी वाली चांदी 478 रुपये बढ़कर 88,461 रुपये प्रति किलोग्राम पर ट्रेड कर रही है। वहीं 5 सितंबर 2024 को डिलीवरी वाली चांदी 497 रुपये उछलकर 90,462 रुपये के स्तर पर पहुंच गई है।

सोने के वैश्विक भाव

सोने की वैश्विक कीमतों में भी आज तेजी देखी जा रही है। कॉमेक्स पर सोने का वैश्विक वायदा भाव 0.80 फीसदी या 18.60 डॉलर की तेजी के साथ 2,336.60 डॉलर प्रति औंस पर हैं। वहीं, सोने का वैश्विक हाजिर भाव 2,324.99 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच चुके हैं।

चांदी की वैश्विक कीमत

चांदी के वैश्विक भाव में आज तेजी आई है। कॉमेक्स पर चांदी का वायदा भाव 0.39 फीसदी या 0.11 डॉलर की तेजी के साथ 29.18 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गए हैं। वहीं, चांदी का वैश्विक हाजिर भाव 29.16 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया है।

न्यूज ब्रीफ.....

टाटा मोटर्स को पछाड़कर महिंद्रा एंड महिंद्रा बनी दूसरी बड़ी वैल्यूबल ऑटो कंपनी

नई दिल्ली। थार और स्कॉर्पियो जैसी पॉपुलर गाड़ियां बनाने वाली महिंद्रा एंड महिंद्रा देश की दूसरी सबसे वैल्यूएबल ऑटो कंपनी बन गई है। उसने टाटा मोटर्स को पछाड़कर यह उपलब्धि हासिल की है। महिंद्रा एंड महिंद्रा का मार्केट कैप 3,65,193 करोड़ रुपये पहुंच गया है जबकि टाटा मोटर्स की बाजार वैल्यू 3,29,041 करोड़ रुपये है। महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर की कीमत आज 3% बढ़कर 52-सप्ताह के नए उच्च स्तर 2,946 रुपये पर पहुंच गई। पिछले एक साल में कंपनी के शेयरों में 112% की बढ़ोतरी हुई है। तीन बजे कंपनी का शेयर 1.96 फीसदी तेजी के साथ 2920.15 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। मारुति सुजुकी 4,04,436.47 करोड़ रुपये के मार्केट कैप के साथ देश की सबसे मूल्यवान ऑटो कंपनी है। महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में इस साल सेक्टोरल इंडेक्स और निफ्टी 50 दोनों से बेहतर प्रदर्शन करते हुए 72% का प्रभावशाली रिटर्न दिया है। निफ्टी ऑटो इंडेक्स में पिछले एक साल में 75% और इस साल 38% तेजी आई है। पिछले फाइनेंशियल ईयर की चौथी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 2,038 करोड़ रुपये रहा। यह पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में 32 फीसदी अधिक है। इसी तरह चौथी तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 11 फीसदी तेजी के साथ 25,109 करोड़ रुपये रहा। इस बीच हुंडई मोटर की भारतीय यूनिट आईपीओ लाने की तैयारी में है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी इसके जरिए 17.5 फीसदी तक हिस्सेदारी बेच सकती है। इस आईपीओ में कोई नए शेयर जारी नहीं किए जाएंगे बल्कि साउथ कोरियन पेरेंट कंपनी अपनी हिस्सेदारी कम करेगी। यदि यह आईपीओ सफल रहा तो यह भारत में किसी ऑटो कंपनी का दो दशक से अधिक समय में पहला आईपीओ होगा। इससे पहले देश की सबसे बड़ी कार निमार्ता कंपनी मारुति सुजुकी साल 2003 में आईपीओ लाई थी। सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल करने के बाद हुंडई मोटर इंडिया का मैनेजमेंट अगले महीने से भारत और विदेशों में इन्वेस्टर्स रोड शो शुरू कर सकता है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार रेकार्ड स्तर पर पहुंचा, इस वजह से लगातार दूसरे सप्ताह आया बड़ा उछाल

नई दिल्ली। देश के विदेशी मुद्रा भंडार में बड़ा उछाल आया है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार सात जून को समाप्त सप्ताह में 4.307 अरब डॉलर बढ़कर 655.817 अरब डॉलर की नयी सर्वकालिक ऊंचाई को छू गया। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पूर्व के सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 4.837 अरब डॉलर के उछाल के साथ 651.51 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया था। इससे पहले, विदेशी मुद्रा भंडार का उच्चतम स्तर 10 मई को 648.87 अरब डॉलर था। पिछले कुछ सप्ताहों में विदेशी मुद्रा भंडार में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, सात जून को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 3.773 अरब डॉलर बढ़कर 576.337 अरब डॉलर हो गई। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। रिजर्व बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान स्वर्ण आरक्षित भंडार का मूल्य 48.1 करोड़ डॉलर बढ़कर 56.982 अरब डॉलर हो गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 4.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.161 अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक ने कहा कि आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत की आरक्षित जमा भी एक करोड़ डॉलर बढ़कर 4.336 अरब डॉलर हो गई। इराक से भारत का आयात मई में 58.68 प्रतिशत बढ़कर 3.76 अरब डॉलर हो गया, जबकि यूएई से आयात इस महीने लगभग 50 प्रतिशत बढ़ा है। वाणिज्य मंत्रालय ने आंकड़े जारी कर यह जानकारी दी।इसी तरह रूस से आयात मई में 18 प्रतिशत बढ़कर 7.1 अरब डॉलर हो गया है। तेल आयात के कारण यह वृद्धि हुई। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, मई में चीन से आयात 2.82 प्रतिशत बढ़कर 8.48 अरब डॉलर हो गया। भारत के शीर्ष 20 आयात स्रोत देशों में सऊदी अरब, स्विट्जरलैंड, जापान, जर्मनी, हांगकांग, ऑस्ट्रेलिया और मलेशिया से आयात मई में घट गया।वहीं, भारत से दक्षिण अफ्रीका, इटली, नेपाल, बेल्जियम और ऑस्ट्रेलिया को निर्यात में मई माह के दौरान नकारात्मक वृद्धि हुई है। हालांकि, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), नीदरलैंड, ब्रिटेन, सिंगापुर और सऊदी अरब को निर्यात में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई है। मई में चीन को निर्यात 3.35 प्रतिशत बढ़कर 1.32 अरब डॉलर हो गया। भारत का कुल वस्तु निर्यात मई में नौ प्रतिशत बढ़कर 38.13 अरब डॉलर हो गया।

महंगाई देश में थोक महंगाई की दर में इजाफा देखने को मिला है। थोक महंगाई बढ़ी है।

आम आदमी को लगा झटका! थोक महंगाई में हुआ इजाफा, 15 महीनों में सबसे ज्यादा बढ़ी

नई दिल्ली।

देश में थोक महंगाई के मोर्चे पर आम आदमी को झटका लगा है। थोक महंगाई बढ़ी है। भीषण गर्मी के प्रकोप के बीच खाद्य वस्तुओं और महंगे विनिर्मित वस्तुओं की कीमतें बढ़ने से मई के महीने में थोक मुद्रास्फीति बढ़कर 15 महीने के उच्चतम स्तर 2.61 प्रतिशत पर पहुंच गई। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति लगातार तीन महीने से बढ़ रही है। अप्रैल में यह 1.26 प्रतिशत और मई 2023 में यह शून्य से 3.61 प्रतिशत नीचे रही थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, '' मई 2024 में मुद्रास्फीति बढ़ने का मुख्य कारण खाद्य वस्तुओं, खाद्य उत्पादों के विनिर्माण, कच्चे तेल एवं प्राकृतिक गैस, खनिज तेल और अन्य विनिर्माण उत्पादों की कीमतों में वृद्धि रही।''

इतनी बढ़ी महंगाई

थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) मई में 15 महीने के उच्चतम स्तर पर रही है। इसका पिछला उच्चतम स्तर फरवरी 2023 में देखा गया था, जब थोक मुद्रास्फीति 3.85 प्रतिशत थी। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, मई में खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति 10 महीने के उच्च स्तर 9.82 प्रतिशत पर पहुंच गई। मई में सब्जियों की महंगाई दर 32.42 प्रतिशत रही, जो एक महीने पहले अप्रैल में 23.60 प्रतिशत थी। इसी तरह प्याज की महंगाई दर 58.05 प्रतिशत, जबकि आलू की महंगाई दर 64.05 प्रतिशत रही। दालों की महंगाई दर मई में 21.95 प्रतिशत रही।

हालांकि मई में थोक मुद्रास्फीति की वृद्धि इस महीने के खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़ों के विपरीत है। इस सप्ताह की शुरूआत में जारी आंकड़ों के अनुसार मई में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर 4.75 प्रतिशत पर आ गई जो पिछले 12 महीनों का सबसे निचला स्तर है।

ब्याज दरों को रखा स्थिर

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) मौद्रिक नीति तैयार करते समय मुख्य रूप से खुदरा मुद्रास्फीति को ही ध्यान में रखता है। आरबीआई ने इस महीने की शुरूआत में लगातार आठवीं बार ब्याज दर को यथावत रखने का फैसला किया था। बैंक ऑफ बड़ौदा की अर्थशास्त्री अदिति गुप्ता ने कहा कि देश में भीषण गर्मी के कारण खाद्य मुद्रास्फीति भी ऊंची बनी रहने का अनुमान है। मानसून की प्रगति भविष्य में खाद्य मुद्रास्फीति की दिशा निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

इसके अलावा वैश्विक धातु कीमतों में उछाल विनिर्माण श्रेणी में मुद्रास्फीति बढ़ने का कारण बना। विनिर्मित उत्पादों में मुद्रास्फीति मई में 0.78 प्रतिशत थी, जो अप्रैल में शून्य से नीचे 0.42 प्रतिशत थी।

कच्चे माल की लागत बढ़ी

बार्कलेज की अर्थशास्त्री श्रेया सोढानी ने कहा कि विनिर्माण के लिए मूल्य सूचकांक (जिसका डब्ल्यूपीआई में सर्वाधिक 64 प्रतिशत भारांक है) में लगातार चौथे महीने वृद्धि हुई है, जो दशार्ता है कि कंपनियों की कच्चे माल की लागत बढ़ रही है। ईंधन एवं बिजली क्षेत्र में मुद्रास्फीति 1.35 प्रतिशत रही, जो अप्रैल के 1.38 प्रतिशत से मामूली कम है। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा, ''जून 2024 में अभी तक वैश्विक जिंस की कीमतों में मासिक आधार पर गिरावट आई है।

इससे महीने में डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति में उछाल पर काबू पाने में मदद मिलेगी और प्रतिकूल आधार का मुकाबला किया जा सकेगा। कुल मिलाकर इक्रा का अनुमान है कि जून 2024 में कुल थोक मुद्रास्फीति मामूली रूप से बढ़कर तीन प्रतिशत हो जाएगी।''

मार्केट खुलते ही ऑल-टाइम हाई पर पहुंचा अडानी ग्रुप का यह शेयर, एक्सपर्ट्स ने कहा लूट लो

नई दिल्ली।

अडानी ग्रुप की सीमेंट कंपनी अंबुजा सीमेंट्स का शेयर आज मार्केट खुलते ही ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गया। बीएसई पर शुरूआती ट्रेड में यह चार फीसदी तेजी के साथ 690 रुपये पर पहुंच गया। कंपनी ने पेन्ना सीमेंट में 100 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने की घोषणा की है। इस खबर से कंपनी का शेयरों को आज पंख लग गए। यह डील 10,422 करोड़ रुपये में हुई है और इसके अगले तीन-चार महीने में पूरा होने की उम्मीद है। पेन्ना सीमेंट की सालाना कैपेसिटी 14 मिलियन टन की है जिसे 17 मिलियन टन तक बढ़ाया जा सकता है। अडानी ग्रुप देश की नंबर एक सीमेंट उत्पादक कंपनी बनना चाहती है। इसके लिए उसने करीब तीन अरब डॉलर का वॉर चेस्ट बनाकर रखा है। उसकी नजर कई और सीमेंट कंपनियों पर भी है। अडानी ग्रुप आक्रामक तरीके से सीमेंट सेक्टर में अपनी मौजूदगी बढ़ा रहा है। उसकी नजर गुजरात की कंपनी सौराष्ट्र सीमेंट, जयप्रकाश एसोसिएट्स का सीमेंट बिजनस और एबीजी शिपयार्ड की कंपनी वदराज सीमेंट पर भी है। अडानी ग्रुप का लक्ष्य क्षमता बढ़ाने और अगले तीन से चार वर्षों में आदित्य बिड़ला ग्रुप की अल्ट्राटेक को पछाड़कर देश की सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी बनना है। ग्रुप के पास अभी तीन सीमेंट कंपनियां हैं। इनमें अंबुजा, एसीसी और सांघी सीमेंट शामिल हैं। अब पेन्ना सीमेंट भी उसकी झोली में आ चुकी है। देश की दिग्गज सीमेंट कंपनियां डिमांड में तेजी की उम्मीद कर रही हैं। इसकी वजह यह है कि केंद्र सरकार देश में इन्फास्ट्रक्चर से जुड़ी परियोजनाओं को आगे बढ़ा रही है।

यही वजह है कि अडानी ग्रुप सीमेंट सेक्टर में तेजी से अपना विस्तार कर रहा है। ग्रुप अंबुजा सीमेंट के जरिए कंपनियों का अधिग्रहण कर सकता है। अप्रैल के अंत में कंपनी के खातों में 24,338 करोड़ रुपये की नकदी थी। साथ ही इसे प्रमोटर से 8,339 करोड़ रुपये की वारंट राशि प्राप्त हुई थी। इसका साथ ही कंपनी पर कोई कर्ज भी नहीं है। नुवामा ने अंबुजा सीमेंट की बाय रेटिंग बरकरार रखते हुए इसका टारगेट प्राइस 767 रुपये रखा है। ऐ'८ ने भी इस स्टॉक को बाय रेटिंग देते हुए 700 रुपये का टारगेट प्राइस रखा है। इसका 52 हफ्ते का न्यूनतम स्तर 404 रुपये है। कंपनी का शेयर पिछले साल एक नवंबर को इस स्तर पर पहुंचा था। दोपहर 12 बजे कंपनी का शेयर 1.83 फीसदी तेजी के साथ 676.45 रुपये पर ट्रेड कर रहा था।

लग्जरी फर्नीचर ब्रांड रिटेलर स्टेनली लाइफस्टाइल्स का आईपीओ खुल रहा है

मुंबई।

लग्जरी फर्नीचर ब्रांड रिटेलर स्टेनली लाइफस्टाइल्स पूंजी बाजार से पैसे जुटाने की तैयारी में है। इसका आईपीओ अगले सप्ताह 21 जून को आ रहा है। इसमें निवेशक 25 जून 2024 तक बोली लगा सकेंगे। कंपनी ने आज आईपीओ के प्राइस बैंड की भी घोषणा कर दी। इसके दो रुपये अंकित मूल्य वाले एक शेयर का प्राइस बैंड 351 से 369 रुपये प्रति तय किया है। इसके एक लॉट में 40 शेयर रखा गया है।

क्या है आईपीओ का डिटेल

कंपनी का इरादा इस आईपीओ पेशकश के जरिये प्राथमिक बाजार से 537 करोड़ रुपये जुटाने का है। कंपनी के शेयरों को एनएसई और बीएसई पर लिस्ट कराया जाएगा। इस आईपीओ में 200 करोड़ रुपये तक का फ्रेश इश्यू और 91.34 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश (ओएफएस) शामिल है। ओएफएस में सुनील सुरेश, शुभा सुरेश, ओमान इंडिया ज्वाइंट इन्वेस्टमेंट फंड क्क किरण भानु वुप्पलपति और श्रीदेवी वेंकट वुप्पलपति अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे।

आरएचपी दस्तावेज के अनुसार, कंपनी आईपीओ से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग नए स्टोर, एंकर स्टोर खोलने और मौजूदा स्टोर के रिनोवेशन में करेगी। इसके साथ ही कंपनी और उसके द्वारा नई मशीनरी और उपकरणों की खरीद के लिए पूंजीगत व्यय आवश्यकताओं के वित्तपोषण के लिए भी इसका उपयोग किया जाएगा।

कितने शेयर हैं आरक्षित

कंपनी ने क्यूआईबी (योग्य संस्थागत खरीदारों) के लिए 50% तक शेयर आरक्षित रखे हैं जबकि गैर-संस्थागत हिस्सा 15% से कम नहीं होगा। शेष 35% खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित रखा गया है।

इस आईपीओ के लिए एक्सिस कैपिटल, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज, जेएम फाइनेंशियल और एसबीआई कैपिटल मार्केट्स को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है। इस इश्यू के रजिस्ट्रार केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड हैं।

कंपनी के कितने हैं स्टोर

31 दिसंबर 2023 को कंपनी के पास 38 ''COCO'' स्टोर्स थे। इसका मतलब है कि इन स्टोरों का मालिकाना हक तो कंपनी का है ही, इसका संचालन भी कंपनी ही करती है। कंपनी के 11 शहरों में 21 स्टोर फ्रेंचाइजी ऑन्ड फ्रेंचाइजी ऑपरेटेड मॉडल पर चल रहे हैं।

नायडू स्टॉक में पिछले आठ कारोबारी दिनों में सबसे ज्यादा 69 फीसदी तेजी अंजनी फूड्स में और 53 फीसदी तेजी क्रेन इन्फ्रास्ट्रक्चर में आई है।

8 दिन में 20,000 करोड़... मोदी और सरकारी शेयरों पर भारी पड़ रहे आंध्र और नायडू से जुड़े स्टॉक

नई दिल्ली।

कैपेक्स और इन्फ्रा से जुड़े सरकारी और निजी कंपनियों के शेयरों को बाजार के एक वर्ग ने मोदी स्टॉक्स नाम दिया है। पिछले एक साल के दौरान इन शेयरों में काफी तेजी देखने को मिली है। लेकिन फिलहाल आंध्र प्रदेश और वहां के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू से जुड़े शेयर मोदी स्टॉक्स पर भारी पड़ रहे हैं। इलेक्शन रिजल्ट घोषित होने के बाद से केवल 8 कारोबारी दिनों में इन शेयरों में लगभग 20,000 करोड़ रुपये की तेजी आई है। ईटी मार्केट्स ने 24 ऐसे शेयरों की लिस्ट तैयार की है जिनका प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तौर पर नायडू से संबंध है। नायडू की तेलुगुदेशम पार्टी ने विधानसभा और लोकसभा चुनावों में शानदार प्रदर्शन किया है। उनकी पार्टी को लोकसभा चुनावों में 16 सीटें मिली हैं और वह केंद्र की एनडीए सरकार में किंगमेकर की भूमिका में हैं।

नायडू स्टॉक में पिछले आठ कारोबारी दिनों में सबसे ज्यादा 69 फीसदी तेजी अंजनी फूड्स में और 53 फीसदी तेजी क्रेन इन्फ्रास्ट्रक्चर में आई है। नायडू के बेटे नारा लोकेश की प्रमोटेड कंपनी हेरिटेज फूड्स में इस दौरान करीब 40% की तेजी आई है। केसीपी, द आंध्र शुगर्स, पेन्नार इंडस्ट्रीज, एनसीएल इंडस्ट्रीज, केएनआर कंस्ट्रक्शन, अमारा राजा और राज्य की सीमेंट कंपनियों में इस दौरान डबल डिजिट में रिटर्न दिया है। चार जून से अब तक इन 24 शेयरों का संयुक्त मार्केट कैप लगभग 20,198 करोड़ रुपये बढ़कर 2,18,889 करोड़ रुपये हो गया है। हैदराबाद को आईटी हब के रूप में विकसित करने का श्रेय नायडू को ही दिया जाता है। यही वजह है कि निवेशक उनकी वापसी से काफी उम्मीदें लगा रहे हैं।

क्यों आ रही है शेयरों में तेजी

एसबीआई सिक्योरिटीज के फंडामेंटल इक्विटी रिसर्च के प्रमुख सनी अग्रवाल ने कहा कि नायडू की प्रतिष्ठा विकास और ग्रोथ वाले नेता के रूप में है। अब वह न केवल आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में वापस आ गए हैं, बल्कि उनकी पार्टी एनडीए सरकार का हिस्सा भी है। इसलिए निवेशकों को उम्मीद है कि राज्य सरकार और केंद्र सरकार के बीच 'जुगलबंदी' से विकास की संभावनाएं बेहतर होंगी। आंध्र प्रदेश की सीमेंट और इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनियों पर निवेशकों की खास नजर है। नायडू ने पहले ही घोषणा कर दी है कि अमरावती ही आंध्र प्रदेश की राजधानी होगी। वहां बड़े पैमाने पर नई इमारतें, सड़कें, हाइवे और अन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण किया जाएगा। सीमेंट भी इस विकास में एक बड़ी भूमिका निभा सकता है।

अमरावती प्रोजेक्ट से रियल्टी में भी उछाल आ सकता है। टीडीपी के एजेंडे में 47,000 करोड़ रुपये की पोलावरम सिंचाई परियोजना को पूरा करना भी सबसे ऊपर है।

सागर सीमेंट्स, केसीपी और एनसीएल इंडस्ट्रीज की करीब 80% क्षमता आंध्र प्रदेश में है, जबकि रामको सीमेंट्स की 30% क्षमता इस क्षेत्र में है। एमके ग्लोबल के एनालिस्ट्स को उम्मीद है कि निकट भविष्य में इन शेयरों में तेजी जारी रहेगी। दूसरी ओर, बीएसई पीएसयू इंडेक्स अब भी चुनाव परिणाम वाले दिन मिले 16% के झटके से पूरी तरह उबर नहीं पाया है। गुरुवार को यह इंडेक्स 21,227 पर बंद हुआ, जो 3 जून की क्लोजिंग से 6% कम है। शेयर कीमतों के हिसाब से देखें तो नायडू 4.0 फिलहाल मोदी 3.0 से एक कदम आगे है।

सूर्या ने दिखाया कि वे अलग शैली में भी खेल सकते है: रोहित

न्यूयॉर्क

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि सूर्यकुमार यादव ने अमेरिका के खिलाफ मुकाबले में अनुभवी खिलाड़ी की तरह एक अलग शैली का खेल दिखाया है। मैच के बाद रोहित ने सूर्यकुमार की बल्लेबाजी को लेकर कहा, ''उन्होंने दिखाया कि वह एक अलग तरह की शैली के साथ भी बल्लेबाजी कर सकते हैं। आप अनुभवी खिलाड़ियों से यही उम्मीद करते हैं। मैदान पर उतरने के बाद अक्सर आप परिस्थितियों के हिसाब से बल्लेबाजी करने का प्रयास करते हैं। सूर्यकुमार ने आज कुछ वैसा ही किया। सूर्यकुमार और शिवम दुबे के बीच हुई, 67 रनों की साझेदारी हमारे लिए अहम थी। अंत में वह हमें जीत तक लेकर गए और यह एक शानदार प्रयास था।''उन्होंने कहा, ''हम जानते थे कि ये 111 रन हमारे लिए मुश्किल चुनौती है, लेकिन इसका श्रेय हमें जाता है। अंत में हमनें संयम बरता और साझेदारी भी की। शुरुआत में हमने विकेट खोए लेकिन इसका श्रेय सूर्यकुमार और शिवम को जाता है जिन्होंने परिपक्वता दिखाई और हमें जीत तक लेकर गए।''

रोहित ने दुबे के ऑलराउंड प्रदर्शन पर कहा, ''हम चाहते हैं कि हमारे पास इसी तरह के विकल्प मौजूद हों। हालांकि एक बात यह भी है कि हमें पता होना चाहिए कि हमें कहां उनका प्रयोग कर सकते हैं। आज मुझे लगा कि हम उनका उपयोग कर सकते हैं, क्योंकि पिच उस तरह की ही थी।'' उन्होंने कहा, ''हम जानते थे कि गेंदबाजों को सामने से हमारी टीम को नेतृत्व करना होगा। हमें पता था कि इस पिच पर रन बनाना मुश्किल है। दोबारा कहूंगा कि हमारे गेंदबाजों ने शानदार काम किया। जिस तरह से उन्हें रन बनाने से रोका वह देखना शानदार था। यहां पर क्रिकेट खेलना आसान नहीं है। यह किसी भी मैच में किसी के साथ भी हो सकता है।'' उन्होंने कहा, ''तीनों ही मैचों में यहां पर हमें अंत तक डटे रहना था और खेल को गहराई तक लेकर जाना था। हम खुशकिस्मत रहे कि तीनों ही मैच जीते, जिससे हमें बहुत आत्मविश्वास मिला है।''

अमेरिका के खिलाफ मोहम्मद सिराज बने 'बेस्ट फील्डर'

न्यूयार्क

मोहम्मद सिराज ने यूएसए के खिलाफ सात विकेट की जीत में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए 'फील्डर ऑफ द मैच' का पदक जीता। भारत ने बुधवार को टूर्नामेंट में जीत की हैट्रिक पूरी की। यूएसए के खिलाफ मैच के बाद सिराज को 'बेस्ट फील्डर' चुना गया। फील्डिंग कोच दिलीप ने ऋषभ पंत, मोहम्मद सिराज और सूर्यकुमार यादव को इस अवार्ड के लिए नामित किया। दरअसल, इन तीनों खिलाड़ियों ने इस मुकाबले में शानदार फील्डिंग की थी।इस मौके पर युवराज सिंह खास मेहमान के तौर पर ड्रेसिंग रूम में पहुंचे। उन्होंने सिराज को बेस्ट फील्डर के रूप में चुना।

स्टॉप क्लॉक पेनाल्टी का पहला शिकार बना संयुक्त राज्य अमेरिका

न्यूयॉर्क

टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में खेल की गति की बढ़ाने की मंशा से लाए गए स्टॉप क्लॉक नियम का पहला शिकार संयुक्त राज्य अमेरिका की टीम बनी है। न्यूयॉर्क में टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में भारत के खिलाफ़ खेले गए मैच में संयुक्त राज्य अमेरिका को पेनाल्टी के तौर पर पांच अतिरिक्त रन देने पड़ गए। यह पेनाल्टी तीन बार ओवर को समय पर शुरू ना करने की वजह से लगाई जाती है। जिस समय संयुक्त राज्य अमेरिका पर यह पेनाल्टी लगी, वह मैच का बेहद अहम मोड़ था। पिच बल्लेबाज़ी के लिए आसान नहीं थी और भारत को अंतिम पांच ओवर में जीत के लिए 35 रन बनाने थे। लेकिन पेनाल्टी लागू होने के बाद अब भारत को 30 रनों की ही ज़रूरत थी। स्टॉप क्लॉक का नियम 1 जून से ही पुरुष एकदिवसीय और टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में लागू किया जा चुका है।नियमों के मुताबिक पिछले ओवर की समाप्ति और नए ओवर की शुरुआत के बीच एक मिनट से अधिक समय बर्बाद नहीं होना चाहिए। अगर एक पारी में ऐसा तीसरी बार होता है तब गेंदबाज़ी टीम पर पांच रनों की पेनाल्टी लगाई जाएगी। इस नियम को लागू करने से पहले अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने इसका प्रयोग भी किया था और वह इस नियम से काफ़ी संतुष्ट थी। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद का मानना था कि इस नियम के लागू होने से खेल समय पर पूरा हो सकेगा। जिस समय संयुक्त राज्य अमेरिका पर पेनाल्टी लगाई गई उस समय अंपायर संयुक्त राज्य अमेरिका के कप्तान ऐरन जोंस को इस नियम के बारे में समझाते हुए नज़र आ रहे थे। अंत में भारत ने यह मैच 10 गेंद शेष रहते सात विकेटों से जीत लिया। भारत तीन जीत के साथ अगले दौर में प्रवेश कर चुका है। संयुक्त राज्य अमेरिका के भाग्य का फैसला उसके अंतिम मैच में होगा। संयुक्त राज्य अमेरिका को यह उम्मीद करनी होगी वह अपना अंतिम मैच आयरलैंड से जीते। हालांकि अगर वो मैच बारिश की भेंट भी चढ़ जाता है तब भी पाकिस्तान के जीतने की स्थिति में भी संयुक्त राज्य अमेरिका अगले दौर में प्रवेश कर जाएगा।

अगर जानबूझ कर ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को विश्वकप से बाहर करना चाहा तो मार्श पर लगेगा बैन

न्यूयार्क

नीमीबिया के खिलाफ़ खेले गए मुक़ाबले के बाद जॉश हेज़लवुड के एक बयान के कारण ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिचेल मार्श की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उन पर बैन भी लग सकता है। हेज़लवुड ने कहा था कि इंग्लैंड को टी-20 विश्व कप से बाहर करने के लिए उनकी टीम जीत की मार्जिन को कम-ज़्यादा कर सकती है। अगर ऑस्ट्रेलिया इस तरह का कोई भी प्रयास करता है और उसका दोषी पाया जाता है तो मार्श पर बैन लग सकता है। हालांकि एक बात यह भी है कि यह मामला तब तक स्पष्ट नहीं होगा, जब तक इंग्लैंड की टीम ओमान और नामीबिया के ख़िलाफ़ मैच नहीं खेल लेती। अगर इन दोनों मैचों में से इंग्लैंड एक भी मैच हारता है तो उन्हें स्वतः ही वतन वापसी का टिकट काट लेना होगा। इसके अलावा एक विकल्प यह भी है कि ऑस्ट्रेलिया अपने ग्रुप मैच में कम मार्जिन से मैच जीते ताकि नेट रनरेट के आधार पर स्कॉटलैंड सुपर आठ में जा सकता है। अगर इंग्लैंड अपने बाक़ी बचे दो मैच जीतता है तो वह पांच अंकों तक पहुंच सकता है। स्कॉटलैंड के पास भी पांच अंक हैं। अगर वह ऑस्ट्रेलिया को हरा दे तो उनका रास्ता साफ़ है। लेकिन अगर वह कम मार्जिन से हारता है तो उनका नेट रनरेट इंग्लैंड से बेहतर रह सकता है। हेज़लवुड ने कहा, ऐसा हो सकता है कि इस विश्व कप के किसी स्टेज में हमारा सामना दोबारा इंग्लैंड के साथ हो। वह उन टीमों में से हैं, जिनके खिलाफ़ टी-20 में हमारी टीम काफ़ी संघर्ष चुकी है। इसलिए यह अच्छा होगा कि हम उन्हें टूर्नामेंट से बाहर कर दें।

ऑस्ट्रेलियन ओपन बैडमिंटन प्रतियोगिता

एचएस प्रणय और समीर वर्मा क्वार्टरफाइनल में पहुंचे

सिडनी

भारत के स्टार शटलर एचएस प्रणय ने इजरायल के मिशा जिल्बरमैन और समीर वर्मा ने सिंगापुर के लोह कीन यू को हराकर गुरुवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया।

प्रणय ने बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 प्रतियोगिता के अपने राउंड ऑफ 16 में इजरायल के मिशा जिल्बरमैन को 46 मिनट तक चले मुकाबले में 21-17, 21-15 से हराया।एकल वर्ग में प्रणय का क्वार्टरफाइनल में मुकाबला जापान के कोडाई नाराओका से होगा। जनवरी में इंडिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद यह पहली बार है जब प्रणय दूसरे राउंड से आगे बढ़े हैं।

वहीं एक अन्य मुकाबले में भारत के समीर वर्मा ने सिंगापुर के लोह कीन यू को हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। समीर ने पूर्व विश्व चैंपियन पर 62 मिनट तक चले मुकाबले में 21-14, 14-21, 21-19 से जीत हासिल की। समीर अगले राउंड में चीनी ताइपे के लिन चुन-यी से मुकाबला करेंगे। 35वें नंबर के किरण जॉर्ज दूसरे राउंड में दुनिया के 11वें नंबर के खिलाड़ी जापान के केंटा निशिमोतो से हार गए। पहले गेम में कड़ी टक्कर देने के बावजूद जॉर्ज 49 मिनट में 20-22, 6-21 से हार गए।

महिला एकल में आठवीं वरीयता प्राप्त आकर्षी कश्यप ने ऑस्ट्रेलिया की काई क्यू तेओह को 21-16, 21-13 से हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। आकर्षी का सामना अंतिम आठ में तीसरी वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे की पाई यू-पो से होगा। मालविका बंसोड़ को इंडोनेशिया की सातवीं वरीयता प्राप्त एस्टर नूरमी ट्राई वार्डोयो से 17-21, 21-23 से हार का सामना करना पड़ा, जबकि अनुपमा को इंडोनेशिया की पुत्री कुसुमा वर्दानी से 11-21, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा।

मिश्रित युगल वर्ग में, बी सुमीत रेड्डी और एन सिक्की रेड्डी ने काई चेन तेओह और काई क्यू तेओह की ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी को हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। सुमीत रेड्डी-सिक्की रेड्डी का सामना अंतिम आठ में चीन जियांग जेन बैंग और वेई या शिन की जोड़ी से होगा। रुतपर्णा पांडा और श्वेतपर्णा पांडा भी महिला युगल के दूसरे राउंड में बाहर हो गईं। वे मलेशिया की लाइ पेई जिंग और लिम चियू सिएन से 27 मिनट में 5-21, 9-21 से हार गईं।

टी-20 विश्वकप : ग्रुप सी के मुकाबले में वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड को 13 रन से हराया

जोसेफ, रदरफोर्ड और गुडाकेश ने वेस्टइंडीज को सुपर-8 में पहुंचाया

टरूबा

शरफेन रदरफोर्ड नाबाद (68) की अर्धशतकीय पारी और उसके बाद अल्जारी जोसेफ चार विकेट तथा गुडाकेश मोटी तीन विकेट की शानदार गेंदबाजी के दम पर वेस्टइंडीज ने टी-20 विश्वकप के मुकाबले में न्यूजीलैंड को 13 रनों से हरा दिया है। इस तीसरी जीत के साथ ही वेस्टइंडीज की टीम सुपर आठ में पहुंच गई है।

वेस्टइंडीज के 149 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की भी शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने तीसरे ओवर में डेवन कॉन्वे (5) का विकेट गवां दिया। छठे ओवर में जोसेफ ने फिन ऐलन (26) को आउट कर वेस्टइंडीज को दूसरी सफलता दिलाई। कप्तान केन विलियम्सन (1), रचिन रविंद्र (10) को गुडाकेश मोटी ने आउट कर पवेलियन भेज दिया। 11वें ओवर में मोटी ने डैरिल मिचेल (12) को बोल्ड कर न्यूजीलैंड को पांचवां झटका दिया। जिमी नीशम (10), ट्रेंट बोल्ट 7 रन बनाकर आउट हुये। ग्लेन फिलिप्स ने 33 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के लगाते हुए सर्वाधिक (40) रन बनाये। मिचेल सैंटनर तीन छक्के लगाकर 21 रन बनाकर नाबाद रहे।

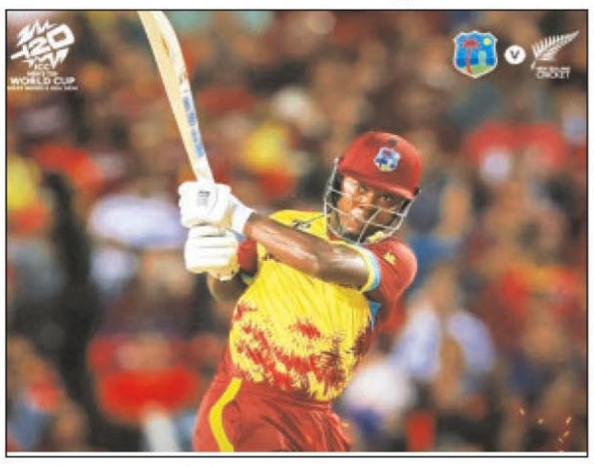

न्यूजीलैंड की टीम निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 136 रन ही बना सकी और 13 रन से मुकाबला हार गई। इस हार के साथ ही न्यूजीलैंड पर टूर्नामेंट से बाहर होने का खतरा मंडराने लगा है। वेस्टइंडीज के रदरफोर्ड को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच के खिताब से नवाजा गया।

वेस्टइंडीज की ओर से अल्जारी जोसेफ ने 19 रन देकर चार विकेट लिये। गुडाकेश मोटी ने 25 पर तीन विकेट चटकाये। अकील हुसैन और आंद्रे रसल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रहीं। पहले ओवर में जॉनसन चार्ल्स (शून्य) का विकेट गवांने के बाद 30 के स्कोर पर अपने पांच बल्लेबाजों के आउट होने से वेस्टइंडीज की टीम संकट पर में फंस गई थी। निकोलस पूरन (17), रॉस्टन चेज (शून्य) कप्तान रोवमन पॉवेल (1) और ब्रैंडन किंग 9 रन बनाकर आउट हुये। ऐसे समय में शेरफेन रदरफोर्ड ने शानदार बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुए 39 गेंद में 68 नाबाद रन ठोक डाले। उन्होंने अपनी पारी में दो चौके और छह छक्के लगाये। अकील हुसैन (15), आंद्रे रसल (14) और रोमारियो शेफर्ड 13 रन बनाकर आउट हुये। वेस्टइंडीज ने निर्धारित 20 ओवर में नौ विकेट पर 149 का स्कोर खड़ा किया।

न्यूजीलैंड की ओर से ट्रेंट बोल्ट ने तीन विकेट लिये। टिम साउदी और लॉकी फर्ग्युसन को दो-दो विकेट मिले। जिमी नीशम और मिचेल सैंटनर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

टी-20 विश्वकप के 26वें मुकाबले का स्कोर बोर्ड

वेस्टइंडीज बल्लेबाजी: ब्रैंडन किंग कैच कॉन्वे बोल्ड नीशम 09, जॉनसन चार्ल्स बोल्ड बोल्ट 00,निकोलस पूरन कैच कॉन्वे बोल्ड साउदी 17,रॉस्टन चेज कैच रविंद्र बोल्ड फर्ग्युसन 00,रोवमन पॉवेल कैच कॉन्वे बोल्ड साउदी 01,शरफेन रदरफोर्ड नाबाद 68,अकील हुसैन कैच नीशम बोल्ड सैंटनर 15,आंद्रे रसल कैच फर्ग्युसन बोल्ड बोल्ट 14,रोमारियो शेफर्ड पगबाधा फर्ग्युसन 13,अल्जारी जोसेफ बोल्ड बोल्ट 06,गुडाकेश मोटी नाबाद 00,**अतिरिक्त:** 6 रन,**कुल:** 20 ओवर में नौ विकेट पर 149 रन,**विकेट पतन:** 1-1, 2-20, 3-21, 4-22, 5-30, 6-58, 7-76, 8-103, 9-112 ,**न्यूजीलैंड गेंदबाजी:** ट्रेंट बोल्ट 4-1-16-3,टिम साउदी 4-0-21-2,लॉकी फर्ग्युसन 4-0-27-2,जिमी नीशम 4-0-27-1,ग्लेन फिलिप्स 1-0-9-0 ,मिचेल सैंटनर 2-0-27-1,डैरिल मिचेल 1-0-19-0।

न्यूजीलैंड बल्लेबाजी: डेवन कॉन्वे कैच चेज बोल्ड हुसैन 05,फिन ऐलन कैच रसल बोल्ड जोसेफ 26,रचिन रविंद्र कैच रसल बोल्ड मोटी 10,केन विलियम्सन कैच पूरन बोल्ड मोटी 01,डैरिल मिचेल बोल्ड मोटी 12,ग्लेन फिलिप्स कैच पॉवेल बोल्ड जोसेफ 40,जिमी नीशम कैच किंग बोल्ड जोसेफ 10,मिचेल सैंटनर नाबाद 21,टिम साउदी कैच आउट जोसेफ 00,ट्रेंट बोल्ट कैच चेज बोल्ड रसल 07,लॉकी फर्ग्युसन नाबाद 00,**अतिरिक्त:** 4 रन,**कुल:** 20 ओवर में नौ विकेट 136,**विकेट पतन:** 1-20, 2-34, 3-39, 4-54, 5-63, 6-85, 7-108, 8-108, 9-117 ,**वेस्टइंडीज गेंदबाजी:** अकील हुसैन 4-0-21-1,रोमारियो शेफर्ड 3-0-36-0 ,आंद्रे रसल 4-0-30-1,अल्जारी जोसेफ 4-0-19-4,गुडाकेश मोटी 4-0-25-3,रॉस्टन चेज 1-0-4-0।

नडाल ने विंबलडन में नहीं खेलने का किया ऐलान

पेरिस

स्पेन के राफेल नडाल ने गुरुवार को बड़ा फैसला लेते हुए साल के तीसरे ग्रैंडस्लैम विंबलडन में नहीं खेलने का ऐलान किया है। 22 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन नडाल ने कहा कि वह ऑल इंग्लैंड क्लब के लिए घास के कोर्ट पर खेलने और फिर क्ले पर वापस आने की बजाय सिर्फ क्ले कोर्ट पर ही खेलना चाहते हैं।

नडाल के अनुसार, वह स्वीडन के बस्ताद में क्ले कोर्ट टूर्नामेंट में भाग लेकर पेरिस ओलंपिक की तैयारी करेंगे। नडाल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिये इस बात की घोषणा की।

विंबलडन एक जुलाई से होगा शुरू

विंबलडन एक से 14 जुलाई तक चलेगा। ओलंपिक के दौरान 27 जुलाई से रोलां गैरो पर टेनिस प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। यह फ्रेंच ओपन का आयोजन स्थल है जहां नडाल ने रिकॉर्ड 14 खिताब जीते हैं। नडाल ने एक बयान में कहा, हमारा मानना है कि मेरे शरीर के लिए सबसे अच्छा यही है कि मैं सतह नहीं बदलूं।

नेत्रवलकर पर एक बार फिर होगा यूएसए निर्भर

लॉडरहिल

टी-20 वर्ल्ड कप 2024 का 30वां मुकाबला यूएसए और आयरलैंड के बीच लॉडरहिल में खेला जाएगा। यह मैच भारतीय समयानुसार 13 जून को रात आठ बजे शुरू होगा। यूएसए को सुपर 8 में प्रवेश करने के लिए एक जीत की दरकार है तो वहीं आयरलैंड भी अभी इस टूर्नामेंट से बाहर नहीं हुई है। हालांकि पाकिस्तान यह उम्मीद करेगा कि आयरलैंड इस मैच में यूएसए को पटखनी दे दे। दोनों टीमों के बीच टी-20 वर्ल्ड कप में यह पहली भिड़ंत होगी। इससे पहले दो बार यह टीमें टी-20 में एक दूसरे के आमने-सामने आ चुकी हैं, जिसमें दोनों टीमों को एक दूसरे के खिलाफ़ एक जीत हासिल हुई है।

पेरिस ओलंपिक में नहीं खेलेंगे मेसी

नई दिल्ली

दुनिया के महान फुटबॉल खिलाड़ियों में शुमार लियोनल मेसी ने घोषणा की है कि वह पेरिस ओलंपिक 2024 में अर्जेंटीना की टीम का हिस्सा नहीं होंगे। 36 वर्षीय दिग्गज खिलाड़ी ने कहा कि उनकी उम्र और व्यस्त कार्यक्रम के चलते प्रत्येक टूर्नामेंट में खेलना मुश्किल है। फिलहाल, वह अर्जेंटीना की कोपा अमेरिका खिताब की रक्षा की तैयारी में जुटे हैं। इस टूर्नामेंट का आयोजन 20 जून से 14 जुलाई के बीच संयुक्त राज्य अमेरिका में होगा।

भारतीय घुड़सवार श्रुति वोरा ने दर्ज की ऐतिहासिक जीत

नई दिल्ली

भारत की अनुभवी घड़सवार श्रुति वोरा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज की। श्रुति श्री स्टार ग्रां प्री प्रतियोगिता जीतने वाली पहली भारतीय राइडर (घुड़सवार) बन गई हैं। भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) ने गुरुवार को यह जानकारी दी। कोलकाता की रहने वाली श्रुति ने ड्रेसेज विश्व चैंपियनशिप (2022) और एशियाई खेलों (2010, 2014) में भारत का प्रतिनिधित्व किया है।

श्रुति ने मोलदोवा की प्रतिद्वंदी को पछाड़ा

श्रुति ने सात से नौ जून तक स्लोवेनिया के लिपिका में आयोजित सीडीआई-3 प्रतियोगिता में 67.761 अंक हासिल किए। भारतीय खिलाड़ी मोलदोवा की तातियाना एंटोनेंको (आचेन) से आगे रहीं जिन्होंने 66.522 अंक हासिल किए। ऑस्ट्रिया की जूलियन जेरिच ने 66.087 अंकों के साथ शीर्ष तीन में जगह बनाई। श्रुति ने ग्रां प्री स्पेशल में भी सराहनीय प्रदर्शन किया जो इसी स्थान पर एक साथ आयोजित की गई। वह 66.085 अंकों के साथ एंटोनेंको के बाद दूसरे स्थान पर रहीं।

ग्रुप- ए के अंतिम तीन मैच बारिश से हो सकते हैं प्रभावित

दक्षिणी फ्लोरिडा में बाढ़ से आपातकालीन स्थिति

फ्लोरिडा

फ्लोरिडा में आने वाले दिनों में टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के कुछ मैच प्रभावित हो सकते हैं। अगले तीन दिनों में यहां ग्रुप ए के तीन मैच निर्धारित हैं। ट्रॉपिकल डिस्टर्बेंस ने दक्षिणी फ्लोरिडा में बाढ़ की आपातकालीन स्थिति पैदा कर दी है और लॉडरहिल भी इससे अछूता नहीं है। इस वेन्यू पर खेले जाने वाला नेपाल और श्रीलंका के बीच पहला मैच भी बारिश की भेंट चढ़ गया था। इस मैदान पर संयुक्त राज्य अमेरिका बनाम आयरलैंड, कनाडा बनाम भारत और आयरलैंड बनाम पाकिस्तान मुक़ाबला खेला जाना है। यह तीनों ही मैच प्रभावित हो सकते हैं क्योंकि यहां भारी बारिश होने का अनुमान है। संयुक्त राज्य अमेरिका की राष्ट्रीय मौसम सेवा ने भी इस दौरान भारी बारिश से बाढ़ की आपातकालीन स्थिति उत्पन्न होने की आशंका जताई है। ग्रुप ए में अभी की स्थिति के अनुसार गणितीय तौर पर अन्य सभी चार टीमों के पास सुपर 8 में प्रवेश करने का मौक़ा है। भारत पहले ही अगले दौर में प्रवेश कर चुका है जबकि दूसरे स्थान के लिए अमेरिका, आयरलैंड, कनाडा और पाकिस्तान के बीच भिड़ंत होनी है।पाकिस्तान ने अब तक सिर्फ़ एक मैच जीता है लेकिन अगर वह अगले मैच में आयरलैंड को हरा देते हैं और आयरलैंड ,अमेरिका को हरा देती है तब पाकिस्तान अगले दौर में प्रवेश कर सकता है। अगर इन दोनों में से कोई भी मैच बारिश की भेंट चढ़ गया तो अब तक दो मैच जीत चुकी अमेरिका अपने आप अगले दौर में प्रवेश कर जाएगी।श्रीलंका और नेपाल के बीच मैच रद्द होने से दोनों ही टीमें टूर्नामेंट से बाहर होने की कगार पर पहुंच गईं।

ग्रुप मैचों के लिए कोई रिज़र्व डे भी नहीं रखा गया है। पहले सेमीफ़ाइनल और फ़ाइनल के लिए रिज़र्व डे है लेकिन दूसरे सेमीफ़ाइनल के लिए रिज़र्व डे नहीं रखा गया है।

बांग्लादेश ने नीदरलैंड को 25 रन से हराकर सुपर-8 की ओर बढ़ाए कदम

किंग्सटाउन

शाकिब अल हसन नाबाद (64) की अर्धशतकीय और तंजिद हसन (35) रनों की पारियों और उसके बाद आखिरी ओवरों में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर बांग्लादेश ने गुरुवार टी-20 विश्वकप के 27वें मुकाबले में नीदरलैंड को 26 रनों से हरा दिया है। इस जीत के साथ ही बांग्लादेश ने सुपर आठ की ओर एक कदम और बढ़ा दिया है।आज यहां नीदरलैंड के कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही और दूसरे ओवर में कप्तान नजमुल शान्तो (1) को आर्यन दत्ता ने विक्रमजीत के हाथों कैच आउट करा दिया। चौथे ओवर में लिटन कुमार दास भी (1) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। ऐसे संकट के समय शाकिब अल हसन और तंजिद हसन ने पारी को संभाला। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिये 48 रनों की साझेदारी हुई। नौवें ओवर में पॉल वैन मीकरेन ने तंजिद हसन को आउट कर बांग्लादेश को तीसरा झटका दिया। तंजिद ने 25 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का लगाते हुए 35 रन बनाये। मो. तौह़ीद हृदोय (9) और महमुदउल्लाह (25) रन बनाकर आउट हुये। शाकिब अल हसन ने 46 गेंदों में नौ चौके लगाते हुये नाबाद 64 रनों की पारी खेली। जाकेर अली 14 रन बनाकर नाबाद रहे। बांग्लादेश ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 159 रन का स्कोर खड़ा किया। नीदरलैंड की ओर से आर्यन दत्त और पॉल वैन मीकरेन ने दो-दो विकेट लिये। टिम प्रिंगल ने एक बल्लेबाज को आउट किया। 160रनों के लक्ष्य के सामने नीदरलैंड की टीम निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट पर 134 रन ही बना सकी और 25 रन से मुकाबला हार गई। दिया। विक्रमजीत सिंह ने 26रन और साइब्रैंड एंजेलब्रेक्ट ने 22 गेंदों में सर्वाधिक 33 रन बनाये।

टी-20 विश्वकप के 27वें मैच का स्कोर बोर्ड

बांग्लादेश बल्लेबाजी: तंजिद हसन कैच डलीडे बोल्ड मीकरेन 35,नजमुल शान्तो कैच विक्रमजीत बोल्ड दत्त 01,लिटन कुमार दास कैच एंजेलब्रेक्ट बोल्ड दत्त 01,शाकिब अल हसन नाबाद 64,मो. तौह़ीद हृदोय बोल्ड प्रिंगल 09,महमुदउल्लाह कैच एंजेलब्रेक्ट बोल्ड मीकरेन 25,जाकेर अली नाबाद 14,**अतिरिक्त:** 10 रन,**कुल:** 20 ओवर में पांच विकेट पर 159 रन,**विकेट पतन:** 1-3, 2-23, 3-71, 4-89, 5-130,**नीदरलैंड गेंदबाजी:** विवियन किंगमा 2-0-20-0,आर्यन दत्त 4-0-17-2,पॉल वैन मीकरेन 4-0-15-2,लोगन वैन बीक 4-0-43-0,बास डलीड 3-0-31-0,टिम प्रिंगल 3-0-26-1।

नीदरलैंड बल्लेबाजी: माइकल लेविट कैच ह्रदोय बोल्ड तस्किन 18,मैक्स ओडाउड कैच आउट तनजीम 12,विक्रमजीत सिंह स्टंप लिटन बोल्ड महमुदउल्लाह 26,साइब्रैंड एंजेलब्रेक्ट कैच तनजीम बोल्ड रिशाद हुसैन 33,स्कॉट एडवर्ड्स कैच जाकेर बोल्ड मुस्तफिजुर 25,बास डलीडे स्टंप लिटन बोल्ड रिशाद हुसैन 00,लोगन वैन बीक कैच आउट रिशाद हुसैन 02,टिम प्रिंगल बोल्ड तस्किन 01,आर्यन दत्त नाबाद 15,**अतिरिक्त :** 2 रन,**कुल :** 20 ओवर में आठ विकेट पर 134 रन, **विकेट पतन:** 1-22, 2-32, 3-69, 4-111, 5-111, 6-117, 7-117, 8-134,**बांग्लादेश गेंदबाजी:** मुस्तफिजुर रहमान 4-0-12-1,तनजीम हसन साकिब 3-0-23-1,तस्किन अहमद 4-0-0-2,शाकिब अल हसन 4-0-29-0,रिशाद हुसैन 4-0-33-3,महमुदउल्लाह 1-0-6-1।

पेरिस ओलंपिक 2024

एआईटीए ने युगल के लिये बोपन्ना और बालाजी को चुना

नई दिल्ली

अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने गुरुवार को ऐलान किया कि रोहन बोपन्ना और एन श्रीराम बालाजी पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए पुरुष युगल स्पर्धा के लिए भारत की पसंदीदा जोड़ी होंगे। विश्व में चौथे स्थान पर काबिज बोपन्ना को अपनी जोड़ी चुनने की अनुमति दी गई और अनुभवी ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने श्रीराम बालाजी को चुना। श्रीराम इस समय विश्व में 67वें स्थान पर हैं। एआईटीए ने गुरुवार को इस निर्णय की जानकारी दी। दोनों के साथ कोच बालचंद्रन मणिकथ और फिजियो रेबेका वी. ओरशेगेन भी होंगे। पुरुष युगल स्पर्धा में भारत के पास ओलंपिक में टेनिस पदक जीतने का यह सबसे अच्छा मौका है। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, हमें यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि रोहन बोपन्ना और एन. श्रीराम बालाजी ने पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए क्वालीफाई कर लिया है! हम विश्व मंच पर अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं।

मंगोलिया को हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंची भारतीय पुरुष टीम, अब पाकिस्तान से होगा सामना

नई दिल्ली

भारतीय पुरुष टीम ने एशियाई टीम स्क्वाश चैंपियन में शानदार प्रदर्शन जारी रखा और मंगोलिया को 3-0 के हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। पूर्व चैंपियन भारत शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में पाकिस्तान से भिड़ेगा। जापान पहले ही पूल डी से अंतिम आठ चरण के लिए क्वालीफाई कर चुका है। भारत की महिला टीम ने चीनी ताइपे को 3-0 से हराया, लेकिन मलेशिया से समान अंतर से हार गई। टीम को अब सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए ग्रुप-ए के अंतिम लीग मैच में दक्षिण कोरिया को हराना होगा।

बच्चों में त्वचा संबंधी दिक्कतें

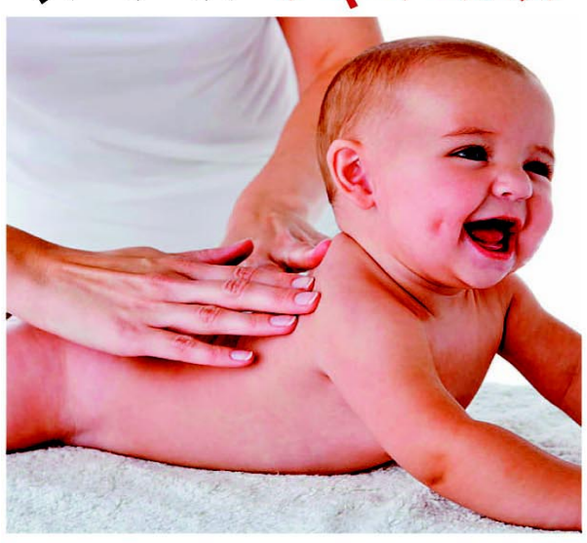

बच्चों की त्वचा इतनी नाजुक होती है कि हल्की-सी खरोंच या रैश उन्हें बहुतही परेशानी वाली स्थिति में डाल देती है। याद रखें कि नवजन्मे बच्चों में रैशेज का खतरा अधिक रहता है। ऐसे रैशेज में से अधिकतर नुकसानदायक नहीं होते और कुछेक दिनों के अंतराल पर चले जाते हैं, फिर भी बच्चों की त्वचा संबंधी कुछ समस्याएं हैं जिन पर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है।

इस अपरिहार्य समस्या के कारण बच्चे को और माता-पिता को रात भर जागना पड़ सकता है। बच्चे के डाइपर वाले हिस्से की अक्सर जांच करते रहना पड़ती है। यदि वहां पर लाली महसूस हो तो तुरन्त डाइपर रैश क्रीम लगाएं और उस हिस्से को जितना संभव हो सके खुला और सूखा रखें। इस बात को तय करें कि डाइपर न तो बहुत ढीला हो और न ही इसे बच्चे को लंबे समय तक पहनाया जाए। जब जरूरत समझें तब इसे बदल दें।

मुहांसे: बच्चे के चेहरे पर दिखने वाले छोटे-छोटे मुहांसे एक बहुत ही आम समस्या है और ये कुछ ही दिनों में चले जाते हैं। इन पर कुछ भी लगाने से पूरी तरह परहेज करें।

बर्थ मार्क्स: बर्थ मार्क्स बच्चों में बहुत ही आम होते हैं। जब बच्चा पैदा होता है तब और जन्म के कुछ हफ्तों या महीनों तक ये निशान रह सकते हैं।

एग्जीमा: जिन बच्चों के परिवार में अस्थमा या एलर्जी की हिस्ट्री होती है, उनमें खुजली पैदा करनेवाली एग्जीमा की समस्या अधिक पाई जाती है। यह आम तौर पर चेहरे पर उभरती है परन्तु इसे अक्सर इसे कोहनियों, छाती या बांहों पर भी पैदा होते देखा जाता है। धीरे-धीरे यह सूखी और खुरदरी हो जाती है। इस किस्म के रैश आमतौर पर साबुनों, लोशनों या बच्चे के कपड़े धोने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले डिटर्जेंट के एलर्जिक रिएक्शन के तौर पर भी बढ़ते हैं।

रूखी त्वचा

अधिकतर नवजन्मे बच्चे रूखी त्वचा के साथ पैदा होते हैं। उनके जन्म के कुछ दिनों बाद यह त्वचा खुद ही उतरने लगती है। यह आम तौर पर जल्दी ही रुक जाती है परन्तु इसके कारण यदि आपको चिंता हो तो किसी जच्चा-बच्चा विशेषज्ञ से अवश्य सलाह लें।

गुलाबी-लाल रंग वालधब्बे

ये हल्के गुलाबी-लाल रंग वाले धब्बे पसीने के कारण पैदा होते हैं और गर्दन, डाइपर वाले हिस्से तथा बगलों में दिखाई देते हैं। जितना संभव हो सके अपने बच्चे को कूल और सूखा रखें। उसे ढीले-ढाले सूती कपड़े पहनाएं। बच्चे की त्वचा पर पाऊडर के अधिक उपयोग से बचें। बेबी पाऊडर के छोटे-छोटे दाने सांस के द्वारा बच्चे के अंदर जा सकते हैं, जिससे उन्हें असुखद महसूस हो सकता है। जब तक आपका बच्चा 4 से 6 महीने तक का न हो जाए तब तक उसके शरीर पर पाऊडर का इस्तेमाल करने से बचें।

मसल्स बनाने है तो ले संतुलित आहार

मांसपेशियों के सही ढंग से काम करने के लिए प्रोटीन, मिनरल्स विटामिन्स और कार्बोहाइड्रेट का बहुत महत्व होता है। इसलिए फिट रहने के लिए जिम करने वाले को न्यूट्रीशन्स से भरपूर डाइट लेनी चाहिए। मसल्स बनाने के लिए संतुलित भोजन की आवश्यकता होती है। इसके अलावा प्रोटीन शेक या सप्लीमेंट्स का सहारा न लें क्योंकि इसके अधिक नुकसान हैं।

तेज बुखार से कैसे पाएं राहत...

जब हमारे शरीर पर कोई बैक्टीरिया या वायरस हमला करता है तो शरीर खुद ही उसे मारने की कोशिश करता है। इसी मकसद से शरीर जब अपना तापमान सामान्य 98.3 डिग्री फॉरनहाइट से ज्यादा बढ़ाता है तो उसे बुखार कहा जाता है। हालांकि कई बार बुखार थकान या मौसम बदलने आदि की वजह से होता है। ऐसे में 100 डिग्री तक बुखार में किसी दवा आदि की जरूरत नहीं होती।

रेयर डिजीज से बचाएं बच्चों को...

दुर्लभ बीमारियों के शिकार अक्सर छोटे और कम उम्र के बच्चे होते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बच्चों के शरीर में किसी भी तरह की अजीब हरकत या असाधारण व्यवहार जैसे अगर बच्चे का विकास न हो रहा हो, वह ज्यादा चिड़चिड़ा रहने लगा हो, उसे दौरे आते हों, शरीर से अजीब-सी गंध आती हो, बालों के रंग में बदलाव होने लगे, देखने में परेशानी हो, उम्र के हिसाब से उसमे विकास दिखाई न दे तो फौरन डॉक्टर से संपर्क कर आवश्यक जांचें करा लेनी चाहिए। रेयर डिजीज यानी दुर्लभ बीमारियां उन्हें माना जाता है, जो कभी-कभार ही देखने को मिलती हैं, लेकिन बच्चों को लेकर हमाशा जागरूक रहने की जरूरत है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार ऐसी बीमारियां 10 हजार में से छह लोगों में ही देखने को मिलती हैं। इनमें से ज्यादातर बीमारियां आनुवांशिक होती हैं। इनसे ग्रसित बच्चों में से 30 प्रतिशत बच्चे 5-7 वर्ष की उम्र से पहले ही मौत का शिकार हो जाते हैं। दुर्लभ बीमारियों से ग्रसित बच्चों का मानसिक व शारीरिक विकास प्रभावित होता है। एक ही परिवार में कई लोगों को एक जैसा विकार हो सकता है। इसलिए इन दुर्लभ बीमारियों को जन्म के शीघ्र बाद ही पहचान कर इलाज करा लेना चाहिए। फिलहाल इन बीमारियों के इलाज के लिए जीन थैरेपी, एंजाइम थैरपी व स्टेम सेल ट्रीटमेट पर शोध किया जा रहा है। कुछ दुर्लभ बीमारियां ऐसी भी हैं जो इन दिनों बहुत देखने में आ रही हैं।

ऑसिफिकेंस प्रोगरेसिवा

ऑसिफिकेंस प्रोगरेसिवा से ग्रस्त बच्चों में हड्डी वहां बनना शुरू हो जाती है, जहां सामान्यतया मांसपेशियां होती हैं। इसमें बच्चे के शरीर के विभिन्न हिस्सों में मांसपेशियों में गांठें दिखने लगती हैं और इसकी शुरुआत कभी-कभी छोटी चोट लगने के बाद होती है। ऐसे बच्चे 30 की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते चलने-फिरने में असमर्थ हो जाते हैं और बार-बार निमोनिया से ग्रसित होते हैं। इसके उपचार के लिए प्रेडनिसोलोन दवा का प्रयोग किया जाता है और बच्चे को बार-बार चोट लगने से बचाना होता है।

एकोन्ड्रोप्लेसिया

एकोन्ड्रोप्लेसिया बीमारी एक दुर्लभ बीमारी है जो 25 हजार में से किसी एक बच्चे को होती है। ऐसे बच्चों की लंबाई बहुत कम रह जाती है। इन बच्चों का चेहरा बीच से छोटा व नाक चपटी होती है। इनकी रीढ़ की हड्डी ज्यादा झुकी हुई होती है। कान में बार-बार संक्रमण का खतरा रहता है और सिर में पानी भरने की आशंका भी रहती है। इसके इलाज के लिए जीन थैरपी व सीएनपी दवा का प्रयोग किया जा रहा है। हालांकि अभी तक इसमें सफलता नहीं मिली है।

ड्यूकन मसक्यूलर डिस्ट्रॉफी

ड्यूकन मसक्यूलर डिस्ट्रॉफी मांसपेशियों की बीमारी है जो सिर्फ लड़कों में ही दिखाई देती है। इस बीमारी में एक्स क्रोमोसोम में डिस्ट्रोफिन जीन विकार हो जाता है।

इस रोग के लक्षण बच्चों में 2-3 साल के बाद दिखने लगते हैं। सबसे पहले पैरों की मांसपेशियां कमजोर होती हैं फिर 10 वर्ष की उम्र तक बच्चा चलना-फिरना बंद कर देता है। ऐसे बच्चों का दिमागी व सामान्य विकास भी प्रभावित होता है। इसके लिए स्टेम सेल या जीन थैरेपी पर प्रयोग चल रहे हैं।

जन्मजात थायरॉइड की कमी

जन्मजात थायरॉइड की कमी थायरॉइड हार्मोन की कमी से होती है। इसके लक्षण हैं ज्यादा सोना, पीलिया, शरीर का तापमान कम होना और थकावट आदि। इसके इलाज के लिए थायरॉइड की दवाएं दी जाती हैं।

बायोटिनीडेज डेफीशियंसी

बायोटिनीडेज डेफीशियंसी यह रोग बायोटिन यानी विटामिन- बी7 की कमी के कारण होता है। इसमें व्यावहारिक व दिमागी क्षमता में कमी, दौरे आना, दस्त, त्वचा रोग, बार-बार संक्रमण, शारीरिक कमजोरी व बाल झड़ना यह लक्षण पाए जाते हैं। इसका इलाज है विटामिन- बी7 दवा।

आवश्यक जांचें कराएं

नवजात शिशुओं में दुर्लभ बीमारियों का समय रहते पता लगाने के लिए विशेष जांच प्रक्रियाएं हैं। प्रसव के बाद नवजात शिशु के शरीर से खून की कुछ बूंदे फिल्टर पेपर पर ले ली जाती हैं और कई बीमारियों के लिए टेस्ट किया जाता है। इसका प्रयोग कई दुर्लभ, आनुवांशिक एवं मेटाबॉलिक डिजीज का पता लगाने के लिए किया जाता है। सभी नवजात बच्चों में जन्मजात थायरॉइड की कमी, कन्जानाइटल एड्रिनल हाइपरप्लेसिया, जी-6 पीडी की कमी, ग्लेक्टोसीमिया और बायोटिनीडेज की कमी की जांचें करवा लेनी चाहिए। इन सबके अलावा बच्चों में कोई भी असाधारण लक्षण देखकर तुरंत डॉक्टर की मदद लें।

प्रुन बैली सिन्ड्रोम

प्रुन बैली सिन्ड्रोम 40 हजार में से एक बच्चे में देखने को मिलती है। यह बीमारी ज्यादातर लड़कों को होती है। इन बच्चों की मुख्य समस्या पेशाब के रास्ते में रूकावट से होती है। इनके पेट के ऊपर की मांसपेशियां पूर्णतया विकसित न होने से पेट आगे निकला होता है और इनके टेस्टीज भी पेट में होते हैं।

प्रोजिरिया

प्रोजिरिया में बचपन में ही बच्चा बूढ़ा दिखने लगता है। इस बीमारी की आशंका 80 लाख बच्चों में से किसी एक को होती है। यह बीमारी एलएमएनए जीन में बदलाव से होती है। जन्म के बाद इन बच्चों का वजन अपनी उम्र के अन्य बच्चों की तुलना में कम बढ़ता है और चमड़ी मोटी हो जाती है, बाल झड़ने लगते हैं, दिखना कम हो जाता है और चेहरे पर झुर्रियां पड़ जाती हैं।

त्वचा के नीचे वसा व मांसपेशियां कम हो जाती हैं। ये लक्षण 6-7 साल की उम्र तक दिखने लग जाते हैं।

इस रोग के उपचार के लिए मोरफालिनोस लोनाफार्निब, रेपामाइसिन, ग्रोथ हार्मोन आदि दवाओं का उपयोग किया जाता है लेकिन अभी इसके इलाज में पूर्णतया सफ लता नहीं मिल पाई है।

फिनाइल किटोन यूरिया

फिनाइल किटोन यूरिया एक आनुवांशिक बीमारी है। बच्चों में एंजाइम्स की कमी होने पर वह अमीनो एसिड पचा नहीं पाते और जब यह शरीर में एकत्र होता रहता है तो फिनाइल किटोन यूरिया की समस्या हो जाती है। इस बीमारी में नवजात जन्म के समय सामान्य होता है। अमीनो एसिड के जमा होने से धीरे-धीरे नवजात का विकास रूक जाता है, दिमागी कमजोरी आती है और पेशाब में गंध आने लगती है। यदि इस रोग का समय रहते पता चल जाए तो बच्चे का विकास सामान्य हो सकता है। इससे बचने के लिए अमीनो एसिड रहित विशेष प्रकार का दूध दिया जाता है। यह मार्केट में आसानी से उपलब्ध होता है।

बॉडी स्वैलिंग हटाने के लिए खाएं ये सब्जियां

शरीर में सूजन होने के बहुत सारे कारण हो करते है। वक्त रहते अगर इस पर ध्यान न दिया जाए तो यह परेशानी बहुत बढ़ सकती है। इसके बहुत से कारण हो सकते है जैसे की शरीर में खून की कमी होना,पेट की गड़बड़ी या फिर खान-पान में लापरवाही।आज हम आपको सूजन की रोकथाम के लिए कुछ खास आहार बता रहें है, जिसे आप अपनी दिनचर्या में शामिल करके इस समस्या से निजात पा करते है।

चुकंदर

इसमें विटमिन सी और फाइबर के गुण होते हैं और इसमें ऐंटिऑक्सिडेंट पाया जाता है।यह सूजन कम करने में मददगार है।

अदरक और हल्दी

यह हमारे शरीर के इम्यून सिस्टम को बढ़ाता हैं और रोगों से लड़ने में मदद करता हैं।

टमाटर

टमाटर में लाइकोपेन होता है जो फेफड़ों और पूरे शरीर की सवैलिंग को रोकता है।

लो फैट भोजन

कैल्शियम और विटमिन डी से वाले आहार लाभदायक होते है।

सोया

सोया खाने से सूजन कम हो जाती है। अपनी रोजाना की डाइट में सोया मिल्क और टोफू शामिल करना चाहिए।

सूखे मेवे

बादाम और अखरोठ में बहुत ज्यादा फाइबर, कैल्शियम और विटमिन ई पाया जाता है जो शरीर को सूजन से बचाता है।

हरी पत्तेदार सब्जियां

हरी पत्तेदार सब्जियां ब्रोकली, पत्तागोभी, पालक काफी लाभदायक होते है।

साबुत अनाज

साबुत अनाज में फाइबर काफी मात्रा में होता है। यह शरीर की सूजन कम करने में मदद करता है। साबुत अनाज के तौर पर आप, चावल, बाजरा, वीट ब्रेड भी खा सकते हैं।

मछली

मछली में ओमेगा 3 फैटी ऐसिड पाया पाया जाता है। जिससे शरीर की सूजन काफी कम रहती है।

ये बीमारियां बन सकती हैं ब्रेन हेम्रेज का कारण

बीमारी जो भी हो, उसकी सही समय पर पहचान और उपचार होना चाहिए। लेकिन कई बीमारियां ऐसी होती हैं, जो अगर सही समय पर पहचान या उपचारित ना की जाएं तो जानलेवा साबित हो सकती हैं। ऐसी ही कुछ बीमारियां हैं जो दबे पाओं शरीर में घर कर लेती हैं और एक दिन ब्रेन हेम्रेज का कारण बन जाती हैं। इन्हें साइलेंट किलर डिजीज बी कहा जाता है। इन बीमारियों से हार्ट अटैक, ब्रेन हेम्रेज के साथ अंधे होने की तक की आशंका रहती है।

डायबिटीज

आमतौर पर यह बीमारी किसी मनुष्य को दो रूपों में परेशान करती है, टाइप 1 और टाइप 2 डायबिटीज। टाइप-1 डायबिटीज में शरीर के अंदर इंसुलिन बनना बंद हो जाता है। वहीं टाइप-2 डायबिटीज में शरीर बने हुए इंसुलिन का ठीक से प्रयोग कर पाने में असफल हो जाता है। लगभग 90 प्रतिशत लोग टाइप-2 डायबिटीज के शिकार होते हैं।

प्रमुख कारण व लक्षण

डायबिटीज के मुख्य कारणों में आनुवांशिक कारण, शारीरिक श्रम की कमी, अधिक कार्बोहाइड्रेटयुक्त भोजन का सेवन, अधिकांश समय घर के भीतर ही रहना आदि हैं। इसके लक्षणों में तेजी से घटता वजन, थकान, अत्यधिक प्यास लगना, घाव जल्दी न भरना, पैरों में झनझनाहट होना, आंखों में धुंधलापन आदि शामिल होते हैं।

क्या हैं खतरे

इस बीमारी के गंभीर होने की स्थिति में आंखों में अंधापन, दिमाग को लकवा, किडनी फेल्यॉर, आंखों में अंधापन, हृदय संबंधी बीमारियां आदि का खतरा होता है।

रोग के मुताबिक होता इलाज

मरीज के रोग की स्थिति व गंभीरता के हिसाब उसे दवाएं व इंसुलिन के इंजेक्शन दिए जाते हैं। साथ ही जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव की सलाह दी जाती है।

क्या है बचाव

40 साल की आयु हो जाने के बाद समय-समय पर चिकित्सा जांच अवश्य कराएं। संतुलित आहार लें, नियमित व्यायाम करें व टहलें। नियमित व्यायाम जरूरी डायबिटीज से बचने व इससे डील करने में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

हाई ब्लड प्रेशर

हाई ब्लड प्रेशर के दो मुख्य कारण होते हैं। पहला प्राइमरी, जिसमें समस्या या तो आनुवांशिक कारणों से होती है या फिर तनाव के कारण। लगभग 90 प्रतिशत लोगों में यह बीमारी प्राइमरी कारणों से ही होती है। सकेंडरी कारण में, किसी अन्य अंग के विकार के कारण व्यक्ति हाई ब्लडप्रेशर का शिकार हो जाता है। हालांकि ऐसा केवल 10 प्रतिशत लोगों में देखा जाता है। इस रोग के कोई स्पष्ट लक्षण नहीं होते हैं।

क्या खतरे होते हैं

इस रोग के गंभीर मामलो में ब्रेन हेम्रेज, हार्ट अटैक, किडनी फेल्यॉर, आंखें खराब होने वाला लकवा आदि होने की आशंका होती है।

क्या है इलाज

मरीज की जांच आदि कर फैमिली हिस्ट्री, उम्र, जुड़ी हुई बीमारियां व शारीरिक प्रकृति देखकर रोगी दवा दी जाती है। और जीवनशैली से जुड़े जरूरी बदलाव करने की सलाह दी जाती है।

कैसे करें बचाव

प्रतिदिन 5 ग्राम से अधिक नमक का सेवन न करें, अधिक चिकनाईयुक्त पदार्थ न खाएं, घी व नॉनवेज, तेज मसालों और फास्ट फूड आदि से परहेज करें। फल व सलाद को डाइट में शामिल करें। व्यायाम व मेडिटेशन को अपनी दैनिक क्रिया बनाएं।

उपरोक्त के अलावा थायरॉइड का बिगड़ा रूप भी ब्रेन हेम्रेज व अन्य गंभीर समस्याओं का कारण बन सकता है। बदलती जीवनशैली और शरीर में एंटीबॉडीज बनने से यह रोग होता है। बदलती जीवनशैली इसका मुख्य कारण है, अतः इससे बचने के लिए खान-पान व दिनचर्या में सकारात्मक बदलाव करें।

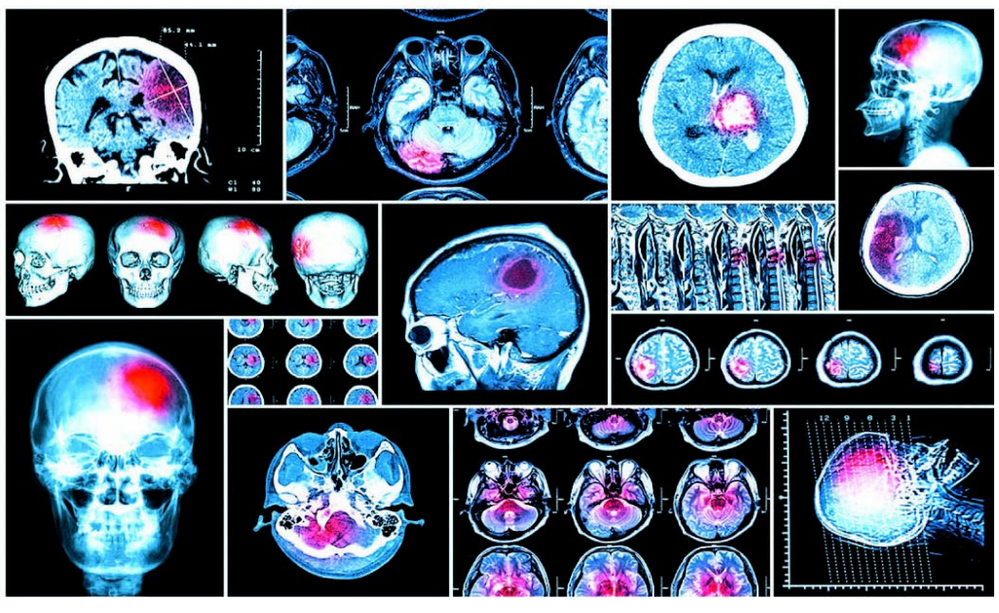

रेसिपी

वालनट ब्राउनिज

सामग्री

1/2 कप (100 ग्राम) मक्खन, 175 ग्राम ब्राउन शुगर, 2 अंडे, 1 टी स्पून वनीला एसेंस या रम, 1/2 कप मैदा, 1/5 टी स्पून बेकिंग पाउडर, 1/2 कप कोको पाउडर, 75 ग्राम अखरोट के छोटे-छोटे टुकड़े।

विधि

मक्खन को धीमी आंच पर पिघलाएं। फिर उसमें ब्राउन शुगर डालकर लकड़ी के चम्मच से अच्छी तरह मिलाएं। एक अंडा डालकर दोबारा अच्छी तरह मिलाएं। दूसरा अंडा डालकर फिर से मिलाएं। 1 टी स्पून वनीला एसेंस या 1 टी स्पून रम मिलाएं। मैदे में बेकिंग पाउडर और कोको पाउडर मिलाएं। 2 टेबल स्पून अखरोट हटाकर अलग रखें और बचे हुए अखरोट मैदे में मिला दें। फिर मैदे को मक्खन मिश्रण में मिलाएं। अब मैदा मिश्रण को चिकनाई लगी मध्यम आकार की ट्रे या 8 इंच चौकोर टिन में डालकर 1 इंच मोटी परत बिछाएं। बचे हुए अखरोट उसके ऊपर डालें। फिर 180 डिग्री सेंटीग्रेड पर पहले से गर्म किए हुए अवन में आधा घंटे बेक करें। ठंडा करके चौकोर टुकड़ों में काटकर सर्व करें।

ऑरेंज लेमन कसटर्ड

सामग्री

3 बड़े चम्मच लेमन कस्टर्ड पाउडर, आधा कप चीनी, 750 मिली दूध, एक संतरा छीला हुआ, 8-10 स्ट्रॉबेरी, 2 कीवी फ्रूट्स कटे हुए, एक मौसमी छीली हुई, 1 चम्मच पिसी चीनी, 1 छोटा चम्मच नीबू का रस, 1 चम्मच ऑरेंज कैंडी।

विधि

कस्टर्ड पाउडर को आधा कप ठंडे दूध में घोल लें। बाकी दूध को चीनी के साथ उबालें। उबलते दूध में कस्टर्ड पाउडर डालकर हलकी आंच पर लगातार चलाते हुए गाढ़ा होने तक पकाएं। ठंडा करने के लिए एक तरफ रखें। अब इसमें संतरा डालें। कटे हुए कीवी व स्ट्रॉबेरी में पिसी चीनी व नीबू का रस मिलाएं। ठंडे फलों को 4 ग्लासों में डालकर ऊपर से तैयार कस्टर्ड से भरें। ऊपर से ऑरेंज कैंडी व छोटे कटे स्ट्रॉबेरी व कीवी से सजाकर फ्रिज में सेट होने के लिए रखें। ठंडा-ठंडा सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**